नई दिल्ली । शुक्रवार, 22 मई, 2026
ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष षष्ठी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :136 / मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
नई दिल्ली संस्करण
सिर्फ पत्रकारिता...
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल एफआईएच नेशंस कप से पहले भारतीय महिला हॉकी ...
@ विचार पेट्रोल बचत का ज्ञान, सरकारी गाड़ियों में खानदान...
@ व्यापार कमजोर वैश्विक संकेतों के चलते लाल निशान में बंद...

संक्षिप्त खबर

अभिषेक बनर्जी को राहत

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ कथित टिप्पणियों के संबंध में दर्ज एफआईआर को लेकर बड़ी राहत मिली है। गुरुवार को कलकत्ता हाईकोर्ट ने अभिषेक बनर्जी को सुरक्षा कवच देते हुए पश्चिम बंगाल पुलिस को उनके खिलाफ कोई भी दंडात्मक कार्रवाई करने से रोक दिया। कलकत्ता हाईकोर्ट ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल पुलिस को निर्देश दिया कि वह अभिषेक बनर्जी के खिलाफ 31 जुलाई तक कोई भी दंडात्मक कार्रवाई न करे। सुनवाई के दौरान जस्टिस सौगत भट्टाचार्य ने आगे कहा कि यह अंतरिम सुरक्षा इस शर्त पर दी जा रही है कि अभिषेक बनर्जी पुलिस की जांच में सहयोग करेंगे। कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया कि याचिकाकर्ता (अभिषेक बनर्जी) बिना पहले से अनुमति लिए विदेश यात्रा नहीं कर सकता और किसी भी आवाजाही से पहले जांच अधिकारी को 48 घंटे का नोटिस देना अनिवार्य है।

इबोला को लेकर भारत-अफ्रीका शिखर सम्मेलन स्थगित

नई दिल्ली। अफ्रीका में इबोला के बढ़ते प्रकोप के कारण नई दिल्ली में होने वाला चौथा भारत-अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन स्थगित कर दिया गया है। विदेश मंत्रालय और अफ्रीकी संघ ने आपसी विचार-विमर्श के बाद यह निर्णय लिया, और कहा कि सम्मेलन की नई तारीखों की घोषणा बाद में की जाएगी। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि आगामी चौथा भारत-अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन, जो अगले सप्ताह नई दिल्ली में होने वाला था, अफ्रीका में इबोला के प्रकोप के कारण स्थगित कर दिया गया है। भारतीय प्रशासनिक अधिकारियों, अफ्रीकी संघ के अध्यक्ष और अफ्रीकी संघ आयोग के बीच मौजूदा परिस्थितियों में इस उच्च स्तरीय सभा और इसके सहायक कार्यक्रमों की मेजबानी की व्यवहार्यता का मूल्यांकन करने के लिए आयोजित विस्तृत विचार-विमर्श के बाद महत्वपूर्ण राजनयिक बैठक को स्थगित कर दिया गया।

ईरान जंग पर ट्रम्प-नेतन्याहू में टकराव

अमेरिका डील चाहता है, इजराइल बोला- हमला नहीं रुकना चाहिए, ऐसा किया तो गलती होगी

एजेंसी ■ तेल अवीव

ईरान युद्ध को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बीच मतभेद खुलकर सामने आ गए हैं। मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, नेतन्याहू चाहते हैं कि ईरान पर हमले जारी रहें, जबकि ट्रम्प फिलहाल बातचीत और डील को मौका देना चाहते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, मंगलवार को दोनों नेताओं के बीच करीब एक घंटे तक फोन पर बातचीत हुई। अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि नेतन्याहू ने ट्रम्प से कहा कि ईरान पर प्रस्तावित हमले रोकना गलती है और सैन्य कार्रवाई जारी रहनी चाहिए। सीएनएन के मुताबिक, ट्रम्प ने रविवार को नेतन्याहू को बताया था कि अमेरिका ईरान पर नए टारगेटेड हमले की तैयारी कर रहा है। इस ऑपरेशन को 'ऑपरेशन स्लेजहैमर' नाम दिया जाना था। लेकिन करीब 24 घंटे बाद ट्रम्प ने घोषणा कर दी कि मंगलवार के लिए तय हमलों को फिलहाल रोक दिया गया है। ट्रम्प ने

कहा कि कतर, सऊदी अरब और अन्य जैसे खाड़ी देशों की अपील पर यह फैसला लिया गया। इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी यानी आईईए के प्रमुख फातिह बिरोल ने चेतावनी दी है कि होर्मुज संकट के कारण जुलाई या अगस्त तक ग्लोबल ऑयल मार्केट रेड जोन में पहुंच सकता है।

उन्होंने कहा कि मध्य पूर्व से नए तेल निर्यात में कमी और गर्मियों में ईंधन की बढ़ती मांग के कारण दुनिया पर बड़ा दबाव बन रहा है। फातिह बिरोल के मुताबिक इस संकट का सबसे बड़ा हल होर्मुज को पूरी तरह खोलना है। युद्ध शुरू होने से पहले दुनिया के करीब 20% तेल और गैस की सप्लाई इसी रास्ते से गुजरती थी। तेल की बढ़ती कीमतों को नियंत्रित करने के लिए IEA ने मार्च की शुरुआत में अपने सदस्य देशों के रणनीतिक भंडार से 40 करोड़ बैरल तेल जारी करने का फैसला किया था।

अमेरिका का दावा- ईरानी बंदरगाहों की नाकेबंदी के बीच 94 जहाजों ने रास्ता बदला

अमेरिकी सेना के सेंट्रल कमांड ने दावा किया है कि ईरानी बंदरगाहों की नाकेबंदी के दौरान अब तक 94 व्यावसायिक जहाजों का रास्ता बदल दिया गया है।

चार अन्य जहाजों को डीएक्टिव भी किया गया ताकि वे नाकेबंदी का उल्लंघन न कर सकें।

ट्रम्प प्रशासन ने ईरान पर दबाव बढ़ाने के लिए उसके बंदरगाहों की समुद्री घेराबंदी लागू की है। अमेरिका चाहता है कि तेहरान युद्ध खत्म करने के लिए समझौते पर राजी हो जाए। अमेरिका का कहना है कि यह कार्रवाई सिर्फ ईरानी बंदरगाहों से जुड़े जहाजों पर लागू है, जबकि अन्य देशों के जहाजों की आवाजाही को नहीं रोका जा रहा। हालांकि इस नाकेबंदी के कारण होर्मुज और आसपास के समुद्री व्यापार पर असर पड़ रहा है और क्षेत्र में तनाव लगातार बना हुआ है।

रिपोर्ट- जंग के दौरान ईरान में 30 यूनिवर्सिटीज पर हमला किया गया

ईरान में स और इजराइल के हमलों को कई हफ्ते बीत चुके हैं, लेकिन लोगों के बीच दुख और सदमे का माहौल अब भी बना हुआ है। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, जिन लोगों ने अपने परिवार वालों को खोया, उनमें अब भी गहरा मातम है। रिपोर्ट्स के अनुसार युद्ध के दौरान देशभर में करीब 30 यूनिवर्सिटीज भी निशाने पर आई।

बंगाल में गोवंश वध पर रहेगी पाबंदी

बकरीद से पहले सभी याचिकाएं खारिज

एजेंसी ■ कोलकाता

कोलकाता हाईकोर्ट ने एक बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार के आदेश में दखल देने से मना कर दिया है। सरकार ने बकरीद से पहले बड़े पशुओं के वध पर कुछ रोक लगाई थीं। मुख्य न्यायाधीश सुजय पॉल और न्यायमूर्ति पार्थ सारथी सेन की बेंच ने इसके खिलाफ आई सभी याचिकाएं खारिज कर दी हैं। यह सरकारी नोटिस 13 मई को जारी हुआ था।

क्या हैं नए नियम और शर्तें ?

कोर्ट ने कहा कि सरकार का यह फैसला साल 2018 के पुराने अदालती आदेश के मुताबिक ही है। इसलिए इस नोटिस पर रोक लगाने का कोई ठोस कारण नहीं है। नए नियमों के मुताबिक सांड, बैल, गाय, बछड़े और भैंस का वध आसानी से नहीं होगा। इसके लिए पहले डॉक्टरों से फिटनेस प्रमाण पत्र लेना होगा। प्रमाण पत्र में यह लिखा होना चाहिए कि पशु अब खेती या माल ढोने के लायक नहीं है। इसके बिना पशु का वध नहीं किया जा सकेगा। साथ ही, वध केवल सरकार से मान्यता प्राप्त बूचड़खानों में ही होगा। अधिकारियों को अवैध वध रोकने के लिए जांच करने का पूरा अधिकार

दिया गया है।

हाईकोर्ट ने क्या-क्या कहा ?

हाईकोर्ट ने सरकार से कहा कि वह प्रमाण पत्र देने के लिए एक अच्छी व्यवस्था बनाए। सरकार यह भी जांचे कि पूरे राज्य में इसके लिए पर्याप्त बूचड़खाने और जरूरी अधिकारी मौजूद हैं या नहीं। इस मामले में टीएमसी विधायक अखरुज्जामन ने भी याचिका लगाई थी। उनका कहना था कि बकरीद पर बकरे-भेड़ महंगे हो जाते हैं। ऐसे में गरीब परिवारों के लिए बड़े पशुओं की कुर्बानी आर्थिक रूप से आसान होती है। इसलिए सरकार को धार्मिक छूट देनी चाहिए थी।

'गाय की कुर्बानी इस्लाम धर्म का कोई अनिवार्य हिस्सा नहीं'

इस पर अदालत ने सुप्रीम कोर्ट के पुराने फैसलों का हवाला दिया। कोर्ट ने साफ कहा कि गाय की कुर्बानी इस्लाम धर्म का कोई अनिवार्य हिस्सा नहीं है। कोर्ट ने सरकार को सुझाव दिया कि वह खुले और सार्वजनिक स्थानों पर पशु वध रोकने के नियम भी इसमें जोड़े। चूंकि बकरीद 27 या 28 मई को है, इसलिए कोर्ट ने सरकार को छूट देने या न देने के मामले पर 24 घंटे में फैसला लेने को कहा है।

बंगाल के फालता में 86.11% मतदान

एजेंसी ■ कोलकाता

बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के फलता विधानसभा क्षेत्र में वर्षों बाद मतदान वाले दिन बिल्कुल अलग नजारा दिखा। न कहीं अशांति हुई, न वोटों की लूट। लोगों ने बेहद कड़ी सुरक्षा के बीच भय-मुक्त होकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

बंगाल के मुख्य चुनाव अधिकारी के कार्यालय से दी गई जानकारी के अनुसार शाम पांच बजे तक 86.11 प्रतिशत की बंपर वोटिंग हुई। चूंकि उसके बाद भी विभिन्न बूथों पर मतदाताओं की कतारें लगी थीं इसलिए वोट प्रतिशत बढ़ना स्वाभाविक है। मालूम हो कि हालिया संपन्न विधानसभा चुनाव के दूसरे व अंतिम चरण के तहत 29 अप्रैल को यहां हुए मतदान में गड़बड़ी की ढेरों शिकायतें मिली थीं, जिसके बाद चुनाव आयोग ने यहां फिर से मतदान कराने का निर्णय लिया था।

गुरुवार सुबह मतदान शुरू होते ही समस्त बूथों पर मतदाताओं की लंबी कतारें लग गई थीं। महिला और बुजुर्ग मतदाताओं की अच्छी भागीदारी देखी गई। लोगों में मतदान को लेकर भारी उत्साह था। मानों वोट डालने को उतावले हुए जा रहे थे। फलता में केंद्रीय बलों की 35 कंपनियां मोर्चा संभाले हुए थीं। 30 क्विक रिस्पांस टीमें भी मुस्तैद थीं। प्रत्येक बूथ पर इस बार चार के बजाय आठ जवानों की तैनाती की गई थी। मतदान के दौरान कहीं कोई अप्रिय घटना नहीं हुई।

पीओके में मारा गया पुलवामा का गुनाहगार हमजा बुरहान

एजेंसी ■ नई दिल्ली

पुलवामा हमले के मास्टरमाइंड हमजा बुरहान की पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में अज्ञात बंदूकधारियों ने हत्या कर दी है। यह घटना मुजफ्फराबाद में हुई, जहां उस पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसाई गईं। गोलियों से छलनी आतंकी ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

2022 में भारत सरकार ने उसे आतंकवादी घोषित किया था और कहा था, 'अरजुमंद गुलजार डार उर्फ हमजा बुरहान उर्फ डॉक्टर, उम्र 23 वर्ष, खारबतपोरा, रत्नीपोरा, पुलवामा का निवासी है और अल-बद्र आतंकी संगठन का सहयोगी सदस्य है, जिसे यूएपीए के तहत प्रतिबंधित किया गया है।'

हमजा, जिसे 'डॉक्टर' भी कहा जाता था, पुलवामा के रत्नीपोरा क्षेत्र में पैदा हुआ था। वह 2017 में यह कहकर पाकिस्तान गया था कि वह उच्च शिक्षा के लिए जा रहा है, लेकिन बाद में वह आतंकी संगठन अल-बद्र

में शामिल हो गया और जल्दी ही कमांडर बन गया। अल-बद्र में शामिल होने के बाद वह कश्मीर लौटा। उस पर दक्षिण कश्मीर में युवाओं को कट्टरपंथ की ओर ले जाने और उन्हें आतंकी संगठनों में शामिल करने का आरोप था। उसका नेटवर्क मुख्य रूप से दक्षिण कश्मीर में सक्रिय था। कश्मीर में रहने के दौरान उसने पुलवामा से शोपियां तक अपना नेटवर्क फैलाया। उसकी मौत को पाकिस्तान स्थित आतंकी नेटवर्क के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। वह उन प्रमुख लोगों में से था जो जम्मू-कश्मीर में सक्रिय पाकिस्तान-आधारित आतंकी संगठनों के लिए काम करते थे। पुलवामा आतंकी हमला भारत के सबसे घातक हमलों में से एक था। 14 फरवरी 2019 को जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर सीआरपीएफ जवानों के काफिले पर हमला किया गया था। लेथपोरा क्षेत्र में एक आत्मघाती हमलावर ने विस्फोटकों से लदे वाहन के साथ बस को टक्कर मार दी थी, जिसमें 40 जवान शहीद हो गए थे।

पेपर लीक नहीं हुआ तो क्यों रद्द हुई परीक्षा ?

संसदीय समिति ने एनटीए प्रमुख से पूछे सवाल

एजेंसी ■ नई दिल्ली

संसदीय समिति की बैठक में सांसदों ने नीट-यूजी पेपर लीक मामले को लेकर एनटीए के शीर्ष अधिकारियों से तीखे सवाल पूछे। एनटीए के डीजी अभिषेक सिंह ने कहा कि मामले की जांच सीबीआई कर रही है। परीक्षा की व्यवस्था सुधारने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं।

संसद की शिक्षा, महिला, बाल, युवा और खेल संबंधी स्थायी समिति की बैठक में गुरुवार को कई सांसदों ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के शीर्ष अधिकारियों से कड़े सवाल किए। सूत्रों के अनुसार, अधिकारियों ने बताया कि नीट-यूजी का पेपर उनके सिस्टम से लीक नहीं हुआ था और मामले की जांच सीबीआई कर रही है।

बैठक में शिक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे, जिनमें शिक्षा सचिव विनीत जोशी

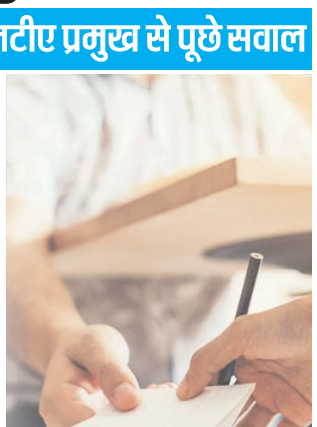

भी शामिल थे। बैठक के दौरान सांसदों ने एनटीए से पूछा कि भविष्य में परीक्षा प्रणाली को मजबूत करने और पेपर लीक रोकने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं। इस पर शिक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों समेत एनटीए के अध्यक्ष प्रदीप कुमार जोशी और महानिदेशक अभिषेक सिंह ने राधाकृष्णन समिति की सिफारिशों पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी।

ईरान से बाहर नहीं जाना चाहिए यूरेनियम भंडार : खामेनेई

यूएस की प्रमुख मांग खारिज की

एजेंसी ■ तेहरान

तेहरान और वाशिंगटन के बीच कूटनीतिक तनाव जारी है। इस बीच ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई ने आदेश दिया है कि संवर्धित यूरेनियम का भंडार देश से बाहर नहीं जाना चाहिए। इस तरह उन्होंने अमेरिका के शांति वार्ता में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की प्रमुख मांग को खारिज कर दिया है। मीडिया के मुताबिक ईरानी सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी।

मीडिया के मुताबिक इस्राइली अधिकारियों के अनुसार राष्ट्रपति ट्रंप ने इससे पहले इस्राइल को यह आश्वासन दिया था कि संवर्धित यूरेनियम भंडार को ईरान से पूरी तरह हटा दिया जाएगा। यह परमाणु हथियार बनाने में प्रमुख घटक है।

बेंजामिन नेतन्याहू ने अपनाया सख्त रुख

इस बीच, इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी सख्य रुख अपनाया हुआ है। उन्होंने कहा कि वह तब तक शत्रुता समाप्त करने पर विचार नहीं करेंगे, जब तक संवर्धित यूरेनियम को पूरी तरह ईरानी नियंत्रण से बाहर नहीं कर दिया जाता है, जब तक ईरान अपने समर्थित क्षेत्रीय लड़ाकू समूहों को वित्तीय समर्थन देना पूरी तरह बंद नहीं करता है और अपनी बैलिस्टिक मिसाइल प्रणाली को पूरी तरह खत्म नहीं कर देता है।

हालांकि, दो ईरानी सूत्रों में से एक ने नाम न

प्रकाशित करने की शर्त पर ईरान की निर्णय लेने वाली सर्वोच्च संस्थाओं के भीतर बनी सहमति की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सर्वोच्च नेता ने आदेश दिया है कि संवर्धित यूरेनियम का भंडार देश से बाहर नहीं जाना चाहिए।

उसी अंदरूनी सूत्र ने बताया कि ईरान के शीर्ष प्रशासनिक और सैन्य अधिकारी मानते हैं कि इस सामग्री पर नियंत्रण छोड़कर इसे विदेश भेजना देश की सुरक्षा को गंभीर रूप से कमजोर करेगा और इससे अमेरिका और इस्राइल की भविष्य की संभावित सैन्य कार्रवाइयों के लिए ईरान ज्यादा कमजोर हो जाएगा। ईरान के सांविधानिक ढांचे के अनुसार, देश की सभी महत्वपूर्ण नीतियों पर अंतिम फैसला लेने का अधिकार सर्वोच्च नेता के पास होता है।

अमेरिका-इस्राइल के हमलों से जंग की शुरुआत

आठ अप्रैल से जारी अस्थायी युद्ध विराम की पृष्ठभूमि में मौजूदा कूटनीतिक गतिरोध विकसित हो रहा है। 28 अप्रैल को इस्राइल और अमेरिका ने ईरान पर हमले किए थे, जिससे संघर्ष की शुरुआत हुई। इन हमलों के तुरंत बाद ईरान ने खाड़ी देशों में अमेरिकी अड्डों पर जवाबी हमले किए। इसके साथ इस्राइली सेना और हिजबुल्ला के लेबनान में संघर्ष तेज हो गया।

ईरानी बंदरगाहों की नाकाबंदी जारी

अस्थायी संघर्ष विराम के बावजूद वार्ताकार कोई बड़ी कूटनीतिक कामयाबी हासिल नहीं कर पाए हैं। अमेरिका की ओर से ईरानी बंदरगाहों और जहाजों की नाकाबंदी जारी है। इससे वार्ता की प्रक्रिया जटिल बनी हुई है। ईरान के पास होर्मुज जलडमरूमध्य पर रणनीतिक बढ़त है। यह दुनिया के सबसे अहम ऊर्जा मार्गों में से एक है। ये वार्ताएं पाकिस्तान की मध्यस्था में की जा रही हैं।

कॉकरोच जनता पार्टी ने नया अकाउंट बनाया, पुराना ब्लॉक

कॉकरोच कभी मरते नहीं; फाउंडर का आरोप

एजेंसी ■ नई दिल्ली

छह दिन पहले शुरू हुआ डिजिटल संगठन कॉकरोच जनता पार्टी का गुरुवार को भारत में नया X अकाउंट बन गया है। 'कॉकरोच इज बैक' नाम के इस अकाउंट का टैगलाइन है- कॉकरोच डोंट डाय यानी कॉकरोच मरते नहीं।

सीजेपी ने पुराना अकाउंट ब्लॉक होने के कुछ देर बाद ही नया X अकाउंट बनाया। इसपर पहला पोस्ट गुरुवार दोपहर 2:29 बजे हुआ। शाम करीब 7 बजे तक 47 हजार से ज्यादा फॉलोअर्स हो गए थे। नए अकाउंट से एक बार फिर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की गई।

कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने इंस्टाग्राम अकाउंट हैक करने की कोशिश का आरोप लगाया। CJP के इंस्टाग्राम पर 1.6 करोड़ से ज्यादा फॉलोअर्स हो गए हैं। यह देश की किसी भी पॉलिटिकल पार्टी से ज्यादा है। इंस्टाग्राम पर कांग्रेस के 1.33 करोड़ और भाजपा के 87 लाख फॉलोअर्स हैं।

अभिजीत ने पार्टी का लोगो भी जारी किया

कॉकरोच जनता पार्टी का नारा है- 'सेक्युलर, सोशलिस्ट, डेमोक्रेटिक,

लेजी।' इसका लोगो भी बनाया गया था।

मैनिफेस्टो जारी, 5 वादे

अगर CJP यानी कॉकरोच जनता पार्टी सरकार में आती है तो रिटायरमेंट के बाद किसी भी CJI को राज्यसभा जाने का रिवॉर्ड नहीं मिलेगा। अगर कोई वैध वोट डिलीट किया जाएगा, तो मुख्य चुनाव आयुक्त को UAPA में गिरफ्तार किया जाएगा क्योंकि किसी के वोटिंग का अधिकार छीनना आतंकवाद से कम नहीं।

पार्टी की सदस्यता के लिए 4 योग्यताएं

- पहली- बेरोजगारी।
- दूसरी- आलसी होना यानी डले रहो, पड़े रहो।
- तीसरी- ऑनलाइन रहने की लत।
- चौथी- प्रोफेशनली भड़ास निकालने की क्षमता।

महिलाओं के लिए 50% का आरक्षण होगा, न कि 33%. इसके लिए सांसदों की संख्या भी नहीं बढ़ाई जाएगी। कैबिनेट में भी महिलाओं के लिए 50% आरक्षण होगा।

अंबानी और अडाणी के सभी मीडिया संस्थानों के लाइसेंस रद्द किए जाएंगे, ताकि वास्तव में स्वतंत्र मीडिया को जगह मिल सके। गोदी मीडिया एंकरों के बैंक अकाउंट्स की जांच कराई जाएगी। अगर कोई विधायक या सांसद दलबदल कर दूसरी पार्टी में जाता है तो उसके चुनाव लड़ने पर पाबंदी लगाई जाएगी। उसे अगले 20 साल तक किसी भी पब्लिक ऑफिस में पद नहीं दिया जाएगा।

भारत और अमेरिका विभिन्न क्षेत्रों में स्वाभाविक साझेदार के रूप में काम कर रहे हैं: पीयूष गोयल

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कहा कि भारत और अमेरिका स्वाभाविक साझेदार के रूप में काम कर रहे हैं और दोनों देशों के बीच तकनीक, रक्षा, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, क्वांटम कंप्यूटिंग और मेडिकल डिवाइसेज़ जैसे क्षेत्रों में मजबूत सहयोग बन रहा है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के रिश्तों की सबसे बड़ी ताकत आपसी विश्वास और साझा आर्थिक हित हैं।

राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स के वार्षिक लीडरशिप समिट को संबोधित करते हुए पीयूष गोयल ने कहा कि पिछले छह महीनों में अमेरिकी कंपनियों द्वारा भारत में 60 अरब डॉलर से अधिक निवेश की प्रतिबद्धताएं सामने आई हैं, जिसमें अमेजन और गूगल जैसी कंपनियों के बड़े डेटा सेंटर निवेश भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि भारत आज दुनिया की कंपनियों को भरोसेमंद माहौल, विशाल बाजार, कुशल प्रतिभा और तेजी से बढ़ते अवसर उपलब्ध करा रहा है।

पीयूष गोयल ने कहा कि अमेरिका एक भरोसेमंद साझेदार की तलाश में है और भारत ने हमेशा बौद्धिक संपदा अधिकारों का सम्मान करते हुए समय पर उच्च गुणवत्ता वाला उत्पादन देकर अपनी विश्वसनीयता साबित की है। उन्होंने कहा कि भारत के पास कुशल युवाओं की बड़ी ताकत है और 140 करोड़ लोगों का विशाल बाजार अमेरिकी नवाचारों को नई गति देता है।

उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका की अर्थव्यवस्थाएं एक-दूसरे की पूरक हैं और दोनों देशों के बीच प्रतिस्पर्धा बहुत कम है। यही वजह है कि यह साझेदारी भविष्य के लिए मजबूत और भरोसेमंद सप्लाई चेन तैयार करने में अहम भूमिका निभा सकती है।

केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि सरकार उद्योगों के विकास के लिए क्षेत्र-आधारित मॉडल पर काम कर रही है। 'भव्य' योजना के तहत देश भर में 100 नए औद्योगिक पार्क विकसित किए जाएंगे।

इन पार्कों में उद्योगों के साथ-साथ कर्मचारियों के लिए आवास, मनोरंजन और सामाजिक सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी ताकि समग्र औद्योगिक इकोसिस्टम तैयार हो सके।

उन्होंने कहा कि बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर, कम लॉजिस्टिक लागत और फ्री ट्रेड एग्रीमेंट्स की वजह से निवेश, मैन्युफैक्चरिंग और निर्यात को नई मजबूती मिल रही है। गोयल ने भरोसा जताया कि भारत अगले 25 वर्षों तक दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना रहेगा।

उत्तराखंड में वैदिक रीति-रिवाजों और मंत्रोच्चार के बीच मद्यमहेश्वर मंदिर के कपाट खुले

रुद्रप्रयाग। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में स्थित पूजनीय श्री मद्यमहेश्वर (मध्यमहेश्वर) मंदिर के कपाट गुरुवार को शुभ 'कर्क लग्न' के दौरान, विस्तृत वैदिक अनुष्ठानों, मंत्रोच्चार और पारंपरिक धार्मिक समारोहों के बीच श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए।

पवित्र पंच केदार मंदिरों में 'द्वितीय केदार' के रूप में विख्यात इस मंदिर को फूलों से बेहद खूबसूरती से सजाया गया था। जबकि पूरा मंदिर परिसर भक्ति और आध्यात्मिकता के माहौल में डूबा हुआ था।

इस औपचारिक उद्घाटन का साक्षी बनने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर में एकत्रित हुए और उन्होंने भगवान मद्यमहेश्वर की पूजा-अर्चना करते हुए सुख, शांति और समृद्धि के लिए आशीर्वाद मांगा। मंदिर के कपाट खुलने से पहले, भगवान मद्यमहेश्वर (मध्यमहेश्वर) की उत्सव-मूर्ति (डोली) को लेकर आई पालकी, उखीमठ स्थित अपने शीतकालीन निवास 'श्री ओंकारेश्वर मंदिर' से कई पड़ावों से होते हुए मंदिर परिसर में पहुंची। श्रद्धालुओं ने पारंपरिक रीति-रिवाजों और धार्मिक उत्साह के साथ पालकी का स्वागत किया।

इस समारोह के दौरान, मंदिर के भीतर विशेष पूजा-अर्चना और अनुष्ठान संपन्न किए गए।

भगवान मद्यमहेश्वर के स्वयंभू शिवलिंग को उनकी ध्यानमग्न 'समाधि मुद्रा' से निकालकर, उनकी औपचारिक 'श्रृंगार मुद्रा' में सजाया गया।

मंदिर के कपाट खुलने के साथ ही, वार्षिक 'श्री मद्यमहेश्वर' यात्रा का विधिवत शुभारंभ हो गया है, जिससे पूरे देश भर के तीर्थयात्रियों और श्रद्धालुओं में भारी उत्साह का संचार हुआ है। अब यह मंदिर ग्रीष्मकालीन तीर्थयात्रा के मौसम के दौरान अगले छह महीनों तक श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खुला रहेगा।

पंच केदार परिपथ में मद्यमहेश्वर मंदिर का अत्यंत धार्मिक महत्व है।

दिल्ली से बेंगलुरु जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट 'टेल स्ट्राइक' का शिकार, बाल-बाल बचे 179 यात्री-क्रू

नई दिल्ली। दिल्ली से बेंगलुरु जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट बेंगलुरु इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर टेल स्ट्राइक का शिकार हो गई। एयर इंडिया ने बताया कि यह घटना विमान की लैंडिंग के दौरान हुई। हालांकि, विमान में सवार सभी यात्री और क्रू मेंबर बाल-बाल बच गए।

एयर इंडिया की फ्लाइट एआई 2651 में 179 यात्री सवार थे। बेंगलुरु एयरपोर्ट पर लैंडिंग के दौरान विमान के पिछले हिस्से में किसी चीज के टकराने के बाद उसे रोक दिया गया। एयरलाइन ने बताया कि विमान सुरक्षित रूप से लैंड हुआ और सभी यात्री एवं क्रू मेंबर सामान्य रूप से फ्लाइट से उतरे।

घटना के बाद फ्लाइट को जांच के लिए रोका गया। एयर इंडिया ने कहा कि मामले की जांच निर्धारित प्रक्रियाओं के अनुसार की जाएगी। विमान के उड़ान भरने में असमर्थ होने के कारण बेंगलुरु से दिल्ली जाने वाली वापसी उड़ान एआई2652 रद्द कर दी गई।

एयरलाइन ने कहा कि प्रभावित यात्रियों के लिए वैकल्पिक व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

बता दें कि नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने हाल में कहा कि अहमदाबाद में एयर इंडिया की फ्लाइट एआई 171 के दुर्घटनाग्रस्त होने की जांच अंतिम चरण में है, जिसमें 260 लोगों की जान चली गई थी। एक महीने के भीतर जांच पूरी होने की संभावना है।

उन्होंने कहा कि यह जांच विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) द्वारा की जा रही है और हम इसमें हस्तक्षेप नहीं करते हैं। हम उन्हें सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध करा रहे हैं।'

जांच में पारदर्शिता की आवश्यकता पर जोर देते हुए नायडू ने कहा कि अंतिम रिपोर्ट अंतरराष्ट्रीय जांच के अधीन होगी, क्योंकि दुर्घटनाग्रस्त विमान में विदेशी नागरिक भी सवार थे।

एएआईबी ने 12 जुलाई 2025 को केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय को अपनी प्रारंभिक जांच रिपोर्ट सौंपी थी।

पीड़ितों के कुछ परिवारों द्वारा एयरलाइन से संचार की कमी और मुआवजे में देरी के संबंध में उठाई गई चिंताओं का जवाब देते हुए नायडू ने कहा कि मंत्रालय स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है और एयर इंडिया के साथ संपर्क में है।

यह दुखद दुर्घटना 12 जून 2025 को हुई, जब एयर इंडिया की फ्लाइट एआई 171 के रूप में संचालित बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर ने सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के रनवे 23 से लंदन गैटविक के लिए उड़ान भरी।

केरल केंद्र के सहयोग से 40 करोड़ रुपए की लागत से दो एआई केंद्र स्थापित करेगा

तिरुवनंतपुरम। केरल ने गुरुवार को खुद को एक राष्ट्रीय एआई हब के रूप में विकसित करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए, केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत आने वाले इंडिया एआई मिशन के साथ साझेदारी में दो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (एआई-सीओई) स्थापित करने की घोषणा की।

ये दो प्रोजेक्ट कोच्चि में एक बायो-एआई सेंटर और तिरुवनंतपुरम में एक एआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस मिलकर करीब 40 करोड़ रुपए का निवेश आकर्षित करेंगे। उम्मीद है कि ये प्रोजेक्ट केरल में तकनीक आधारित विकास के अगले चरण को आगे बढ़ाएंगे, जिसमें शोध, स्टार्टअप को बढ़ावा और व्यावसायिक नवाचार पर खास ध्यान दिया जाएगा।

कोच्चि स्थित डिजिटल हब में केरल स्टार्टअप मिशन द्वारा स्थापित किया जाने वाला 'बायो-एआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' का उद्देश्य केरल की जैव विविधता, आयुर्वेदिक परंपरा और जीनोमिक्स क्षमताओं को उन्नत एआई तकनीक के साथ जोड़ना है।

कोचीन विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के 'तेजस्वी' सुपरकंप्यूटर द्वारा संचालित और केरल जीनोम डेटा सेंटर के सहयोग से, इस प्रोजेक्ट का लक्ष्य चार वर्षों में 48 डीप टेक स्टार्टअप्स को बढ़ावा देना और लगभग 600 प्रत्यक्ष उच्च-मूल्य वाली नौकरियां पैदा करना है।

केंद्र एआई-आधारित दवा खोज, सटीक आयुर्वेद, जीनोमिक्स और केरल के मसाला क्षेत्र के लिए कृषि-तकनीक नवाचार जैसे क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करेगा।

अधिकारियों ने बताया कि इस पहल के तहत विकसित एआई-आधारित टूल्स से 40,000 से अधिक मसाला किसानों को लाभ मिलने की उम्मीद है। इसका उद्देश्य पूर्वानुमान विश्लेषण, कीट प्रबंधन और प्रीमियम गुणवत्ता प्रमाणीकरण प्रणालियों के जरिए उनकी आय में 20 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी करना है। 20 करोड़ रुपये की यह परियोजना 40:40:20 के वित्त पोषण मॉडल पर आधारित है, जिसमें केंद्र सरकार, राज्य सरकार और एक उद्योग संघ शामिल हैं।

दूसरा एआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस तिरुवनंतपुरम में डिजिटल यूनिवर्सिटी केरल के तहत स्थापित किया जाएगा, जिसके लिए 10,000 वर्ग फुट की एक विशेष सुविधा बनाई जाएगी। इसका उद्देश्य एआई अनुसंधान और बाजार में उपयोग होने वाले अनुप्रयोगों के बीच की दूरी को कम करना है।

अमरावती कभी हकीकत नहीं बनेगी, 'माविगुन' ही बेहतर राजधानी विकल्प : जगन मोहन रेड्डी

अमरावती । आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और वाईएसआर कांग्रेस पार्टी प्रमुख जगन मोहन रेड्डी ने गुरुवार को कहा कि मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू का अमरावती को राजधानी बनाने का सपना कभी पूरा नहीं होगा। उन्होंने इसके बजाय 'माविगुन' क्षेत्र को राज्य की राजधानी के लिए बेहतर विकल्प बताया।

ताडेपल्ली स्थित पार्टी कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान जगन मोहन रेड्डी ने कहा कि अमरावती को राजधानी बनाना व्यावहारिक नहीं है। उन्होंने कहा, 'एक, दो या तीन दशक बाद भी आंध्र प्रदेश बिना राजधानी के रह जाएगा। चंद्रबाबू जो सोच रहे हैं, वह कभी हकीकत नहीं बनेगा। यह आप भी जानते हैं, मैं भी जानता हूं और सामान्य समझ रखने वाला हर व्यक्ति इससे सहमत होगा।'

जगन ने कहा कि 'माविगुन' यानी मछलीपट्टनम, विजयवाड़ा और गुंटूर का क्षेत्र राजधानी के लिए सबसे उचित रहेगा। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र पहले से विकसित है और यहां बुनियादी ढांचा मौजूद है।

उन्होंने कहा, ' 'मछलीपट्टनम में बंदरगाह है, विजयवाड़ा में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा है, चार राष्ट्रीय राजमार्ग, तीन रेलवे स्टेशन, नौ मेडिकल कॉलेज और कई शैक्षणिक संस्थान हैं। यहां सरकार को सिर्फ कनेक्टिविटी सुधारने पर खर्च करना होगा। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि अमरावती पर जितना खर्च करने की बात हो रही है, उसका सिर्फ 10 प्रतिशत खर्च करके 5 से 7 साल में माविगुन को पूरी तरह विकसित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि 15 हजार से 20 हजार करोड़ रुपए में यह काम हो जाएगा।

उन्होंने कहा, ' 'माविगुन को राजधानी घोषित करते ही यह अस्तित्व में आ जाएगी, जबकि अमरावती में एक-दो नहीं बल्कि तीन दशक बाद भी राजधानी का सपना अधूरा रहेगा। उन्होंने दावा किया कि माविगुन प्रस्ताव को जनता का व्यापक समर्थन मिला है और इसी वजह से चंद्रबाबू नायडू परेशान हैं।जगन मोहन रेड्डी ने अमरावती परियोजना की लागत पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने लगभग 10 लाख वर्ग फुट का सचिवालय भवन करीब 615 करोड़ रुपए में बनवाया था।

पीएम मोदी ने एफएओ प्रमुख को भेंट किया बंगाल का गोविंदभोग चावल, किसानों में बढ़ा उत्साह

पूर्वी बर्धमान। पश्चिम बंगाल के पूर्वी बर्धमान जिले में इन दिनों खुशी का माहौल है। इसकी वजह है बंगाल का मशहूर खुशबूदार गोविंदभोग चावल, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी हालिया विदेश यात्रा के दौरान खास तोहफे के रूप में भेंट किया। प्रधानमंत्री द्वारा अंतरराष्ट्रीय मंच पर बंगाल के इस पारंपरिक चावल को पहचान दिलाने के बाद किसान और राइस मिल कारोबारी काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं।

दरअसल, विदेश दौरे के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) के महानिदेशक को भारत के अलग-अलग राज्यों के खास कृषि उत्पाद भेंट किए।

इन्हीं खास उपहारों में पश्चिम बंगाल का गोविंदभोग चावल भी शामिल था। जैसे ही यह खबर सामने आई, पूर्वी बर्धमान समेत कई जिलों में खुशी की लहर दौड़ गई।

गोविंदभोग चावल अपनी खुशबू और स्वाद के लिए पूरे बंगाल में काफी मशहूर है। यह छोटे दानों वाला चावल होता है और खासतौर पर पायेश (चावल की खीर), खिचड़ी और पूजा-पाठ के भोग में इस्तेमाल किया जाता है। बंगाल के धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों में इसका खास महत्व माना जाता है।

यह चावल मुख्य रूप से पूर्वी बर्धमान, हुगली, नदिया और बीरभूम जिलों में उगाया जाता है। खासकर पूर्वी बर्धमान के रैना-1, रैना-2 और खंडाघोष ब्लॉकों में इसकी खेती बड़े पैमाने पर होती है। गोविंदभोग चावल को साल 2017 में जीआई टैग भी मिल चुका है। इससे इसकी पहचान और ज्यादा मजबूत हुई।

नोएडा: न्यूनतम पारा 32 डिग्री के पार, नहीं दिख रहे राहत के आसार

नोएडा । राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में भीषण गर्मी ने लोगों का जीना मुश्किल कर दिया है। दिन के साथ-साथ अब रात में भी गर्म हवाओं और उमस से राहत नहीं मिल रही है। मौसम विभाग की ताजा रिपोर्ट के अनुसार अगले छह दिनों तक एनसीआर में हीट वेव का प्रकोप जारी रहने वाला है।

अधिकतम तापमान लगातार 45 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ है, जबकि न्यूनतम तापमान भी 30 से 32 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया जा रहा है। रात में तापमान कम न होने के कारण लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) की ओर से जारी पूर्वानुमान के मुताबिक 21 मई को अधिकतम तापमान 45 डिग्री और न्यूनतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। इस दिन दोपहर और शाम के समय तेज सतही हवाओं के साथ हीट वेव चलने की चेतावनी दी गई है, जबकि रात को 'वार्म नाइट' की स्थिति रहने की संभावना जताई गई है। 22 मई को भी तापमान में कोई खास राहत नहीं मिलेगी। इस दिन अधिकतम तापमान 45 डिग्री और न्यूनतम 31 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। मौसम विभाग ने दोपहर और शाम के समय तेज हवाओं के साथ लू चलने की चेतावनी जारी की है। 23 मई को पारा 45 डिग्री के आसपास बना रहेगा और न्यूनतम तापमान 31 डिग्री दर्ज होने की संभावना है। 24 मई को भीषण गर्मी का दौर जारी रहेगा। इस दिन अधिकतम तापमान 45 डिग्री और न्यूनतम 31 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।मौसम विभाग के मुताबिक, दोपहर और शाम के दौरान तेज सतही हवाएं चलेंगी और हीट वेव की स्थिति बनी रहेगी। वहीं 25 और 26 मई को भी अधिकतम तापमान 45 डिग्री और न्यूनतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है।

58,500 से ज्यादा पीएनजी उपभोक्ताओं ने सरेंडर किए एलपीजी कनेक्शन, पेट्रोल-डीजल का पर्याप्त स्टॉक मौजूद: केंद्र

नई दिल्ली। सरकार ने गुरुवार को बताया कि 20 मई तक 58,500 से अधिक पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) उपभोक्ताओं ने अपने एलपीजी कनेक्शन सरेंडर कर दिए हैं। साथ ही देश के सभी पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है।

सरकार ने नागरिकों को पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की घबराहट में खरीदारी करने से बचने की सलाह दी और कहा कि ईंधन की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।

सरकार ने नियमित ब्रीफिंग के दौरान कहा, 'अफवाहों से सावधान रहें और सही जानकारी के लिए केवल आधिकारिक स्रोतों पर भरोसा करें।'

20 मई को उद्योग स्तर पर ऑनलाइन एलपीजी सिलेंडर बुकिंग बढ़कर लगभग 99 प्रतिशत तक पहुंच गई।

पेट्रोलियम मंत्रालय ने कहा, 'डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड (डीएसी) आधारित डिलीवरी बढ़कर लगभग 96 प्रतिशत हो गई है, ताकि एलपीजी की कालाबाजारी रोकी जा सके। डीएसी उपभोक्ता के पंजीकृत मोबाइल नंबर पर भेजा जाता है। पिछले तीन दिनों में लगभग 1.32 करोड़ एलपीजी सिलेंडर बुकिंग के मुकाबले करीब 1.34 करोड़ सिलेंडर की डिलीवरी की गई। बुधवार को लगभग 45.36 लाख सिलेंडर बुकिंग के मुकाबले करीब 47.51 लाख एलपीजी सिलेंडर की डिलीवरी की गई।

मंत्रालय ने आगे बताया कि पिछले तीन दिनों में करीब 1.87 लाख पांच किलोग्राम वाले एफटीएल सिलेंडर बेचे गए।

इसके अलावा मार्च से अब तक करीब 7.64 लाख पीएनजी कनेक्शनों में गैस आपूर्ति शुरू की जा चुकी है और अतिरिक्त 2.81 लाख कनेक्शनों के लिए बुनियादी ढांचा तैयार किया गया है। इस तरह कुल संख्या 10.45 लाख तक पहुंच गई है।इसके साथ ही करीब 7.99 लाख ग्राहकों ने नए कनेक्शन के लिए पंजीकरण कराया है।

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय ने फारस की खाड़ी में मौजूदा समुद्री स्थिति पर जानकारी देते हुए कहा कि क्षेत्र में भारतीय जहाजों और चालक दल की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लगातार कदम उठाए जा रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

निजी स्कूलों की मनमानी पर सरकार सख्त निगरानी व जांच समितियों का गठन

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के स्कूल शिक्षा विभाग ने निजी स्कूलों की मनमानी रोकने के लिए प्रदेशभर में निगरानी और जांच समितियों का गठन किया है। इस संबंध में स्कूल शिक्षा विभाग मंत्रालय, नवा रायपुर अटल नगर से सभी जिला कलेक्टरों को पत्र जारी किया गया है। जारी आदेश में कहा गया है कि शासन के संज्ञान में यह बात आई है कि छत्तीसगढ़ में संचालित अशासकीय शालाओं द्वारा पालकों को पुस्तक, गणवेश और अन्य सामग्री किसी एक ही फर्म से खरीदने के लिए बाध्य किया जा रहा है। फर्म के अप्रत्याशित दाम की वजह से पालकों पर वित्तीय बोझ बढ़ रहा है। इस संबंध में मीडिया में लगातार शिकायतें प्रकाशित हो रही हैं।

इन्हीं शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिए जिला और विकासखंड स्तर पर निगरानी और जांच समितियों का गठन किया गया है।

जिला स्तरीय निगरानी समिति - कलेक्टर, जिला शिक्षा अधिकारी, सहायक आयुक्त, जीएसटी, विकासखंड स्तरीय जांच दल समिति, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) इसके साथ ही आदेश में यह भी कहा गया है कि अशासकीय विद्यालयों में फीस बढ़ोतरी से संबंधित शिकायतों के संबंध में स्वत: संज्ञान लेकर (छत्तीसगढ़ अशासकीय विद्यालय फीस विनियमन विधेयक-2020) के अनुरूप कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

भाजयुमो आज प्रदेश भर में करेगा राहुल गांधी का पुतला दहन

रायपुर। भारतीय जनता युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष राहुल टिकरिहा के आह्वान पर आज प्रदेश के सभी जिलों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर अशोभनीय शब्दों के प्रयोग के विरोध में कांग्रेस नेता राहुल गांधी का पुतला दहन कर प्रदर्शन करेंगे। भाजयुमो प्रदेश मीडिया प्रभारी वासु शर्मा ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जी के लिए कांग्रेस पार्टी एवं उनके नेताओं द्वारा लगातार अमर्यादित एवं अशोभनीय शब्दों का प्रयोग किया जाता रहा है। लेकिन इस बार कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने जिन शब्दों का प्रयोग किया है उसकी जितनी भी निंदा की जाए वह कम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश का गौरव वैश्विक मंच पर बढ़ाया है। आर्थिक संकट के दौर में भी अपने कुशल नेतृत्व से दुनिया भारत की प्रतिष्ठा मान सम्मान बढ़ाया है जिससे कांग्रेस पार्टी और उसके नेताओं के पेट में दर्द हो रहा है, और उनकी मानसिक स्थिति भी खराब हो चुकी है जो इस तरह की बयानबाजी कर रहे हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने देश के 140 करोड़ लोगों का अपमान किया है।

जनाब हाजी मोहम्मद इकबाल (मुन्ना भाई) जामा मस्जिद ट्रस्ट के कार्यवाहक मुतवल्ली नियुक्त

रायपुर। जामा मस्जिद ट्रस्ट, हलवाई लाईन रायपुर के मुतवल्ली का कार्यकाल 15. को समाप्त होने के कारण नये मुतवल्ली के चुनाव की प्रक्रिया प्रारंभ की गई, जिसके विरूद्ध उच्च न्यायालय बिलासपुर के समक्ष किसी व्यक्ति द्वारा प्रस्तुत यचिका क्रमांक 2559/2026 में पारित आदेश 15 मई के द्वारा आगामी सुनवाई तक केवल मुतवल्ली चुनाव की प्रक्रिया पर रोक लगाई गई है। जामा मस्जिद ट्रस्ट, हलवाई लाईन रायपुर के अंतर्गत आने वाली वक्फ सम्पत्तियों की देख-रेख, प्रबंधन व सुचारू संचालन के लिए छ.ग.राज्य वक्फ बोर्ड द्वारा जनाब हाजी मोहम्मद इकबाल (मुन्ना भाई) को जामा मस्जिद ट्रस्ट हलवाई लाईन रायपुर का कार्यवाहक मुतवल्ली नियुक्त किया गया।

जिम से घर लौट रही डॉक्टर से लूट

रायपुर। रायपुर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र में बुधवार शाम महिला डॉक्टर से लूट की वारदात सामने आई। जिम से घर लौट रही डॉक्टर के गले से युवक ने सोने की चेन छीन ली और भागने लगा। डॉक्टर के शोर मचाने पर आसपास मौजूद लोगों ने आरोपी का पीछा किया और दौड़ाकर पकड़ लिया। इसके बाद आरोपी को पुलिस के हवाले कर दिया गया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी का नाम रेहान साहू है, जबकि पीड़ित महिला डॉक्टर का नाम कृतिका यदु बताया गया है। घटना और आरोपी की गिरफ्तारी की पुष्टि सिविल लाइन पुलिस ने की है। सिविल लाइन पुलिस के अनुसार घटना एसबीआई बैंक के रीजनल ऑफिस के बाजू वाली गली की है। पीड़ित महिला डॉक्टर ने पुलिस को बताया कि वह महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज के सामने स्थित बैरन बाजार इलाके में रहती हैं।

सरगुजा में मिलीं 140 वर्ष पुरानी तंत्र साधना की दुर्लभ पांडुलिपियां

अम्बिकापुर के पाण्डेय परिवार ने सहेजकर रखी हैं हस्तलिखित धरोहरें

रायपुर। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा संचालित ज्ञानभारतम राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण अभियान के अंतर्गत छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले से लगातार ऐतिहासिक एवं दुर्लभ पांडुलिपियां सामने आ रही हैं। इस अभियान की सफलता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अब स्वयं नागरिक आगे आकर अपने घरों में संरक्षित प्राचीन पांडुलिपियों की जानकारी प्रशासन को उपलब्ध करा रहे हैं, जिससे प्रदेश की समृद्ध ज्ञान परंपरा को नया जीवन मिल रहा है।

पाण्डेय परिवार के पास सुरक्षित है 140 वर्ष पुरानी विरासत

अम्बिकापुर स्थित ब्रह्मपारा राममंदिर के पास रहने वाले पाण्डेय परिवार से तंत्र साधना से जुड़ी लगभग 140 वर्ष पुरानी अत्यंत दुर्लभ पांडुलिपियां प्राप्त हुई हैं। सरगुजा संभागायुक्त नरेंद्र कुमार दुग्गा एवं उपायुक्त आर.के. खूंटे ने पाण्डेय परिवार के निवास पहुंचकर इन ऐतिहासिक धरोहरों का आदरपूर्वक अवलोकन किया। पांडुलिपियों के संरक्षक राकेश पाण्डेय ने बताया कि उनके परिवार के पास तंत्र साधना से संबंधित चार महत्वपूर्ण पांडुलिपियां सुरक्षित हैं। पांडुलिपि संरक्षक राकेश पाण्डेय ने बताया कि वनदुर्गा तंत्र साधना, भुजंग प्रपात, अथ बगलामुखी, वनदुर्गा अथर्वण रहस्य, ये सभी पांडुलिपियां संवत् 1886 में हमारे प्रपितामह (परदादा) स्वर्गीय चतुरा प्रसाद शर्मा द्वारा हस्तलिखित रूप में तैयार की गई थीं, जिन्हें हमारे परिवार ने पीढ़ियों से सहेजकर रखा है।

नई पीढ़ी को समृद्ध विरासत से जोड़ने का प्रयास

सम्भागायुक्त नरेंद्र दुग्गा ने अभियान की सराहना करते हुए कहा कि ज्ञानभारतम अभियान भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा, लोक संस्कृति, पुरातात्त्विक धरोहरों और जनजातीय विरासत के संरक्षण का एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अनुष्ठान है। यह समाज में पारंपरिक ज्ञान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का कार्य कर रहा है। उन्होंने गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ जैसे सांस्कृतिक रूप से समृद्ध प्रदेश में ऐसी पांडुलिपियों का मिलना ऐतिहासिक है और प्रशासन अब इनके वैज्ञानिक दस्तावेजीकरण, संरक्षण और डिजिटलीकरण की दिशा में तेजी से कार्य कर रहा है।

तकनीकी दस्तावेजीकरण और ऑनलाइन अपलोडिंग

सर्वेक्षण प्रक्रिया को गति देते हुए एंथ्रोपोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (जगदलपुर) से आए सरगुजा प्रभारी अधिकारी श्री हरनेक सिंह ने इन सभी पांडुलिपियों का तकनीकी दस्तावेजीकरण कर इन्हें ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड किया। वहीं, संयुक्त कलेक्टर शारदा अग्रवाल ने जिले में चल रहे सर्वेक्षण कार्यों की प्रगति और भावी कार्ययोजना की जानकारी साझा की। वर्षों से सहेजकर रखी गई इन पांडुलिपियों की सुंदर हस्तलिपि, विशिष्ट संरचना और कलात्मक शैली तत्कालीन विद्वत्ता, साधना परंपरा और भारतीय ज्ञान संस्कृति के गौरवशाली अतीत को जीवंत रूप में प्रस्तुत करती है।

अशोका रतन की 6वीं मंजिल से कूदकर बी टेक छात्र ने की आत्महत्या

रायपुर। राजधानी रायपुर से आत्महत्या का एक मामला सामने आया है। शहर में स्थित अशोका रत्न बिल्डिंग की छठी मंजिल से कूदकर बीटेक के एक छात्र ने कर ली है। घटना से इलाके में हलचल मच गई है। मामले की सूचना पुलिस कार्यालय पर जांच एवं जांच में जारी की गई है। यह मामला पूरा खम्हारडीह थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के अनुसार छात्र की पहचान गौरव महाविद्यालय के रूप में हुई है, जो भिलाई में बीटेक की पढ़ाई कर रहा था और रायपुर के शंकर नगर स्थित अशोक रत्न में रह रहा था। बताया जा रहा है कि पिछले कुछ दिनों से युवक किसी व्यक्तिगत लक्षण से मानसिक तनाव में था। इसी बीच उसने आत्मघाती कदम उठाया। घटना की जानकारी के लिए आसपास के लोग एकत्रित हुए और पुलिस को सूचित किया गया।

घटना की सूचना ही खम्हारडीह थाना पुलिस के जवानों के शव को निरीक्षण और मार्ग पर ले जाने के लिए भेजी गई है। सुसाइड पुलिस के पीछे के सहयोगियों का पता लगाने के लिए जांच कर रही है।

डाक परिमंडल का अल्प बचत खाता खोलने के लिए 25 और 26 मई को विशेष अभियान

रायपुर। छत्तीसगढ़ के नागरिकों को सुरक्षित निवेश और वित्तीय रूप से सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से भारतीय डाक विभाग एक महत्वपूर्ण पहल करने जा रहा है। छत्तीसगढ़ डाक परिमण्डल के सभी डाकघरों में आगामी दिनांक 25 मई और 26 मई 2026 को अल्प बचत खाता खोलने का एक विशेष अभियान चलाया जाएगा। इस दो दिवसीय विशेष अभियान के दौरान राज्य का कोई भी नागरिक, जो सुरक्षित और लाभकारी सरकारी योजनाओं में निवेश करना चाहता है, वह लाभ उठा सकता है । निवेशक इसके लिए या तो सीधे अपने नजदीकी डाकघर में जा सकते हैं अथवा राज्य सरकार द्वारा नियुक्त अधिकृत एजेंटों के माध्यम से भी अपना निवेश सुनिश्चित कर सकते हैं, जिनकी इस अभियान में सक्रिय सहभागिता रहेगी ।

डाक विभाग के अंतर्गत आम जनता की विभिन्न आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए कई प्रकार की लोक-कल्याणकारी अल्प बचत योजनाएं संचालित की जा रही हैं । इस अभियान के तहत नागरिक डाकघर की विभिन्न प्रमुख योजनाओं जैसे कि मासिक आय योजना, वरिष्ठ नागरिक बचत योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, सार्वजनिक भविष्य निधि, आवर्ती जमा खाता, सावधि जमा खाता और सामान्य बचत खाता में अपने खाते खुलवा सकते हैं ।

राडा द्वारा ट्रैफिक विभाग को रिफ्लेक्टिव सेफ्टी जैकेट वितरित

रायपुर। ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन द्वारा सामाजिक दायित्व गतिविधि के अंतर्गत ट्रैफिक विभाग को रिफ्लेक्टिव सेफ्टी जैकेट वितरण कार्यक्रम का आयोजन ट्रैफिक थाना, कालीबाड़ी चौक में किया गया।

कार्यक्रम में रायपुर कमिश्नर संजीव शुक्ल एवं राडा अध्यक्ष रविंदर भसीन द्वारा ट्रैफिक पुलिस कर्मियों को सेफ्टी जैकेट वितरित किए गए। इस अवसर पर राडा की ओर से अमर परवानी, मनीष राज सिंघानिया, शशांक शाह, विवेक गर्ग, कैलाश खेमानी, विवेक अग्रवाल, सूरज परवानी एवं अभिनव ऋषि उपस्थित रहे।

इस अवसर पर राडा अध्यक्ष

रविंदर भसीन ने कहा कि उन्हें रायपुर ट्रैफिक पुलिस पर गर्व है, जो भीषण गर्मी में भी 24×7 शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित करने में लगे रहते हैं। उन्होंने रायपुर कमिश्नर एवं ट्रैफिक विभाग को आश्वस्त किया कि सड़क सुरक्षा एवं जनहित के किसी भी कार्यक्रम में राडा हमेशा उनके साथ खड़ा रहेगा।

कार्यक्रम के दौरान रायपुर कमिश्नर संजीव शुक्ला ने राडा से पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने की अपील की। इस पर राडा के उपाध्यक्ष कैलाश खेमानी ने आश्वासन दिया कि वृक्षारोपण हेतु शासन से भूमि की मांग की जाएगी तथा हर वर्ष बड़े स्तर पर पौधारोपण किया जाएगा। साथ ही राडा द्वारा लगाए गए पौधों की पूरी देखरेख एवं संरक्षण की जिम्मेदारी भी निभाई जाएगी। यह कार्यक्रम सड़क सुरक्षा, सामाजिक जिम्मेदारी एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति राडा की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

नशे में धुत्त 61 नशेड़ी दबोचे गए, पुलिस की नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

रायपुर। शहर में सुरक्षित एवं सुगम यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से रायपुर पुलिस आयुक्तालय के अंतर्गत विद्युत पुलिस द्वारा निरंतर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस आयुक्त एवं प्रभारी पुलिस पदाधिकारी, ट्रैफिक एवं पासपोर्ट के निर्देशानुसार शराब पीकर वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

इसी क्रम में मोटर वाहन अधिनियम 1988 के तहत शराब के नशे के तहत वाहन चलाने वाले दस्तावेजों के खिलाफ वैधानिक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इस साल अब तक 3252 नशे की हालत में नशे की हालत में वाहन पकड़े गए।

इस अभियान के तहत की रात को एडीसीपी ट्रैफिक के नेतृत्व में शहर के 9 प्लेस तेलीबांधा चौक, पचपेड़ी नाका चौक, भांठागांव चौक, टाटीबंध चौक, काली बडी चौक, जय स्तंभ चौक, भानुपुरी चौक और पंडरी थाना के सामने लाइब्रेरी के अधिकारी और प्लास्टिक टीम ने विशेष अभियान चलाया। इस दौरान शराब पीकर गाड़ियाँ चलाई गईं कुल 61 गाड़ियाँ लिखी गईं जिनमें 32 कार, 15 मोटर साइकिलें, 8 टाटा एस, 02 मेटाडोर, 4 ट्रकें जब्त की गईं, जो कि पर्यटकों के कब्जे में थीं और उन्हें कोर्ट में पेश किया गया था।

ट्रैफिक पुलिस का यह अभियान किसी भी लक्ष्य को लेकर नहीं, केवल सड़क उपभोक्ताओं में कमी लाने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लगातार जारी रहेगा। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि शराब पीकर वाहन चलाना केवल कानून अपराध नहीं है, बल्कि यह स्वयं और अन्य लोगों के जीवन के लिए भी गंभीर खतरा है।

छत्तीसगढ़ में तपिश से लोगों में बढ़ी बेचैनी, तापमान 45 डिग्री पार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में गर्मी अब कहर बनकर टूट रही है। सूरज की तपिश और गर्म हवाओं ने लोगों का जीना मुश्किल कर दिया है। प्रदेश के कई जिलों में तापमान 43 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच चुका है, जबकि बिलासपुर सबसे ज्यादा गर्म जिला रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि आने वाले 5 दिनों तक लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिलने के आसार बेहद कम हैं। इसके साथ ही मध्य छत्तीसगढ़ के कुछ इलाकों में हीट वेव यानी लू चलने का अलर्ट भी जारी कर दिया गया है।

मौसम विज्ञान विभाग रायपुर केंद्र के मुताबिक, 20 मई को बिलासपुर में अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जिसने लोगों को झुलसा कर रख दिया। वहीं मुंगेली में 43.9 डिग्री, सक्ती में 43.8 डिग्री, जबकि बालोद और कबीरधाम में 43.5 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया। राजधानी रायपुर भी तपिश से बेहाल रही, जहां अधिकतम तापमान 43.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, जो सामान्य से 1.4 डिग्री ज्यादा है। प्रदेश में सबसे कम न्यूनतम तापमान अंबिकापुर में 24 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, लेकिन दिनभर चल रही गर्म हवाओं और तेज धूप ने वहां भी लोगों की परेशानी बढ़ा दी। मौसम विभाग का कहना है कि पिछले 24 घंटों में तापमान में कोई खास बदलाव नहीं हुआ, लेकिन शुष्क मौसम और लगातार बढ़ती गर्मी ने हालात गंभीर बना दिए हैं। मौसम विभाग ने साफ कर दिया है कि फिलहाल प्रदेश में मौसम शुष्क बना रहेगा और अगले पांच दिनों तक तापमान में किसी बड़ी गिरावट की संभावना नहीं है।

पेपर लीक मामला : मुख्य सरगना शारीरिक शिक्षक गिरफ्तार

एग्जाम सेंटर से लीक हुआ था प्रश्न पत्र, तीन-तीन हजार में हुई थी डील

रायपुर। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल (सीजी बोर्ड) के 12वीं कक्षा के हिंदी पेपर लीक मामले में पुलिस ने एक और बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने इस गिरोह के मुख्य सूत्रधार, एक सरकारी पीटी (शारीरिक शिक्षा) शिक्षक और उसके एक मित्र छात्र को गिरफ्तार कर लिया है।

एग्जाम सेंटर से लीक हुआ था प्रॉफिट, 3-3 हजार में डील

सेंट्रल जोन के अधिकारी के अनुसार, मुख्य अर्थशास्त्री जवाहरलाल कुर्रे (40 वर्ष) बेमेतरा जिले के बोरतरा स्टिरिट स्कूल में पीटी टीचर के पद पर हैं। उन्होंने ही परीक्षा केंद्र से 12वीं का हिंदी प्रश्नपत्र बाहर निकाला था। इसके बाद उन्होंने पूरे ब्लॉग को एक पेपर लिपि में प्रकाशित किया और इसे आगे चलकर वेणु जंघेल और विकास सेन को सौंप दिया। इस मामले में पुलिस ने पूर्व में ही एसएयूआई (एनएसयूआई) नेता वेणु जंघेल को गिरफ्तार कर लिया है, जिसमें पूछताछ के बाद मुख्य जांच का खुलासा हुआ।

गिरफ़्तार अभियुक्तों ने छात्रों को 3-3 हज़ार रुपये में पकड़ कर प्रश्नपत्र लीक किया। इसके बाद यह पेपर टेक्नोलॉजी ऐप (व्हाट्सएप) आग की तरह पूरे राज्य में फैल गया। पुलिस जांच में यह बात भी सामने आई है कि शिक्षक जवाहर लाल कुर्रे के बैंक खाते में कर्जदार का लेन-देन हुआ है।

पुलिस ने उसके बैंक ट्रांजैक्शन के पूरे डिटेल्स हटा दिए हैं, जिससे साफ होता है कि पेपर्स ट्रांजैक्शन के बदले में मोटी रकम ली गई।

व्हाट्सएप पर बिक रहा था बोर्ड का पेपर

छत्तीसगढ़ में बोर्ड परीक्षा पेपर लाइक मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। 12वें हिंदी पेपर की हालिया जांच में सामने आया है कि एक एसोसिएटेड गैंग एग्जामिनेशन से पहले ही व्हाट्सएप के जरिए छात्रों तक प्रश्नपत्र भेजा जा रहा था और इसके बदले में 3000-3000 रुपये वसूले जा रहे थे। पुलिस ने इस मामले में मास्टरमाइंड समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। जांच में बैंक ट्रांजेक्शन, डिलीट चैट और मोबाइल डेटा से पूरे नेटवर्क का खुलासा हुआ। सबसे कट्टर वाली बात यह है कि एक शिक्षक स्तर के कर्मचारी की भूमिका भी सामने आई है, जिसने कथित तौर पर प्रश्नपत्र को आगे बढ़ाया था। पुलिस को शक है कि यह पूरा खेल सिर्फ एक परीक्षा तक सीमित नहीं था। ओबीसी शिक्षा विभाग से लेकर स्कूल स्तर तक की जांच तेज कर दी गई है और बाकी छात्रों की तलाश की जा रही है।

रायपुर रेल मंडल द्वारा 'विश्व पर्यावरण दिवस' पर विशेष जागरूकता अभियान

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर मंडल द्वारा 'विश्व पर्यावरण दिवस अभियान-2026' (15 मई से 5 जून 2026) के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण एवं जन-जागरूकता हेतु यह अभियान केवल एक दिवस तक सीमित न होकर विस्तारित अवधि में चरणबद्ध रूप से संचालित किया जा रहा है, जिसमें जागरूकता, संवाद एवं व्यवहार परिवर्तन आधारित गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं। इसी कड़ी में स्वच्छता एवं वेस्ट मैनेजमेंट पर विशेष जागरूक अभियान चलाया जा रहा है।

वाणिज्य निरीक्षक स्टेशन प्रबंधक रेल परिसरों में यात्रियों को जागरुक कर रहे हैं। प्लेटफार्मों पर कचरा पृथक्करण सुनिश्चित करने के लिए विशेष अभियान। यात्रियों को इसके उपयोग के लिए जागरूक करने हेतु अभियान चलाया जा रहा है। पर्यावरण के अनुकूल प्लास्टिक रहित कटलरी को बढ़ावा देंने। जैव अपघटनीय या प्लास्टिक रहित पेकिंग के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए अभियान जागरूकता कार्यक्रम कर रहे हैं। रेलवे कर्मचारियों को कचरा पृथक्करण की उचित प्रक्रियाओं, विशेष रूप से जैविक कचरे पर ध्यान केंद्रित करने और प्लास्टिक के उपयोग को कम करने के बारे में यात्रियों को जागरूक कर रहे हैंप्लेटफार्मों पर कचरा पृथक्करण सुनिश्चित करने के लिए विशेष अभियान। यात्रियों को इसके उपयोग के लिए जागरूक करने हेतु अभियान चलाया जा रहा हैं।

विश्व केसरी

संपादकीय

आवारा कुत्तों की भयावह समस्या पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला- लेकिन जिम्मेदारी तय किए बिना कैसे बनेगी बात?

संतोष कुमार पाठक

लेकिन क्या इससे देश के आम नागरिकों को खुश होना चाहिए? क्या इससे देश में आवारा कुत्तों से परेशान लोगों – खासकर बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को राहत मिल पाएगी? यह इतना भी आसान नहीं है। जब तक किसी खास अधिकारी की जिम्मेदारी तय नहीं की जाएगी तब तक इस समस्या का निदान नहीं हो सकता है।

देश की सर्वोच्च अदालत ने आवारा कुत्तों की नसबंदी और दूसरी जगह भेजने के अपने पहले के आदेश को वापस लेने के लिए दायर की गई सभी याचिकाओं को खारिज कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने डॉग लवर्स की याचिकाओं को खारिज करते हुए कहा कि यह अदालत देश भर में कुत्ता काटने की घटनाओं की अनदेखी नहीं कर सकती है। इसका सबसे ज्यादा शिकार बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग हुए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने सख्त शब्दों में अपने पहले के आदेश की फिर से याद दिलाते हुए कहा कि सड़क के कुत्तों पर 7 नवंबर, 2025 को दिया गया उनका आदेश ही लागू होगा। इन आदेशों को लागू करने वाले अधिकारियों को कानूनी सुरक्षा दी जाए और जो अधिकारी इनका पालन न करे, उन पर विभागीय और अवमानना की कार्यवाही की जा सकती है।

लेकिन क्या इससे देश के आम नागरिकों को खुश होना चाहिए? क्या इससे देश में आवारा कुत्तों से परेशान लोगों – खासकर बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को राहत मिल पाएगी? यह इतना भी आसान नहीं है। जब तक किसी खास अधिकारी की जिम्मेदारी तय नहीं की जाएगी तब तक

इस समस्या का निदान नहीं हो सकता है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बावजूद व्यवहारिक स्थिति तो यही है कि ज्यादातर राज्य सरकारें और जिला प्रशासन इसे गंभीरता से लेती नज़र नहीं आ रही है। इसलिए इस आदेश को लागू करने के लिए हर जिले में जिलाधिकारी यानी सीधे छ्ठरू को ही जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट के नवंबर में दिए गए आदेश के 6 महीने बीत जाने के बावजूद हालत यह है कि देश की राजधानी दिल्ली का नगर निगम – स्ष्टष्ठ कुत्तों को रखने के लिए एक डॉग सेंटर तक तैयार नहीं कर पाई है। देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश की सरकार ने यह आदेश जारी कर दिया है कि जो कुत्ता एक से अधिक बार लोगों को काट चुका हो, उसे सार्वजनिक स्थानों पर नहीं छोड़ा जाएगा लेकिन दिल्ली से सटे गाजियाबाद समेत राज्य के कई जिलों में भी अभी भी जरूरी डॉग सेंटर का निर्माण फाइल्स में ही अटका पड़ा है। क्या इस तरह की लापरवाही और लेट-लतीफी के लिए जिलों के छ्ठरूको जिम्मेदार नहीं ठहराया जाना चाहिए?

समय आ गया है कि हर जिले, हर राज्य और सबसे ऊपर सीधे सुप्रीम कोर्ट को अपनी निगरानी में एक टोल फ्री नंबर जारी करना चाहिए जिस पर कॉल करने वाले हर व्यक्ति को तुरंत उनकी शिकायत का एक नंबर भी अलॉट कर देना चाहिए। अगर सुप्रीम कोर्ट चाहे तो टोल फ्री नंबर पर बैठने वाले अदालत के स्टॉफ का खर्चा भी लोगों से ले सकता है और इसके लिए प्रति कॉल 3 से 5 रुपए की राशि भी फिक्स की जा सकती है लेकिन हर कॉल का उचित फॉलोअप सुनिश्चित करना बहुत जरूरी है। इस काम को युद्धस्तर पर करने की जरूरत है क्योंकि भारत में आवारा कुत्तों के काटने की समस्या दिन-प्रतिदिन भयावह होती जा रही है। वैसे तो देश में कुत्तों द्वारा काटने के सारे आंकड़े दर्ज नहीं करवाए जाते हैं लेकिन जो भी आंकड़े दर्ज होते हैं, उसके मुताबिक वर्ष 2024 में हर मिनट पर डॉग बाइट के 7, हर घंटे में 430, रोजाना 10,321 , हर महीने 3,09,643 और वर्ष भर में 37,15,713 मामले दर्ज किए गए हैं। यानी सरकार भी यह मान रही है कि एक साल में 37 लाख से भी ज्यादा लोग कुत्तों के काटने का शिकार बनते हैं। वहीं वर्ष 2025 में कुत्तों के काटने की संख्या 47 लाख से भी ज्यादा बताई जा रही है।

सरकारी रिपोर्ट की माने तो, भारत में हर साल रेबीज के कारण 300 लोगों की मौत होती है। लेकिन ङ्ख॥ह्र के अनुसार भारत में हर साल रेबीज के कारण 18 से 20 हज़ार लोगों की मौत हो जाती है। यहां इस बात का ध्यान रखना भी जरूरी है कि इस तरह के ज्यादातर मामले आंकड़ों में दर्ज ही नहीं किए जाते हैं। वर्ष 2019 में हुई पशु जनगणना में, देश में आवारा कुत्तों की संख्या 1.53 करोड़ बताई गई थी। लेकिन एक मोटे अनुमान के तौर पर यह माना जाता है कि देश में वर्तमान में आवारा कुत्तों की संख्या 6 से 7 करोड़ के लगभग हो गई है । यह समस्या हर गुजरते दिन के साथ भयावह होती जा रही है। मोहल्लों, कॉलोनियों, सोसायटियों यहां तक कि पार्कों में भी इन आवारा कुत्तों ने कब्जा जमा रखा है।

पेट्रोल बचत का ज्ञान, सरकारी गाड़ियों में खानदान

डॉ. प्रियंका सौरभ

देश में जब भी पेट्रोल और डीज़ल की कीमतें बढ़ती हैं, तब अचानक सरकारों, अधिकारियों और नेताओं को 'ईंधन बचत' की चिंता सताने लगती है। टीवी चैनलों पर संदेश चलने लगते हैं, अखबारों में विज्ञापन छपते हैं और मंचों से जनता को समझाया जाता है कि अनावश्यक वाहन प्रयोग बंद करें, कार पूलिंग अपनाएँ, कम दूरी पैदल तय करें और राष्ट्रहित में ईंधन की बचत करें। सुनने में यह सब बहुत आदर्शवादी और जिम्मेदार लगता है, लेकिन जैसे ही आम आदमी सड़क पर उतरता है, उसे इस आदर्शवाद का दूसरा चेहरा दिखाई देने लगता है।

एक तरफ आम नागरिक पेट्रोल पंप पर हर बढ़े हुए रुपये का हिसाब लगाता है, दूसरी तरफ सरकारी गाड़ियों का काफिला सत्ता के रुतबे की तरह सड़कों पर दौड़ता दिखाई देता है। जनता को बचत का पाठ पढ़ाने वाले वही लोग अक्सर अपने परिवार की छोटी-छोटी निजी जरूरतों के लिए भी सरकारी गाड़ियों का इस्तेमाल करते देखे जाते हैं। बच्चों को स्कूल छोड़ना हो, पत्नी को बाजार जाना हो, रिश्तेदारों को लाना-ले जाना हो या निजी कार्यक्रम में शामिल होना हो—सरकारी वाहन हर समय सेवा में तैयार रहते हैं। तब जनता के मन में स्वाभाविक प्रश्न उठता है कि आखिर ईंधन बचाने का बोझ केवल आम आदमी के हिस्से में ही क्यों आता है?

वास्तव में यह समस्या केवल पेट्रोल या डीज़ल की नहीं है, बल्कि मानसिकता की है। हमारे यहाँ सत्ता और पद को अक्सर सेवा नहीं, विशेषाधिकार समझ लिया जाता है। जैसे ही कोई व्यक्ति बड़े पद पर पहुँचता है, उसके आसपास सुविधाओं का ऐसा घेरा बन जाता है जिसमें सरकारी संसाधनों को निजी जीवन का हिस्सा मान लिया जाता है। सरकारी गाड़ी फिर केवल प्रशासनिक कार्य का माध्यम नहीं रहती, बल्कि प्रतिष्ठा और प्रभाव का प्रतीक बन जाती है। यही कारण है कि कई बार सरकारी वाहन कार्यालय से अधिक परिवार की सुविधाओं के लिए दौड़ते दिखाई देते हैं।

विडंबना देखिए कि जिस देश में करोड़ों लोग रोज़ाना महँगे पेट्रोल के कारण अपनी यात्राएँ सीमित कर रहे हैं, वहाँ जनता के टैक्स से चलने वाली गाड़ियों का निजी उपयोग सामान्य बात मान ली जाती है। आम आदमी अपने बच्चे की फीस भरने और पेट्रोल डलवाने के बीच संतुलन बैठाता है, जबकि सत्ता के गलियारों में सरकारी ईंधन पर पारिवारिक आराम चलता रहता है। यही दृश्य जनता के भीतर असंतोष पैदा करता है, क्योंकि त्याग का उपदेश वही दे रहा होता है जो स्वयं त्याग करने को तैयार नहीं दिखता।

इतिहास गवाह है कि समाज केवल भाषणों से नहीं बदलता, उदाहरणों से बदलता है। यदि नेता और अधिकारी वास्तव में ईंधन बचत को लेकर गंभीर हैं, तो सबसे पहले उन्हें स्वयं अपने घर से शुरुआत करनी चाहिए। यदि सरकारी गाड़ियाँ केवल सरकारी कार्यों तक सीमित हो जाएँ, यदि बच्चों के स्कूल आने-जाने और शॉपिंग जैसी निजी गतिविधियों में उनका प्रयोग बंद हो जाए, तो यह किसी बड़े अभियान से अधिक

प्रभावशाली संदेश होगा। जनता वही अपनाती है जो वह अपने नेतृत्व में देखती है।

आज सबसे बड़ी समस्या यह है कि सत्ता और जनता के बीच नैतिक दूरी बढ़ती जा रही है। जब जनता देखती है कि उसे सादगी और बचत का पाठ पढ़ाने वाले लोग स्वयं विलासिता और विशेषाधिकार में जी रहे हैं, तब उसका विश्वास कमजोर होता है। लोकतंत्र केवल कानूनों से नहीं चलता, बल्कि नैतिक विश्वसनीयता से भी चलता है। यदि शासन करने वाले लोग स्वयं नियमों का पालन न करें, तो जनता से अनुशासन की अपेक्षा करना केवल औपचारिकता बनकर रह जाता है।

यह भी सच है कि हर अधिकारी और नेता ऐसा नहीं करता। अनेक लोग ईमानदारी और सादगी से अपना दायित्व निभाते हैं। कई अधिकारी निजी जीवन में सरकारी सुविधाओं का दुरुपयोग नहीं करते और नियमों का पालन करते हैं। लेकिन समस्या यह है कि कुछ लोगों की आदतें पूरी व्यवस्था की छवि खराब कर देती हैं। जनता को वही दिखता है जो सड़क पर दिखाई देता है—लालबत्ती वाली गाड़ियों का रौब, लंबा काफिला और निजी कामों में सरकारी संसाधनों का खुला उपयोग।

सबसे दुखद बात यह है कि सरकारी संसाधनों के दुरुपयोग को कई बार समाज भी 'स्टेटस' मानने लगता है। यदि किसी अधिकारी की पत्नी सरकारी गाड़ी से बाजार जाती दिखाई दे, तो कुछ लोग उसे रुतबे का प्रतीक समझते हैं। यही मानसिकता धीरे-धीरे व्यवस्था को भीतर से खोखला करती है। सरकारी सुविधा सेवा का साधन होनी चाहिए, शान का प्रदर्शन नहीं।

आज पर्यावरण संकट और ऊर्जा संकट दोनों हमारे सामने हैं। दुनिया जलवायु परिवर्तन से जूझ रही है। भारत जैसे विशाल देश में ईंधन की बचत केवल आर्थिक मुद्दा नहीं, बल्कि पर्यावरणीय आवश्यकता भी है। लेकिन कोई भी अभियान तभी सफल होगा जब उसमें समान भागीदारी दिखाई देगी। यदि जनता से कहा जाए कि वह अपनी बाइक कम चलाए, जबकि सत्ता वर्ग निजी कार्यों में सरकारी गाड़ियों का प्रयोग जारी रखे, तो यह संदेश खोखला ही लगेगा।

सरकारी वाहनों के उपयोग को लेकर कठोर और पारदर्शी व्यवस्था बननी चाहिए। हर विभाग में वाहन उपयोग का डिजिटल रिकॉर्ड सार्वजनिक होना चाहिए। यह स्पष्ट होना चाहिए कि कौन-सी गाड़ी कब और किस कार्य के लिए गई। निजी उपयोग पाए जाने पर आर्थिक दंड और प्रशासनिक कार्रवाई दोनों होनी चाहिए। तकनीक के इस युग में यह कोई कठिन काम नहीं है। कठिन केवल इच्छाशक्ति है।

इसके साथ ही समाज को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। केवल नेताओं और अधिकारियों की आलोचना कर देना पर्याप्त नहीं है। आम नागरिकों में भी दिखावे और अनावश्यक वाहन प्रयोग की प्रवृत्ति बढ़ी है। छोटी दूरी के लिए भी वाहन निकालना अब आदत बन चुका है। लेकिन नेतृत्व की जिम्मेदारी इसलिए अधिक होती है क्योंकि वही समाज की दिशा तय करता है। यदि ऊपर अनुशासन होगा तो उसका प्रभाव नीचे तक अवश्य पहुँचेगा।

दरअसल लोकतंत्र में सबसे बड़ा नैतिक बल उदाहरण का होता है। जब जनता देखती है कि कोई नेता सादगी से जीवन जी रहा है, अनावश्यक सुविधाओं से दूर है और सरकारी संसाधनों का दुरुपयोग नहीं करता, तो उसके प्रति सम्मान स्वतः बढ़ जाता है। लेकिन जब वही नेता मंच से बचत की बात करे और उसके परिवार की रोजमर्रा की सुविधा सरकारी पेट्रोल पर चले, तब शब्दों की विश्वसनीयता समाप्त हो जाती है।

यह प्रश्न केवल ईंधन का नहीं, बल्कि टैक्स देने वाले नागरिक के सम्मान का भी है। जनता का पैसा जनता की सेवा के लिए है, किसी परिवार की निजी सुविधा के लिए नहीं। लोकतंत्र में सरकारी गाड़ी किसी व्यक्ति की निजी संपत्ति नहीं होती, बल्कि जनता की ओर से दी गई जिम्मेदारी होती है। जब यह जिम्मेदारी विशेषाधिकार में बदल जाती है, तब व्यवस्था और जनता के बीच विश्वास का संकट पैदा होता है।

आज आवश्यकता बड़े-बड़े नारों की नहीं, छोटे लेकिन ईमानदार कदमों की है। यदि नेता और अधिकारी सचमुच ईंधन बचत को लेकर गंभीर हैं, तो उन्हें अपने परिवारों के निजी उपयोग के लिए सरकारी गाड़ियों का प्रयोग बंद करना चाहिए। इससे न केवल ईंधन की बचत होगी, बल्कि जनता के बीच यह संदेश भी जाएगा कि त्याग केवल आम आदमी के लिए नहीं, सत्ता के लिए भी आवश्यक है।

देश को भाषण देने वाले नहीं, उदाहरण प्रस्तुत करने वाले नेतृत्व की आवश्यकता है। क्योंकि जनता अब केवल सुनना नहीं चाहती, देखना चाहती है। और जब तक सरकारी पेट्रोल पर 'खानदान' चलता रहेगा, तब तक 'ईंधन बचाओ' का हर अभियान जनता को केवल एक दिखावा ही प्रतीत होगा।

तपती धरती और झुलसता जीवन

महेन्द्र तिवारी

भारत इस समय भीषण गर्मी और लू की ऐसी मार झेल रहा है जिसने सामान्य जीवन को गहराई से प्रभावित कर दिया है। दिल्ली एनसीआर सहित उत्तर भारत के बड़े हिस्से में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुंच चुका है। कई शहरों में यह 46 से 47 डिग्री तक दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और मध्य भारत के अनेक क्षेत्रों में हीटवेव और गंभीर हीटवेव का अलर्ट जारी किया है। मई 2026 की यह गर्मी केवल मौसमी बदलाव नहीं बल्कि एक बड़े जलवायु संकट की चेतावनी मानी जा रही है।

दिल्ली के रिज क्षेत्र में तापमान 46.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जबकि मुंगेशपुर में 46.3 डिग्री तापमान रिकॉर्ड हुआ। सफदरजंग केंद्र पर अधिकतम तापमान 44.5 डिग्री दर्ज किया गया जो सामान्य से 4 डिग्री अधिक था। मौसम विभाग के अनुसार अगले कई दिनों तक राहत की संभावना बहुत कम है। गर्म हवाएं लगातार चल रही हैं और दोपहर के समय सड़कों पर निकलना कठिन हो गया है।

उत्तर प्रदेश के बांदा जिले में तापमान 48.2 डिग्री तक पहुंच गया जो देश में सबसे अधिक दर्ज तापमानों में शामिल है। राजस्थान के चित्तौड़गढ़ और पिलानी में तापमान 46 डिग्री से ऊपर पहुंचा। हरियाणा के रोहतक में 46.9 डिग्री तापमान ने लोगों को झुलसा दिया। पंजाब और हिमाचल प्रदेश के मैदानी इलाकों में भी लू का असर लगातार बढ़ रहा है।

गर्मी की इस भयावह स्थिति ने जनजीवन पर गहरा प्रभाव डाला है। दोपहर के समय सड़कें खाली दिखाई दे रही हैं। बाजारों में भीड़ कम हो गई है। मजदूर वर्ग सबसे अधिक प्रभावित है क्योंकि उन्हें खुले आसमान के नीचे काम करना पड़ता है। निर्माण कार्यों में लगे श्रमिक, रिक्शा चालक, डिलीवरी कर्मचारी और खेतों में काम करने वाले किसान लगातार लू का सामना कर रहे हैं। कई लोग चक्कर आने, सिरदर्द, उल्टी और बेहोशी जैसी समस्याओं से अस्पताल पहुंच रहे हैं। अस्पतालों में डिहाइड्रेशन और हीट स्ट्रोक के मामलों में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है।

विशेषज्ञों का मानना है कि लगातार बढ़ती गर्मी का सबसे बड़ा कारण जलवायु परिवर्तन है। पिछले कुछ वर्षों में पृथ्वी का औसत तापमान लगातार बढ़ा है। जंगलों की कटाई, बढ़ता प्रदूषण, वाहनों और उद्योगों से निकलने वाली गैसें तथा तेजी से फैलता शहरीकरण इस संकट को और गहरा बना रहे हैं। दिल्ली जैसे महानगरों में कंक्रीट और डामर की अधिकता के कारण गर्मी लंबे समय तक बनी रहती है। इसे शहरी ताप द्वीप प्रभाव कहा जाता है। दिनभर सूर्य की गर्मी सड़कों और इमारतों में जमा हो जाती है और रात में भी तापमान कम नहीं हो पाता।

मौसम विभाग के अनुसार मई और जून के महीने उत्तर भारत में सामान्य रूप से गर्म होते हैं लेकिन इस बार तापमान सामान्य से कई डिग्री अधिक है। दिल्ली में मई को सबसे गर्म महीनों में माना जाता है जहां कई बार तापमान 45 डिग्री से ऊपर चला जाता है। इस बार लगातार कई दिनों तक लू चलने के कारण स्थिति और गंभीर हो गई है।

गर्मी का असर केवल स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है बल्कि बिजली और पानी की मांग पर भी पड़ा है। देश में बिजली की मांग रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है। एयर कंडीशनर, कूलर और पंखों के बढ़ते उपयोग के कारण बिजली खपत तेजी से बढ़ रही है। कई शहरों में लंबे बिजली कट भी देखने को मिल रहे हैं। पानी की समस्या भी गंभीर होती जा रही है। दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में पानी की आपूर्ति को लेकर शिकायतें बढ़ रही हैं। भूजल स्तर लगातार नीचे जा रहा है और गर्मी के कारण जल स्रोत तेजी से सूख रहे हैं।

कृषि क्षेत्र भी इस गर्मी से प्रभावित हुआ है। खेतों में काम करना कठिन हो गया है। कई फसलों पर गर्म हवाओं का असर दिखाई देने लगा है। सब्जियों और फलों की पैदावार प्रभावित हो सकती है जिससे आने वाले समय में कीमतों में वृद्धि संभव है। पशुओं के लिए भी यह मौसम बेहद कठिन है। पानी की कमी और अत्यधिक गर्मी के कारण पशुओं की मृत्यु के मामले भी सामने आ रहे हैं।

बोध कथा

अति वाचालता का दुष्परिणाम

एक राजा बहुत अधिक बोलता था। उसका मंत्री विद्वान और शुभ चिंतक था। इसलिए सोचता रहता था कि राजा को कैसे इस दोष से मुक्त करुं और वह ज्ञान दू जो कि मनुष्य के हृदय में बहुत गहराई से उतरकर उसके स्वभाव का अंग बन जाता है। मंत्री उचित अवसर की तलाश में था कि राजा को अपने इस दोष का आभास हो और उसके द्वारा होने वाली हानि को समझकर निकल जाए। एक दिन राजा मंत्री के साथ उद्यान में घूमते हुए एक शिला पर बैठ गया। शिला के ऊपर आम के पेड़ पर कौवे का एक घोंसला था। उसमें काली कोयल अपना अण्डा रख गई। कोयल अपना घोंसला नहीं बनाती, वरन कौवे के घोंसले में ही अंडा रख देती है। कौवी उस अंडे को अपना समझकर पालती रहती है। आगे चलकर उसमें से कोयल का बच्चा निकला। कौवी उसे अपना पुत्र समझकर पालती थी। कोयल के बच्चे ने असमय जबकि उसके पर भी नहीं निकले थे, कोयल की आवाज की। कौवी ने सोचा- यह अभी विचित्र आवाज करता है, बड़ा होने पर क्या करेगा?' कौवी ने चोंच से मार-मारकर उसकी हत्या कर दी और घोंसले से नीचे गिरा दिया।

राजा जहां बैठा था, वह बच्चा वहीं उसके पैरों के पास गिरा। राजा ने मंत्री से पूछा-मित्र ! यह क्या है? मंत्री को राजा की भूल बताने का यह अवसर मिल गया। मंत्री ने कहा- महाराज! अति वाचाल (बहुत बोलने वालों) की यही गति होती है।

व्यंग्य केसरी

मंच पर मौन...

राजेंद्र ओझा

'आप जा रहे हैं क्या सर कल के कार्यक्रम में ?' वे मिल गए तो मैंने उनसे यूं ही पूछ लिया।

'अरे यार, कौन जाए ऐसे कार्यक्रम में ? आप उसे कार्यक्रम कहते हैं ?' उन्होंने मुझसे ही पूछ लिया और फिर स्वयं ही उत्तर भी दे दिया - 'अरे, वो इवेंट है इवेंट!' उन्होंने आयोजक का नाम लिया, और कहा 'उसे तो बस पैसा कमाना है। ऐसे सीधे - सादे, सात्विक भी कह लो, और लोकोपयोगी क्षेत्र में भी उन्होंने 'धंधा' घुसेड़ दिया।'

वे बहुत गुस्से में थे। अंदर उबलता खून चेहरे तक उभर आया था। मैंने कहा - 'नहीं-नहीं, ऐसा मत कहिए, पैसा तो लगता है न सर, दो रुपट्टी की कही जाने वाली चाय भी अब दस से कम में नहीं मिलती और फिर ये तो 'अंतरराष्ट्रीय स्तर' का कार्यक्रम है।'

'काहे का अंतरराष्ट्रीय स्तर का ?' इस बार तो जैसे ज्वालामुखी फट पड़ा। अरे, जिसे विदेशी बताया जा रहा है, वो कई सालों से यहीं रह रहा है। किसी समय वो विदेश में था और बड़े नहीं छोटे कहे जाने वाले किसी देश में था वो। प्रायमरी स्कूल का टीचर था। स्कूल में होने वाले कार्यक्रमों का संचालन करता था तो लोग उसे 'साहित्यकार' कहने लगे, और ये शब्द उनके नाम के साथ 'सरनेम' की तरह जुड़ गया। मैंने इस आग पर पानी डालने के विचार से उनसे कहा - 'आयोजक महोदय तो आपका बड़ा सम्मान करते हैं, आपको तो बुलाया ही होगा ?'

' हाँ यार, फोन आया था। किसी एक सत्र में आपको कुर्सी पर बैठना है।''

' 'किसी एक सत्र में कुर्सी पर बैठना है? मतलब ? बाकी समय खड़े रहना है ?'' मैंने चुहल की।

'तुम भी यार, चीजों को बढ़िया पकड़ते हो।' उन्होंने मेरी तारीफ की फिर आगे बोले - 'देखते हैं यार। कालोनी में दो घर बाद के पड़ोसी की डेथ भी हो गई है। कल ही उनका फ्यूनरल भी है। पड़ोसी धर्म भी तो कुछ बनता है ना।'

' हाँ, देखिए फिर भी '. मैंने उनसे कहा और हम दोनों अपने अपने रास्ते पर आगे बढ़ गए।

दूसरे दिन सुबह ठीक साढ़े दस बजे आयोजक के साथ हाथ मिलाते और तथाकथित रूप से अंतरराष्ट्रीय कहे जाने वाले मुख्य अतिथि के साथ चाय पीते और हँसते-बतियाते हुए उनकी फोटो फेसबुक पर घूम रही थी।

मैं फ्यूनरल में था और उनका फोन आया, ' फ्यूनरल में ही हो न ?'

'हाँ', मैंने कहा।

' यार, एक काम करना, जब श्रद्धांजलि दी जा रही होगी तब मिस काल कर देना।'

मैंने 'क्यों ?' पूछा तो उनका जवाब आया, 'यहीं बैठे - बैठे श्रद्धांजलि दे देंगे, यार। ऐसे भी मंच पर एक को छोड़कर बाकी सभी तो चुप ही रहते हैं।'

कुछ ही देर बाद मंच साझा कर रहे उनके मित्र द्वारा ली गई एक फोटो फेसबुक पर दौड़ रही थी, जिसमें उनकी आंखें बंद थी, पीठ सीधी और हाथ बंधे हुए दिख रहे थे। फोटो के साथ बड़े बड़े अक्षरों में एक कैप्शन लिखा था - मंच पर मौन।

इतिहास

इतिहास में 21 मई का दिन देश और दुनिया की कई महत्वपूर्ण घटनाओं, उपलब्धियों और प्रसिद्ध हस्तियों के जन्म-मृत्यु का साक्षी रहा है।नीचे 21 मई की प्रमुख ऐतिहासिक घटनाओं का विवरण दिया गया है: ?? प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएं1881: 'अमेरिकन रेड क्रॉस' (American Red Cross) की स्थापना क्लारा बार्टन द्वारा की गई।1904: फ्रांस की राजधानी पेरिस में अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल महासंघ (FIFA) की स्थापना हुई।1927: अमेरिकी पायलट चार्ल्स लिंडबर्ग ने न्यूयॉर्क से पेरिस तक की पहली एकल नॉन-स्टॉप अटलांटिक महासागर पार करने वाली उड़ान पूरी की।1991: भारत के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की तमिलनाडु के श्रीपेरंबदूर में एक आत्मघाती बम विस्फोट में दुखद हत्या कर दी गई।1994: भारत की सुष्मिता सेन ने 'मिस यूनिवर्स' का खिताब जीतकर इतिहास रचा। यह उपलब्धि हासिल करने वाली वह पहली भारतीय महिला थीं।

संक्षिप्त खबरें

करंट लगाकर पत्नी की हत्या, पति पर संदेह, जांच शुरू

अंबिकापुर । छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले से एक बेहद हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहां उदयपुर थाना क्षेत्र के लैंगा गांव में एक विवाहित महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना के बाद मृतका के मायके वालों ने उसके पति पर गंभीर आरोप लगाते हुए हंगामा खड़ा कर दिया है। परिजनों का दावा है कि पति ने महिला को प्रताड़ित करने के बाद बिस्तर में करंट फैलाकर उसकी जान ली है। इस शिकायत के बाद स्थानीय पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की कड़ियों को जोड़ने में जुट गई है।

मूल रूप से लक्ष्मणगढ़ की रहने वाली इस महिला का विवाह साल 2020 में लैंगा के निवासी संतलाल के साथ हुआ था। मृतका के भाई राजेंद्र प्रसाद और अन्य रिश्तेदारों के अनुसार, शादी के शुरुआती दो साल ठीक रहने के बाद जब कोई संतान नहीं हुई, तो पति ने महिला को मानसिक और शारीरिक रूप से परेशान करना शुरू कर दिया था। इसके अलावा पति का किसी अन्य युवती के साथ प्रेम संबंध होने की बात भी सामने आई है। इस पारिवारिक विवाद को सुलझाने के लिए पूर्व में दो बार सामाजिक स्तर पर बैठकें बुलाकर आरोपी को समझाने का प्रयास भी किया गया था, लेकिन उसके व्यवहार में कोई बदलाव नहीं आया। मायके पक्ष का आरोप है कि 17 मई की रात को इस वारदात को अंजाम दिया गया। मृतका के शरीर पर, खासकर हाथों में दो जगहों पर जलने के गहरे निशान मिले हैं, जो करंट लगने की आशंका को पुख्ता करते हैं।

युवक ने नारायणपाल पुल से छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली

जगदलपुर। जिले के लोहंडीगुड़ा थाना क्षेत्र में गुरुवार को एक युवक ने इंद्रावती नदी पर बने नारायणपाल पुल से छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय नाविकों की मदद से युवक के शव को नदी से बाहर निकाला गया। मृतक की पहचान कोंडागांव जिले के सुलाहटी निवासी युवराज दास मानिकपुरी के रूप में हुई है।

बताया जा रहा है कि युवक ने अचानक पुल से नदी में छलांग लगा दी। आस-पास मौजूद लोगों ने घटना की जानकारी तुरंत पुलिस को दी। पुलिस और स्थानीय नाविकों की टीम ने काफी मशक्कत के बाद शव को नदी से बाहर निकाला। इसके बाद पंचनामा कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया औ। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है। लोहंडीगुड़ा थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है।

विवाह का झांसा देकर छह वर्ष तक शारीरिक शोषण करने वाला आरोपी गिरफ्तार

कांकेर। जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र में एक युवती ने विवाह का प्रलोभन देकर वर्ष 2020 से 13 मई 2026 तक छह वर्ष शारीरिक संबंध बनाने का आरोप लगाया। आरोपी सागर देवनाथ (38) निवासी सिंगारभाटा ने बाद में शादी करने से इनकार कर दिया। शिकायत के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस जांच में पता चला कि सागर देवनाथ के खिलाफ वर्ष 2017 में भी धारा 495, 494, 498(ए), 506(बी) के तहत मामला दर्ज था। कांकेर पुलिस ने प्रार्थिया की रिपोर्ट पर धारा 64(1), 64(2)(द्व), 296, 115(1), 89 बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर पुलिस ने आरोपी सागर देवनाथ को उसके ग्राम सिंगारभाट स्थित निवास से घेराबंदी कर पकड़ा।

शिक्षक से लाखों की ठगी

फर्राटेदार इंग्लिश बोलकर बनाते थे शिकार, अंतरराज्यीय गिरोह के 7 साइबर ठग गिरफ्तार

कोण्डागांव। फरसगांव पुलिस ने शिक्षक से करीब 30 लाख रुपए की ठगी करने वाले अंतरराज्यीय साइबर ठग गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने 10 दिनों तक दिल्ली, गाजियाबाद और उत्तरप्रदेश में डेरा डालकर कार्रवाई की और गिरोह के 7 शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी केवल भारत ही नहीं, बल्कि इंटरनेशनल स्तर पर भी ऑनलाइन फ्रॉड की वारदातों को अंजाम दे चुके हैं।

गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने 2 लैपटॉप, 18 मोबाइल फोन, 17 एटीएम कार्ड और कई म्युल अकाउंट से जुड़े दस्तावेज बरामद किए हैं। पुलिस का कहना है कि आरोपी बेहद शातिर तरीके से लोगों को अपने जाल में फंसाते थे। फर्राटेदार इंग्लिश और प्रोफेशनल अंदाज में बातचीत कर वे खुद को इंश्योरेंस कंपनी का अधिकारी बताते थे और लोगों का भरोसा जीत लेते थे। जानकारी के मुताबिक, कोण्डागांव जिले के एक शिक्षक को आरोपियों ने इंश्योरेंस पॉलिसी में बोनस, रिटर्न और पुराने निवेश की रकम वापस दिलाने का झांसा दिया था। शुरुआत में छोटी रकम जमा कराई गई, ताकि पीड़ित को भरोसा हो जाए। इसके बाद अलग-अलग प्रोसेसिंग फीस, टैक्स, क्लियरेंस और बोनस रिलीज के नाम पर लगातार रकम मांगी जाती रही। जब तक शिक्षक को ठगी का एहसास हुआ, तब तक करीब 30 लाख रुपए अलग-अलग खातों में ट्रांसफर हो चुके थे। मामले की शिकायत मिलने के बाद फरसगांव पुलिस ने साइबर सेल की मदद से जांच शुरू की। शुरुआती जांच में कई बैंक खातों और मोबाइल नंबरों का नेटवर्क दिल्ली-एनसीआर और उत्तरप्रदेश तक जुड़ा मिला। इसके बाद पुलिस की टीम लगातार 10 दिनों तक दिल्ली, गाजियाबाद और अन्य इलाकों में डेरा डालकर तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों तक पहुंची। पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि आरोपी संगठित तरीके से साइबर फ्रॉड का नेटवर्क चला रहे थे। इसके लिए अलग-अलग लोगों के नाम पर बैंक खाते खुलवाए जाते थे, जिन्हें 'म्युल अकाउंट' के तौर पर इस्तेमाल किया जाता था। ठगी की रकम इन खातों में ट्रांसफर कर तुरंत निकाल ली जाती थी, ताकि पुलिस ट्रांजेक्शन ट्रैक न कर सके।

आरोपी कॉल सेंटर की तरह काम करते थे। कुछ लोग केवल कॉल करने का काम करते थे, जबकि अन्य लोग बैंक खातों और ट्रांजेक्शन को संभालते थे।

ओबीसी के लिए आरक्षित पदों पर तय सीमा से अधिक उमीदवारों को नियुति देना गलत

बिलासपुर। हाईकोर्ट ने एक अहम फैसले में कहा कि अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षित पदों पर तय सीमा से अधिक दिव्यांग उम्मीदवारों को केवल उनकी योग्यता के आधार पर नियुक्ति देना कानूनी रूप से गलत है। जस्टिस राकेश मोहन पांडेय की सिंगल बेंच ने राज्य सरकार की मेरिट लिस्ट की समीक्षा कर 90 दिनों के भीतर दोबारा मेरिट लिस्ट तैयार करने कहा है।

दरअसल, उमेश कुमार श्रीवास व अन्य ने इस मामले में याचिका दायर की थी, याचिका में कहा गया कि लोक शिक्षण संचनालय ने बीते 9 मार्च 2019 को व्याख्याता, शिक्षक और सहायक शिक्षकों के खाली पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया था। इस भर्ती में ओबीसी वर्ग के याचिकाकर्ताओं ने भी मेरिट सूची में अपना स्थान बनाया था। लेकिन जब चयन समिति ने प्रोविजनल मेरिट लिस्ट जारी की तो ओबीसी केटेगरी के पदों पर 7 प्रतिशत की तय सीमा से कहीं ज्यादा दिव्यांग उम्मीदवारों को चुन लिया गया, जिससे सामान्य ओबीसी उम्मीदवारों का हक प्रभावित हुआ। हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा कि चुनाव समिति द्वारा अपनाई गई प्रक्रिया पूरी तरह गलत है। इस प्रक्रिया से सभी श्रेणियों के उम्मीदवारों को समान अवसर प्राप्त नहीं होता है।

बॉक्साइड कमीशन के चक्कर में बुजुर्ग आदिवासी की हत्या

अंबिकापुर । छत्तीसगढ़ में एक अनुविभागीय मजिस्ट्रेट और उनके तीन सहयोगियों द्वारा 62 वर्षीय एक बुजुर्ग आदिवासी की पीट-पीटकर हत्या करने के मामले में एक बड़ा और चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। पुलिस द्वारा अदालत में दाखिल की गई चार्जशीट के अनुसार, यह हत्या इलाके में अवैध बॉक्साइट परिवहन से जुड़े 'कमीशन' वसूलने के प्रयास के दौरान की गई थी।

यह पूरी घटना इसी साल 15 फरवरी को छत्तीसगढ़-झारखंड सीमा पर स्थित हंसपुर गांव के पास एक जंगल में हुई थी। मामले के मुख्य आरोपी राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी और तत्कालीन एसडीएम करुण डहरिया हैं, जिन्हें उनके तीन साथियों के साथ बुजुर्ग करन राम उर्फ रामनरेश की हत्या और दो अन्य लोगों को गंभीर रूप से घायल करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

बलरामपुर के पुलिस अधीक्षक वैभव बैंकर के अनुसार, एसडीएम करुण डहरिया ने बिना किसी कानूनी अनुमति के झारखंड से एक ट्रक को जब्त किया था और उसे छत्तीसगढ़ ले आए थे।

इस बीच, ट्रक मालिक को लूटपाट का शक हुआ और उसने मदद के लिए हंसपुर गांव के पीड़ितों से संपर्क किया। जब पीड़ितों ने हंसपुर में ट्रक को रोकने की कोशिश की, तो डहरिया अपने साथियों के साथ वहां पहुंच गए और उन पर हमला कर दिया। जांच में सामने आया है कि एसडीएम ने पहले ट्रक मालिक से कमीशन की मांग की थी।

वहीं दूसरी ओर, आरोपी अधिकारी डहरिया ने अपने बचाव में पुलिस को बताया कि वे अवैध खनन की सूचना मिलने पर मौके पर गए थे, लेकिन पुलिस का कहना है कि उनके इस दावे का कोई ठोस सबूत या आधार नहीं मिला है।

इस जानलेवा हमले में रामनरेश की मौत हो गई, जबकि अजीत राम उरांव (60) और आकाश कुमार अघरिया (20) गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

पेंशन प्रमाण पत्र और व्हीलचेयर पाकर खिले ग्रामीणों के चेहरे

जशपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में आयोजित सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत जशपुर जिले में आमजन को शासन की विभिन्न योजनाओं का लगातार लाभ पहुंचाया जा रहा है। इसी क्रम में जशपुर जिले के जनपद पंचायत कांसाबेल अंतर्गत ग्राम पंचायत कुसुमताल में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में ग्रामीणों को विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित किया गया।

शिविर में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को उनके पक्के घर के सपने को साकार करने हेतु खुशियों की चाबी प्रदान की गई। वहीं समाज कल्याण विभाग द्वारा पात्र हितग्राहियों को पेंशन प्रमाण पत्र वितरित किए गए। दिव्यांग हितग्राहियों को भी विशेष रूप से लाभान्वित किया गया। शिविर में एक दिव्यांग हितग्राही को सहायक उपकरण के रूप में व्हीलचेयर प्रदान की गई, जिससे उनके दैनिक जीवन की गतिविधियों में सुविधा होगी और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिलेगा। योजनाओं का लाभ मिलने से हितग्राहियों के चेहरे खुशी से खिल उठे।

कार्यक्रम में जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सरिता भगत, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती हीरामती पैंकरा, वरिष्ठ नागरिक श्री सुदाम पांडा सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे। जनप्रतिनिधियों ने शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की सराहना करते हुए कहा कि सुशासन तिहार के माध्यम से ग्रामीणों को उनके गांव के समीप ही योजनाओं का लाभ मिल रहा है। शिविर के दौरान नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत उपस्थित ग्रामीणों को नशामुक्ति की शपथ भी दिलाई गई। सभी ने नशे से दूर रहने और समाज को नशामुक्त बनाने का संकल्प लिया।

ग्रामीणों ने कहा कि सुशासन तिहार के माध्यम से उन्हें योजनाओं का लाभ घर के पास ही मिल रहा है, जिससे समय, धन और श्रम की बचत हो रही है।

मालिक मकबूजा के नाम पर लीज की जमीन रायपुर की अदरस कम्पनी को बेच दी गई

सुकमा। जिले के डोडपाल गांव के लोगों ने 1963 में अपनी जमीन जगपाल सिंह को लीज पर दी थी। उनकी मौत के बाद उनके बेटों ने जमीन बेच दी। जिसे लेकर डोडपाल गांव के लोगों ने गुरूवार को एक बैठक रखी गई। जिसमें गांव के लगभग सभी लोग उपस्थित थे। ग्रामीणों ने अपनी जमीन वापस करने की मांग की है। ग्रामीणों ने बताया कि जब क्षेत्र में नक्सल समस्या थी तब तक कोई जमीन के लिए कभी नही आया। लेकिन अब जब नक्सल समस्या खत्म हो गयी है, तो ग्रामीण इलाके में इस प्रकार की समस्या निकल कर आ रही है। अब गांव वालों ने बैठक कर अपनी समस्या को लेकर आगे तक लड़ाई जारी रखने की बात कही है।

बैठक के बाद ग्रामीणों ने कहा कि वर्ष 1963 में जगपाल सिंह के द्वारा मालिक मकबूजा के नाम पर उनसे जमीन लिया गया था। जिसके बाद जमीन पर लगे सागौन के पेड़ों को उन्होंने बेचा, और अपना काम हो जाने के बाद जमीन वापस करने की बात कही थी। लेकिन उसके बाद जब भी ग्रामीणों ने अपनी जमीन की बात कही तो ग्रामीणों को हमेशा कहा गया कि जमीन आपकी ही है। हमारा काम होने के बाद हम वापस कर देंगे। ग्रामीणों का कहाना है कि जिन्होंने उनसे जमीन अपने काम के लिए लिया था, उस जगपाल सिंह का निधन हो गया है। उनके बेटों के द्वारा हमारी जमीन रायपुर के किसी अदरस कम्पनी को बेचा जा चुका है। जिसको लेकर ग्रामीणों में बड़ी चिंता बनी हुई है कि अब उनकी जमीन जो कि बहुत पहले किसी काम के लिए लीज पर दी गयी थी, अब उनकी भी नही रही। ग्रामीणों का कहाना है कि पिछले 10 साल से लड़ाई लड़ रहे है।

गैर इरादतन हत्या के दोषी आरोपित पति को 10 वर्ष की हुई सजा

जगदलपुर। जिले के प्रधान सत्र न्यायाधीश गोविंद नारायण जांगड़े की अदालत ने गुरूवार को हत्या के आरोपी सोनसिंग कश्यप को भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) में दोषमुक्त करते हुए धारा 105(2) के तहत दोषी करार दिया है। अदालत ने आरोपी को 10 वर्ष के सश्रम कारावास एवं 100 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया। अर्थदंड अदा नहीं करने पर एक माह का अतिरिक्त कठोर कारावास भुगतना होगा।

लोक अभियोजक सपन देंवागंन के अनुसार घटना 1 जुलाई 2025 की है। थाना बंडाजी क्षेत्र के ग्राम पोटनार कोटवारपारा में आरोपी सोनसिंग कश्यप ने अपनी पत्नी लच्छनदई के साथ शराब पीने की बात को लेकर विवाद किया। आरोप है कि उसने पत्नी के कंधे और पैर के पुराने घाव वाले हिस्से पर जानबूझकर लात-घूंसों से मार-पीट की, जिससे उसका पैर टूट गया तथा कंधे और छाती में गंभीर अंदरूनी चोटें आईं। आरोपी ने घायल पत्नी का उपचार नहीं कराया, जिससे उसकी तबीयत लगातार बिगड़ती गई और आठ दिन बाद उसकी मृत्यु हो गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और डॉक्टर की रिपोर्ट में मृत्यु को हत्यात्मक प्रकृति का बताया गया। मामले में थाना बंडाजी में प्राथमिकी दर्ज कर जांच के बाद अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। सुनवाई के उपरांत अदालत ने आरोपी को धारा 105(2) के तहत दोषी मानते हुए सजा सुनाई।

धर्मांतरित युवक की मौत के बाद शव दफनाने को लेकर मचा बवाल

जगदलपुर। जिले के बड़ाजी थाना क्षेत्र अंर्तगत चोंडीमेटावाड़ा के पास हुए सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। युवक के परिजनों ने इसाई धर्म को अपना लिया है, उसी रीति रिवाज से अंतिम संस्कार करना चाहते है। लेकिन इस बात को लेकर पदरगुड़ा गांव के लोग जमकर विरोध कर रहे है। युवक के शव को दफनाने के लिये गांव मे बवाल की स्थिति निर्मित हो गई है। इस मामले की जानकारी लगने के बाद पुलिस टीम पदरगुड़ा गांव मे तैनात कर दिया गया है। फिलहाल शव का पोस्टमार्टम हो चुका है। गांव वालों के अनुमति के बाद ही शव को दफनाया जाएगा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पदरगुड़ा चित्रकोट निवासी सुरेंद्र कुमार बघेल 32 वर्ष अपनी मोटरसाइकिल लेकर जगदलपुर के लिए रवाना हुआ था। लेकिन आधे रास्ते में चोंडीमेटावाड़ा के चढ़ाव में खुद ही बाइक से अनियंत्रित होकर गिर गया। जिसे उपचार के लिए मेकॉज अस्पताल लाया गया जहां उपचार के दौरान 20 मई की शाम को सुरेंद्र की मौत हो गई। युवक की मौत की जानकारी लगते ही गांव के सभी लोग एक जुट हो गए और शव को गांव में दफनाने से मना करने लगे। वहीं परिजन इसाई समुदाय से जुड़े होने के कारण शव को गांव मे ही दफनाना चाह रहे है। फिलहाल शव का पीएम के बाद मेकॉज में ही रखा गया है। शव दफनाने के विवाद के बाद ग्राम समिति से अनुमति के बाद ही गांव मे शव दफनाने की बात कह रहे है। लेकिन गांव के लोग एक जुट होकर इसका विरोध कर रहे है। स्थिति को देखते हुए पुलिस की कड़ी टीम तैनात किया गया है। जहां स्थिति को देख आगे की कार्यवाही किया जाएगा।

जनसमस्याओं के त्वरित समाधान की दिशा में धमतरी जिला प्रशासन की प्रभावी पहल

धमतरी। प्रदेश शासन की मंशानुरूप आमजन की समस्याओं के त्वरित निराकरण और प्रशासनिक कार्यप्रणाली में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिले में आयोजित सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत विभिन्न विभागों द्वारा प्राप्त आवेदनों के निराकरण की प्रक्रिया लगातार प्रभावी ढंग से संचालित की जा रही है। जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में सभी विभाग आमजन की समस्याओं एवं मांगों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं।

जिले के विभिन्न विभागों, नगरीय निकायों, जनपद पंचायतों, तहसील कार्यालयों तथा शासकीय संस्थाओं में प्राप्त आवेदनों के निराकरण की प्रगति से स्पष्ट है कि प्रशासनिक अमला आमजन की अपेक्षाओं पर खरा उतरने के लिए प्रतिबद्ध है।

सुशासन तिहार के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों में राजस्व प्रकरण, आधारभूत सुविधाओं से संबंधित मांगें, सामाजिक सुरक्षा, खाद्य वितरण, विद्युत, जल संसाधन, शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास, नगरीय सेवाएं तथा विभिन्न प्रमाण पत्रों से जुड़े आवेदन प्रमुख रूप से शामिल हैं। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार कुल 11 हजार 621 आवेदन दर्ज किए गए, जिनमें से 8500 से अधिक संख्या में आवेदनों का निराकरण किया जा चुका है, जबकि शेष प्रकरणों में आवश्यक कार्रवाई प्रक्रियाधीन है। विभिन्न विभागों द्वारा गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ निराकरण कार्य किया जा रहा है।

कमजोर वैश्विक संकेतों के चलते लाल निशान में बंद हुआ बाजार, सेंसेक्स 135 अंक फिसला

मुंबई । पश्चिम एशिया में जारी संघर्षों के बीच कमजोर वैश्विक संकेतों के चलते गुरुवार के कारोबारी सत्र में भारतीय शेयर बाजार मामूली गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुआ। दिन के कारोबार में निफ्टी50 और सेंसेक्स में गिरावट दर्ज की गई, क्योंकि आईटी और एफएमसीजी शेयरों पर दबाव बना रहा।

इस दौरान, निफ्टी50 4.30 अंक या 0.02 प्रतिशत गिरकर 23,654.70 पर बंद हुआ, तो वहीं सेंसेक्स 135.03 अंक या 0.18 प्रतिशत गिरकर 75,183.36 पर बंद हुआ।

30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 75,732.42 पर खुलकर 75,945.79 का इंट्रा-डे हाई और 74,996.78 का लो बनाया, जबकि एनएसई निफ्टी 23,830.05 पर खुलकर 23,859.90 का दिन का हाई और 23,596.60 का लो बनाया।

व्यापक बाजारों में, निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.63 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई, जबकि निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में 0.04 प्रतिशत की मामूली गिरावट देखने को मिली।

वहीं सेक्टरवार देखें तो, निफ्टी एफएमजीसी, निफ्टी आईटी और निफ्टी

फाइनेंशियल सर्विसेज में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई। वहीं, निफ्टी रियल्टी और निफ्टी सीमेंट ने बेहतर प्रदर्शन किया।

निफ्टी50 इंडेक्स में ग्रासिम, इंडिगो, अपोलो हॉस्पिटल, बजाज-ऑटो, ट्रेंट, बीईएल, एचडीएफसी लाइफ, मैक्सहेल्थ, हिंडाल्को और विप्रो के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी देखने को मिली। वहीं इसके विपरीत, बजाज फाइनेंस, एचयूएल, टेक महिंद्रा, इंफोसिस, बजाज फिनसर्व, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स और भारती एयरटेल सबसे खराब प्रदर्शन करने वाले शेयरों में शामिल रहे।

इस दौरान, बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल मार्केट कैप पिछले सत्र के 461 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 462 लाख करोड़ रुपए हो गया, जिससे निवेशकों को इस सत्र में करीब 1 लाख करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ।

एक मार्केट एक्सपर्ट्स ने बताया कि कच्चे तेल की कीमतों में फिर से उछाल आया, जिससे महंगाई, रुपए की कमजोरी और कंपनियों की लागत बढ़ने को लेकर चिंता दोबारा बढ़ गई।

सेक्टोरल स्तर पर आईटी और एफएमसीजी शेयर बाजार पर सबसे ज्यादा दबाव डालने वाले सेक्टर रहे। हालांकि वैश्विक टेक शेयरों से सकारात्मक संकेत मिले थे, लेकिन हालिया तेजी के बाद निवेशकों ने आईटी शेयरों में मुनाफावसूली करना बेहतर समझा।

एक्सपर्ट ने आगे बताया कि वैश्विक स्तर पर भी निवेशकों की जोखिम लेने की क्षमता सीमित रही। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की सख्त टिप्पणियों के बाद ब्याज दरों और बॉन्ड यील्ड के लंबे समय तक ऊंचे बने रहने की आशंका बढ़ गई है।

खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पीएम मोदी को मिला अंतरराष्ट्रीय 'एग्रीकोला मेडल' : शिवराज सिंह चौहान

हैदराबाद । केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को कहा कि खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उठाए गए कदमों के चलते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को यूएन की संस्था एफएओ द्वारा दिया सर्वोच्च सम्मान 'एग्रीकोला मेडल' दिया गया है।

उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री ने खाद्य सुरक्षा में भारत की नहीं, बल्कि दुनिया की चिंता की है। इसके साथ ही, इस सम्मान के जरिए प्रधानमंत्री के देश के कृषि उत्पादन और गुणवत्ता को बढ़ाने और रिसर्च आदि की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को अंतरराष्ट्रीय मान्यता मिली है।

इसके अतिरिक्त, केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हम भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान को प्रधानमंत्री मोदी के विजन के अनुरूप श्री अन्ना के लिए एक वैश्विक संस्था बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं। इसके मुताबिक ही किसानों तक रिसर्च कैसे पहुंचाया जाए और श्री अन्ना का उत्पादन कैसे बढ़ाया जाए, इस पर इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास और रिसर्च कार्य चल रहा है। प्रधानमंत्री मोदी को बुधवार को इटली के रोम स्थित खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) मुख्यालय में आयोजित एक समारोह में वर्ष 2026 का 'एग्रीकोला मेडल' प्रदान किया गया। यह एफएओ का सर्वोच्च सम्मान है।

एफएओ के महानिदेशक ने ऐतिहासिक एफएओ प्लेनरी हॉल में प्रधानमंत्री मोदी को यह पदक प्रदान किया। संगठन के अनुसार, यह सम्मान खाद्य सुरक्षा, कृषि विकास और किसानों के कल्याण में उनके योगदान के लिए दिया गया। प्रधानमंत्री को बधाई देते हुए क्यू डोंग्यू ने कहा कि यह सम्मान कृषि उत्पादकता बढ़ाने, खाद्य सुरक्षा मजबूत करने और किसानों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

इससे पहले, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को कहा था कि पूर्वी भारत, देश के कृषि विकास का ग्रोथ इंजन बन सकता है। भुवनेश्वर के मेफेयर कन्वेंशन में पूर्वी क्षेत्रीय कृषि सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए, कृषि मंत्री ने कहा कि यह आयोजन केवल औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि पूर्वी भारत की कृषि, किसानों की आजीविका और क्षेत्रीय कृषि रणनीति को नई दिशा देने के लिए गंभीर विचार-विमर्श का मंच है।

आरबीआई सरकार को ट्रांसफर करेगी रिकॉर्ड 3.5 लाख करोड़ रुपए तक का डिविडेंड : रिपोर्ट

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) वित्त वर्ष 26 के लिए केंद्र सरकार को रिकॉर्ड सरप्लस डिविडेंड का भुगतान करेगी और यह राशि 2.7 लाख करोड़ रुपए से लेकर 3.5 लाख करोड़ रुपए के बीच हो सकती है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई।

एनडीटीवी प्रॉफिट की रिपोर्ट में कहा गया कि डिविडेंड को सरकार को ट्रांसफर करने के लिए आरबीआई के बोर्ड की बैठक शुक्रवार को प्रस्तावित है।

अगर आरबीआई बोर्ड संभावित राशि के ऊपरी बैंड को डिविडेंड के रूप में मंजूरी देता है, तो केंद्रीय बैंक द्वारा सरकार को ट्रांसफर की गई अब तक की यह सबसे बड़ी राशि होगी।

बीते वर्ष आरबीआई ने केंद्र को 2.69 लाख करोड़ रुपए का डिविडेंड ट्रांसफर किया था।

अनुमानित डिविडेंड में यह तेज वृद्धि ऐसे वर्ष के बाद हुई है जिसमें आरबीआई को मुद्रा अस्थिरता, विदेशी मुद्रा संचालन और निवेश से हाई यील्ड का लाभ मिला।

संभावित डिविडेंड भुगतान में एक प्रमुख योगदान वित्त वर्ष 2026 के दौरान अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपए के लगभग 10 प्रतिशत अवमूल्यन का रहा, जिससे कथित तौर पर

आरबीआई की विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों के मूल्यांकन में वृद्धि हुई और उसकी बैलेंस शीट का विस्तार हुआ। केंद्रीय बैंक ने रुपए की अत्यधिक कमजोरी को रोकने के लिए डॉलर बेचकर मुद्रा बाजारों में सक्रिय हस्तक्षेप के माध्यम से भी लाभ अर्जित किया है। वित्त वर्ष 2026 के दौरान भारत का विदेशी मुद्रा भंडार लगभग 3 प्रतिशत बढ़कर लगभग 688 अरब डॉलर हो गया, जिससे आरबीआई की आय में और मजबूती आई। रिपोर्ट में कहा गया है कि विदेशी मुद्रा संचालन के अलावा, निवेश और मुद्रा मुद्रण गतिविधियों से प्राप्त आय ने भी अनुमानित सरप्लस में योगदान दिया।

पिछले तीन वित्तीय वर्षों में, सरकार को आरबीआई द्वारा दिए गए डिविडेंड भुगतान में तीन गुना से अधिक की वृद्धि हुई है।

वैश्विक अस्थिरता के चलते भारत के प्राइवेट सेक्टर की गतिविधियों में आई मामूली गिरावट : पीएमआई डेटा

नई दिल्ली। वैश्विक अस्थिरता से भारत के प्राइवेट सेक्टर की गतिविधियों में मई में मामूली गिरावट देखी गई है और इससे एचएसबीसी फ्लैश इंडिया पीएमआई कम्पोजिट आउटपुट इंडेक्स 58.1 हो गया है, जो कि अप्रैल में 58.2 पर था। यह जानकारी गुरुवार को जारी निजी सर्वेक्षण में दी गई।

एचएसबीसी की ओर से जारी कम्पोजिट पीएमआई डेटा में बताया गया कि सर्विस अर्थव्यवस्था की तेज रफ्तार ने फैक्ट्री में कमजोर उत्पादन की भरपाई की है।

आंकड़ों में बताया गया कि अप्रैल में गिरावट के बाद, इनपुट कीमतों में महंगाई थोड़ी बढ़ी, लेकिन कंपनियों ने उत्पादन शुल्क में कम वृद्धि करके ग्राहकों पर अतिरिक्त लागत का बोझ सीमित कर दिया।

इस दौरान सर्विसेज सेक्टर ने मैन्युफैक्चरिंग से बेहतर प्रदर्शन

किया और उन पर महंगाई का दबाव कम रहा।

एचएसबीसी के चीफ इंडिया इकोनॉमिस्ट प्रांजुल भंडारी ने कहा, 'उत्पादन और नए ऑर्डर की वृद्धि दर में नरमी आने से मैन्युफैक्चरिंग गतिविधि में मामूली गिरावट आई है, जबकि नए निर्यात ऑर्डर की वृद्धि में तेज कमी आई है। फिर भी, निरंतर इन्वेंट्री के कारण मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई मोटे तौर पर अपने दीर्घकालिक औसत के अनुरूप बना रहा।'

उन्होंने आगे कहा, 'मई में तैयार माल के भंडार में लगातार दूसरे महीने वृद्धि हुई और खरीद भंडार में पिछले तीन महीनों में सबसे तेज वृद्धि दर्ज की गई। लागत का दबाव बढ़ गया, और इनपुट कीमतों में जुलाई 2022 के बाद से सबसे तेज वृद्धि हुई।'

पीएमआई आंकड़ों के अनुसार, मई में मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों और सर्विस कंपनियों के साथ नए कारोबार में वृद्धि की दर धीमी रही, जिसके परिणामस्वरूप समग्र स्तर पर वृद्धि दर में गिरावट आई।

भारत के निजी क्षेत्र की अर्थव्यवस्था में मई में नए निर्यात ऑर्डर में धीमी वृद्धि देखी गई, जो पिछले 19 महीनों में सबसे कम है। पीएमआई आंकड़ों के अनुसार, वस्तु उत्पादकों ने सितंबर 2024 (फरवरी 2026 से पहले) के बाद से अंतरराष्ट्रीय बिक्री में दूसरी सबसे धीमी वृद्धि दर्ज की। मई में कारोबारी विश्वास काफी सकारात्मक बना रहा, हालांकि सकारात्मक भावना का समग्र स्तर तीन महीने के निचले स्तर पर आ गया, फिर भी यह अपने दीर्घकालिक औसत से ऊपर रहा।

एशिया-प्रशांत क्षेत्र में पहली तिमाही में भारत में सबसे अधिक रही प्रॉपर्टी यील्ड : रिपोर्ट

नई दिल्ली। एशिया-प्रशांत क्षेत्र में भारत ने कैलेंडर ईयर 2026 की पहली तिमाही में सबसे अधिक रियल एस्टेट यील्ड दी है और इन्वेस्टमेंट वॉल्यूम में सालाना आधार पर 189 प्रतिशत का उछाल देखने को मिला है।

सीबीआरई की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में कैप रेट कार्यालय, खुदरा, लॉजिस्टिक्स, होटल और छात्र आवास क्षेत्रों में इस क्षेत्र के अन्य सभी बाजारों की तुलना में लगातार आगे निकल रहे हैं, कुछ मामलों में तो यह अंतर 320 आधार अंकों तक का है।

भारत में 2026 की पहली तिमाही में रियल एस्टेट में निवेश वॉल्यूम एक वर्ष पहले के 839.85 मिलियन डॉलर से बढ़कर 2,295.19 मिलियन डॉलर हो गई, जो कि सिंगापुर के बाद दूसरे स्थान पर है। सिंगापुर ने निवेश वॉल्यूम में 364 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि के साथ इस क्षेत्र में अग्रणी स्थान हासिल किया।

सीबीआरई के चेयरमैन और सीईओ (भारत, दक्षिण-पूर्व एशिया, मध्य पूर्व और अफ्रीका) अंशुमन मैगजीन ने कहा, 'भारत की आर्थिक बुनियाद, बढ़ते कॉरपोरेट आधार और युवा, उपभोग-उन्मुख आबादी के कारण हम सभी क्षेत्रों में वास्तविक और व्यापक मांग देख रहे हैं।'

उन्होंने आगे कहा, 'अब तक सतर्क रहे वैश्विक निवेशक अब यहां पूंजी लगाने के लिए सक्रिय रूप से इच्छुक हैं, और हमें उम्मीद है कि जैसे-जैसे अधिक संस्थागत स्तर के उत्पाद बाजार में आएंगे, यह गति और मजबूत होगी।'

रिपोर्ट में घरेलू संस्थानों, फैमिली ऑफिसों और वैश्विक पूंजी बाजार के खिलाड़ियों की निरंतर रुचि का जिक्र किया गया है, क्योंकि वे प्रत्यक्ष अधिग्रहण, आरईटीआईटी और संरचित ऋण साधनों के माध्यम से भारतीय रियल एस्टेट में अधिक से अधिक निवेश कर रहे हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि एशिया प्रशांत क्षेत्र में रियल एस्टेट ऋण के लिए भारत शीर्ष बाजारों में से एक है, जो परिपक्व पूंजी बाजारों का संकेत है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत में ग्रेड ए ऑफिस कैप रेट प्रमुख केंद्रीय व्यावसायिक जिलों में 7.50 प्रतिशत से 8.40 प्रतिशत तक है, जबकि सिंगापुर में यह 3.25 प्रतिशत से 3.80 प्रतिशत और टोक्यो में 2 प्रतिशत से 3 प्रतिशत तक है। सिंगापुर और जापान के साथ, भारत को एशिया प्रशांत क्षेत्र में ग्रेड ए ऑफिस निवेश पूछताछ के लिए शीर्ष तीन पसंदीदा बाजारों में शामिल किया गया है।

भारत में छात्र आवास पर रिटर्न 8.50 प्रतिशत से 9 प्रतिशत तक रहा, जो दूसरे सबसे उच्च बाजार, ऑस्ट्रेलिया से लगभग 320 आधार अंक अधिक है। भारत में संस्थागत-ग्रेड लॉजिस्टिक्स कैप रेट 7.15 प्रतिशत से 7.75 प्रतिशत तक है, जो दूसरे स्थान पर मौजूद बाजार, वियतनाम (6 प्रतिशत से 7 प्रतिशत) से लगभग 115 आधार अंक अधिक है।

जापान, सिंगापुर या कोरिया जैसे परिपक्व बाजारों की तुलना में भारत में उच्च कैप रेट संस्थागत भागीदारी और मूल्य निर्धारण में अभी भी विकसित हो रहे बाजार के साथ-साथ उच्च विकास वाली उभरती अर्थव्यवस्था के स्वाभाविक रिटर्न प्रीमियम को दर्शाता है।

देश में पेट्रोल-डीजल का पर्याप्त भंडार, एलपीजी सप्लाई भी सामान्य : सरकारी अधिकारी

नई दिल्ली। देश में पेट्रोल-डीजल की कोई कमी नहीं है और लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) की आपूर्ति भी सामान्य बनी हुई है। यह जानकारी एक सरकारी सूत्र (सरकारी अधिकारी) के हवाले से गुरुवार को दी गई है।

कई पेट्रोल पंप द्वारा ईंधन न देने या सीमित मात्रा में देने पर सरकारी सूत्रों ने आगे बताया कि ऐसे पेट्रोल पंप्स पर सीमाओं को हटाने को लेकर कार्य किया जा रहा है।

इससे अलावा, कुछ पेट्रोल पंप पर ईंधन की अचानक मांग बढ़ने पर सूत्रों ने बताया कि इसके पीछे तीन बड़े कारण हैं। इसमें पहला

कारण फसल कटाई का मौसम होना है, जिसके चलते डीजल की मांग बढ़ जाती है। दूसरा निजी ईंधन कंपनियों की ओर से पेट्रोल-डीजल की ऊंची कीमतें चार्ज करना है, जिससे ग्राहक सरकारी कंपनियों की तरफ शिफ्ट हो रहे हैं। इसकी वजह संस्थागत/कमर्शियल ईंधन से उपभोक्ताओं का शिफ्ट होना है, जिसकी कीमतें अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतों के अनुरूप तय की जाती हैं, जो कि अभी 20 रुपए प्रति लीटर तक अधिक हैं। इसके अलावा सूत्रों ने बताया कि सरकार ने रूसी कच्चे तेल की खरीद में कोई कमी नहीं की है। इससे पहले, सरकारी तेल कंपनी भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) के डायरेक्टर फाइनेंस वीआरके गुप्ता ने बुधवार को कहा था कि मध्य पूर्व संकट के बीच कंपनी रूस से कच्चे तेल की खरीद बढ़ रही है और मौजूद समय में कंपनी के कुल आयात में रूसी कच्चे तेल की हिस्सेदारी करीब 41 प्रतिशत पहुंच गई है, जो कि वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही (जनवरी से मार्च) में 31 प्रतिशत थी। मीडिया से बातचीत में गुप्ता ने बताया कि मध्य पूर्व में तनाव के चलते कंपनी ने विविध स्रोतों विशेषकर रूस से कच्चे तेल की खरीद को बढ़ाया है। इससे पहले वित्त वर्ष 26 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर से दिसंबर 2025) में कंपनी के आयात बास्केट में रूसी कच्चे तेल की हिस्सेदारी करीब 25 प्रतिशत थी।

भारत का चाय निर्यात बीते 12 वर्षों में 93 प्रतिशत बढ़ा : पीयूष गोयल

नई दिल्ली। भारत का चाय निर्यात बीते 12 वर्षों में वित्त वर्ष 2025-26 तक 93 प्रतिशत बढ़कर 8,719 करोड़ रुपए रहा है, जो कि वित्त वर्ष 2013-14 में 4,509 करोड़ रुपए था। यह जानकारी वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की ओर से गुरुवार को दी गई।

अंतरराष्ट्रीय चाय दिवस के अवसर पर भारतीय चाय की बढ़ती वैश्विक अपील का जिक्र करते हुए, गोयल ने चाय को एक भावना बताया और कहा कि यह देश के दैनिक जीवन, संस्कृति और परंपराओं में गहराई से समाहित है।

गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, 'चाय एक भावना है और अंतरराष्ट्रीय चाय दिवस पर इसे व्यक्त करने का

इससे बेहतर तरीका और क्या हो सकता है! पूरे भारत में, चाय सिर्फ एक पेय पदार्थ नहीं है, बल्कि यह रोजमर्रा की जिंदगी, बातचीत और परंपराओं का एक अभिन्न अंग है।

उन्होंने आगे कहा, 'दार्जिलिंग की पहाड़ियों से लेकर असम की घाटियों और नीलगिरी के बागानों तक, हर क्षेत्र चाय के एक कप में अपना अनूठा स्वाद, सुगंध और विशेषता जोड़ता है!'

मंत्री ने कहा कि गुणवत्ता मानकों में सुधार और देश की समृद्ध चाय विरासत को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा देने के निरंतर प्रयासों के चलते भारतीय चाय ने वर्षों से अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अपनी उपस्थिति को लगातार मजबूत किया है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'गुणवत्ता मानकों में सुधार और भारतीय चाय बोर्ड द्वारा भारत की समृद्ध चाय विरासत को विश्व के सामने प्रदर्शित करने के निरंतर प्रयासों के चलते भारतीय चाय ने वर्षों से वैश्विक बाजारों में अपनी उपस्थिति को मजबूत किया है।'

इस बीच, पिछले वर्ष गोयल ने बताया था कि संगठित क्षेत्र में भारतीय चाय उद्योग लगभग 12 लाख श्रमिकों को रोजगार प्रदान करता है, जिनमें से लगभग 58 प्रतिशत महिलाएं हैं।

गोयल ने जून 2025 में एक्स पर पोस्ट किया था, 'महिलाएं भारत के चाय क्षेत्र के विकास का नेतृत्व कर रही हैं। हमारा देश अपनी सुगंधित चाय और निर्यात में लगातार वृद्धि के साथ वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना रहा है।

क्या ज्यादा धूप में रहने से मोतियाबिंद का खतरा बढ़ जाता है? डॉक्टर से जानिए क्या है सच्चाई

लंबे समय तक तेज धूप में रहने से मोतियाबिंद का खतरा बढ़ सकता है. डॉक्टर तुषार ग्रोवर के अनुसार धूप में अल्ट्रावॉयलेट किरणें होती हैं, जो आंखों को नुकसान पहुंचा सकती हैं. इससे ड्राइनेस, एलर्जी, इंफेक्शन और कई तरह के आंखों के कैंसर का खतरा भी बढ़ सकता है. गर्मी में बाहर निकलते समय सनग्लासेस जरूर पहनने चाहिए.

गर्मियों में तेज धूप और अल्ट्रावॉयलेट किरणों का कहर बढ़ जाता है. अधिकतर लोग यह जानते हैं कि तेज धूप में बाहर जाने से स्किन को नुकसान होता है, लेकिन इससे आंखों को भी गंभीर नुकसान हो सकता है. गर्मी में आंखों से जुड़ी कई समस्याएं भी बढ़ जाती हैं. कई लोग मानते हैं कि ज्यादा धूप में रहने से मोतियाबिंद का खतरा बढ़ सकता है. मोतियाबिंद एक ऐसी बीमारी है, जो 50 से 60 साल की उम्र के बाद ज्यादातर लोगों को होती है. डॉक्टर से जानने की कोशिश करते हैं कि क्या वाकई तेज धूप से मोतियाबिंद का जोखिम बढ़ जाता है.

दिल्ली के विजन आई सेंटर के मेडिकल डायरेक्टर डॉ. तुषार ग्रोवर ने मीडिया को बताया मोतियाबिंद आंखों की एक आम समस्या है, जिसमें आंख के लेंस में धुंधलापन आने लगता है. इसकी वजह से चीजें साफ दिखाई नहीं देतीं और धीरे-धीरे नजर कमजोर होने लगती है. मोतियाबिंद एक एज रिलेटेड समस्या है और अधिकतर बुजुर्गों को मोतियाबिंद का ऑपरेशन कराना पड़ता है. हालांकि आंख में चोट, ज्यादा धूप में रहना और डायबिटीज के कारण कम उम्र में भी इसका रिस्क बढ़ जाता है. लंबे समय तक आंखें अल्ट्रावॉयलेट किरणों के संपर्क में रहेंगी, तो मोतियाबिंद समेत कई खतरनाक आई डिजीज का रिस्क बढ़ जाएगा. इसलिए गर्मी के मौसम में धूप से आंखों का बचाव जरूरी है, ताकि आंखें हेल्दी रहें.

आंखों के लिए खतरनाक हैं यूवी किरणें

डॉक्टर ग्रोवर के मुताबिक ज्यादा धूप और अल्ट्रावॉयलेट किरणों से मोतियाबिंद की स्पीड थोड़ी बढ़ सकती है, लेकिन इसे सबसे बड़ी वजह मानना सही नहीं होगा. यूवी किरणों की वजह से गर्मी में आई ड्राइनेस, एलर्जी और कंजंक्टिवाइटिस का रिस्क बढ़ जाता है. यूवी किरणों से कई तरह के आंखों के कैंसर का खतरा भी बढ़ सकता है. इसलिए लोगों को अल्ट्रावॉयलेट किरणों को लेकर लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए और इससे बचाव करने की पूरी कोशिश करनी चाहिए.

यूवी किरणों से बचने के लिए क्या करें

एक्सपर्ट ने बताया कि गर्मी में अपनी आंखों को हेल्दी रखने के लिए यूवी किरणों से प्रोटेक्ट करने वाले सनग्लासेस पहनें. अगर यूवी प्रोटेक्शन वाला चश्मा न हो, तो नॉर्मल सनग्लासेस भी पहन सकते हैं. इससे भी कुछ हद तक आंखों का बचाव होगा।

तरबूज-खरबूज से ज्यादा ताकतवर, दिखने में जेली और शरीर रखता है बर्फ सा ठंडा, जानें आइस एप्पल के फायदे

गर्मी के मौसम का हाइड्रेटिंग किंग तरबूज-खरबूज नहीं बल्कि असल मायने ताड़गोला है. अकेला इसे ही खा लेने से बॉडी डिहाइड्रेट नहीं होगी साथ ही इसमें भरपूर पानी के अलावा मिनरल और विटामिन भी होता है.

दिखने में जेली और शरीर रखता है बर्फ सा ठंडा, जानें आइस एप्पल के फायदेंशश्रद्ध

आइस एप्पल जिसे ताड़गोला भी कहा जाता है, पोषक तत्वों से भरा गर्मी का सुपरफ्रूट है. वैसे तो इस मौसम में मार्केट में हर तरफ तरबूज और खरबूज का बोलबाला होता है. लेकिन इस बीच ताड़गोला कहीं दब सा जाता है, जबकि इसके फायदे दोनों से ज्यादा हैं. यदि आप सिर्फ ताड़गोल खा लें तो आपको तरबूज और खरबूज दोनों के न्यूट्रिएंट्स एक साथ एक ही बार में मिल जाते हैं.

ताड़गोला पाम की एक प्रजाति ताड़ के पेड़ पर लगने वाला फल है. बिहार, बंगाल और झारखंड में इसे आप सड़कों के किनारे और खेतों में आसानी से देख सकते हैं. लेकिन चौंकाने वाली बात है कि इसके फायदों के बारे में लोग कम ही जानते हैं. यदि आप भी इसमें से एक हैं, तो लेख आपके लिए है. क्योंकि इस साल गर्मी से बचने के लिए सिर्फ कूलर और एसी काम नहीं आएंगे. सेहत को बनाए रखने के लिए ज्यादा से ज्यादा ऐसे फलों और सब्जियों को खाने की जरूरत है, जो आपको अंदर से ठंडा और हाइड्रेट रखे.

ताड़गोला के फायदे

आइस एप्पल यानी ताड़गोला शरीर को ठंडक देने वाला फल है. इसमें 90 प्रतिशत पानी होता है, जो इसे तरबूज को कड़ी टक्कर देने वाला फल बनाता है. इसलिए गर्मियों में यह शरीर को हाइड्रेट रखने में मदद करता है. इसे खाने से शरीर में पानी और जरूरी मिनरल्स की कमी पूरी होती है. यह थकान, सिरदर्द और शरीर में सूखापन जैसी समस्याओं से बचाने में सहायक होता है.

आइस एप्पल में एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं, जो शरीर को फ्री रेडिकल्स से होने वाले नुकसान से बचाते हैं. इससे हार्ट डिजीज, डायबिटीज और अन्य बीमारियों का खतरा कम हो सकता है. यह शरीर की रोगों से लड़ने की क्षमता को मजबूत बनाता है और लंबे समय तक स्वस्थ रहने में मदद करता है.

इस फल में फाइबर अच्छी मात्रा में होता है, जो पाचन क्रिया को सही रखता है. यह कब्ज की समस्या को कम करने और पेट को साफ रखने में मदद करता है. आइस एप्पल पेट की जलन, गैस और अपच जैसी परेशानियों में भी राहत देता है. इसे खाने से आंतों में अच्छे बैक्टीरिया बढ़ते हैं, जिससे पाचन तंत्र स्वस्थ रहता है.

आइस एप्पल का ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है, इसलिए यह ब्लड शुगर को तेजी से नहीं बढ़ाता. इसमें मौजूद प्राकृतिक शुगर धीरे-धीरे ऊर्जा देती है. फाइबर की वजह से शरीर में शुगर धीरे अवशोषित होती है, जिससे डायबिटीज के मरीजों को लाभ मिल सकता है.

इसके विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट त्वचा को चमकदार और मुलायम बनाते हैं. यह त्वचा की नमी बनाए रखता है और झुर्रियों को कम करने में सहायक होता है.

आइस एप्पल में विटामिन ष्ट और कई जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं. यह शरीर की इम्यूनिटी बढ़ाने में मदद करता है और संक्रमण से बचाव करता है।

घर बैठे करें कान की जांच, QR स्कैन करते ही शुरू होगी टेस्टिंग, कुछ मिनट में रिपोर्ट, जानिए कैसे

यह तकनीक ऐसे लोगों के लिए वरदान है जिन्हें धीरे-धीरे कम सुनाई देना शुरू हो गया है, लेकिन वे समय पर जांच नहीं करा पाते. आजकल ईयरफोन का ज्यादा इस्तेमाल, तेज आवाज और ध्वनि प्रदूषण की वजह से लोगों में सुनने की समस्या तेजी से बढ़ रही है. लोकल 18 से शोधकर्ता डॉ. याजुषी देओल बताती हैं कि यह तकनीक लोगों को शुरुआती स्तर पर ही सुनने की समस्या पहचानने में मदद करेगी. इससे समय रहते इलाज शुरू किया जा सकेगा, ताकि वह आगे चलकर गंभीर दिक्कतों में न बदले. गांव और दूरदराज के इलाकों में रहने वाले लोगों को इसका सबसे ज्यादा फायदा मिलेगा।

यूपी स्थित कानपुर के लोगों के लिए राहत भरी खबर है. अब कान की सुनने की क्षमता जांचने के लिए अस्पतालों के लंबे चक्कर लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी. कानपुर के जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज और बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) ने मिलकर एक खास एआई ऑडियोमीटर टूल तैयार किया है, जिससे लोग अपने मोबाइल फोन से ही सुनने की जांच कर सकेंगे. यह तकनीक खासतौर पर उन लोगों के लिए मददगार होगी जिन्हें धीरे-धीरे कम सुनाई देना शुरू हो गया है, लेकिन वे समय पर जांच नहीं करा पाते. अब सिर्फ क्यूआर कोड स्कैन करना होगा या वेब लिंक खोलना होगा. इसके बाद मोबाइल सीधे एआई टूल से जुड़ जाएगा और जांच शुरू हो जाएगी.

इतने हर्ट्ज तक जांच

इस नए सिस्टम में व्यक्ति को अलग-अलग ध्वनियां सुनाई जाएंगी. जैसे ही आवाज साफ सुनाई देगी, मोबाइल स्क्रीन पर क्लिक करना होगा।

इसके बाद पूरी रिपोर्ट तैयार होकर सेव हो जाएगी. यह जांच 500 से 2000 हर्ट्ज की ध्वनि आवृत्ति तक सुनने की क्षमता को माप सकेगी. शोधकर्ता डॉ. याजुषी देओल ने बताया कि यह तकनीक लोगों को शुरुआती स्तर पर ही सुनने की समस्या पहचानने में मदद करेगी. इससे समय रहते इलाज शुरू किया जा सकेगा और गंभीर दिक्कतों से बचाव होगा.

इनके लिए भी फायदेमंद

जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के ईएनटी विभागाध्यक्ष डॉ. एस के कनौजिया ने बताया कि यह एआई आधारित टूल नवजात बच्चों, बुजुर्गों और कम सुनने वाले मरीजों के लिए काफी उपयोगी साबित होगा। इससे अस्पतालों की ओपीडी में भी मरीजों की स्क्रीनिंग तेजी से की जा सकेगी. उन्होंने कहा कि आजकल ईयरफोन का ज्यादा इस्तेमाल, तेज आवाज और ध्वनि प्रदूषण की वजह से लोगों में सुनने की समस्या तेजी से बढ़ रही है. ऐसे में यह तकनीक समय रहते समस्या पकड़ने में बड़ी भूमिका निभाएगी।

कब से इस्तेमाल

इस रिसर्च प्रोजेक्ट को इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) का भी समर्थन मिला है. रिसर्च टीम के मुताबिक यह टूल करीब 80 प्रतिशत तक सटीक परिणाम देने में सफल रहा है।

उम्मीद है कि इस साल के अंत तक इसे पूरी तरह इस्तेमाल के लिए तैयार कर दिया जाएगा. डॉक्टरों का मानना है कि आने वाले समय में यह तकनीक कान की बीमारियों की जांच और इलाज की प्रक्रिया को काफी आसान बना देगी. खासतौर पर गांव और दूरदराज के इलाकों में रहने वाले लोगों को इसका सबसे ज्यादा फायदा मिलेगा।

नेट, मल्चिंग से सिंचाई तक...गर्मियों में इन कारगर तरीकों से बचाएं फसल, खेती में नहीं होगा नुकसान, बढ़ेगा मुनाफा

उत्तर प्रदेश में इन दिनों आसमान से आग बरस रही है और तापमान 45 डिग्री के पार पहुंच रहा है. इस भीषण गर्मी और लू के थपेड़ों से न सिर्फ आम इंसान और पशु-पक्षी परेशान हैं, बल्कि किसानों की फसलों को भी भारी नुकसान हो रहा है. आम, केला और पपीते जैसे फलों के पौधे सूख रहे हैं और फल समय से पहले टूटकर गिर रहे हैं. जिला उद्यान अधिकारी संदीप कुमार गुप्ता ने किसानों को इस नुकसान से बचाने के लिए कुछ बेहद आसान और असरदार उपाय बताए हैं.

इस समय सूरज के कड़े तेवर लोगों को बेहाल कर रहे हैं. चिलचिलाती धूप और गर्म हवाओं के कारण खेतों में खड़ी फसलें और फलों के बाग सूखने की कगार पर पहुंच गए हैं. ऐसे में किसानों के सामने अपनी मेहनत की कमाई और फसलों को सुरक्षित रखने की एक बहुत बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है. अगर समय रहते सही उपाय न किए जाएं, तो पूरी की पूरी फसल बर्बाद हो सकती है, जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है. इस संकट से निपटने के लिए कृषि विशेषज्ञों ने कुछ बेहद आसान तरीके बताए हैं, जिन्हें अपनाकर किसान अपनी फसलों को लू के प्रकोप से बचा सकते हैं.

45 डिग्री तापमान से फसलों और फलों को खतरा

जिला उद्यान अधिकारी संदीप कुमार गुप्ता ने बताया कि इस समय पूरे उत्तर प्रदेश में तापमान 43 से 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है. इस तेज हीट वेव (लू) के कारण आम, केला, पपीता और अन्य फलों के पौधों को सबसे ज्यादा नुकसान हो रहा है. लू की चपेट में आने से पौधों की पत्तियां झुलसकर नीचे गिरने लगती हैं और खेतों में नमी की भारी कमी हो जाती है. इसके अलावा, पौधों से फल समय से पहले ही टूटकर गिरने लगते हैं, जिससे फसल पूरी तरह सूख जाती है.

खेत की पश्चिम दिशा में लगाएं नेट

अगर आप सब्जियों की खेती कर रहे हैं, तो अपने खेत की पश्चिम दिशा में हरी नेट (जाल) लगा दें या फिर सरकंडे की मजबूत बाड़ बना दें. असल में, गर्मियों में ज्यादातर गर्म और तेज हवाएं पश्चिम दिशा से ही चलती हैं. जब आप इस दिशा में नेट या बाड़ लगा देते हैं, तो गर्म हवा के थपेड़े सीधे आपकी फसलों पर नहीं लगते. इससे हीट वेव का असर काफी कम हो जाता है.

आम के पेड़ों पर करें चूने की पुताई

उन्होंने बताया कि आम के पौधों के तनों (निचले हिस्से) पर चूने की पुताई कर देनी चाहिए. सफेद चूना सूरज की तेज किरणों को सोखने के बजाय उन्हें वापस भेज देता है, जिससे पेड़ों के तनों पर गर्मी का सीधा असर बहुत कम हो जाता है. इसके साथ ही, आम और केले के बागों के बीच जो खुली जगह होती है, वहां हमेशा पर्याप्त नमी बनाकर रखनी चाहिए.

मिट्टी में नमी बनाए रखने और खरपतवार को उगने से रोकने के लिए खेतों में मल्चिंग का प्रयोग जरूर करें. जब पौधों को जड़ों से पूरी नमी मिलेगी, तो उन पर लू का असर ना के बराबर होगा.

शाम 6 बजे के बाद ही करें सिंचाई

इस मौसम में फसलों को बचाने का सबसे मुख्य जरिया सही तरीके से पानी देना है।

जमानत के लिए पति पहुंचा हाईकोर्ट, ट्विशा के परिवार ने भी सास गिरिबाला सिंह की अग्रिम बेल को दी चुनौती

भोपाल के बहुचर्चित ट्विशा शर्मा दहेज प्रताड़ना और मौत के मामले में कानूनी प्रक्रिया अब हाईकोर्ट पहुंच गई है. इस मामले में मुख्य आरोपी और ट्विशा के पति समर्थ सिंह ने हाईकोर्ट में जमानत के लिए गुहार लगाई है. याचिका में मांग की गई है कि इस मामले की सुनवाई वेकेशन बेंच में की जाए.

बता दें कि समर्थ सिंह फिलहाल पुलिस की गिरफ्त से बाहर है और वह इस मामले में वांछित (Wanted) है. इससे पहले भोपाल की जिला अदालत ने समर्थ की अग्रिम जमानत याचिका को सिरे से खारिज कर दिया था. अब इस मामले में मुख्य आरोपी ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की है. समर्थ पर पुलिस ने 30000 का इनाम भी घोषित किया है.

गिरिबाला सिंह की अग्रिम जमानत का विरोध

इस मामले में दूसरा बड़ा मोड़ तब आया जब ट्विशा के परिवार ने उसकी सास रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह की अग्रिम जमानत का विरोध किया. पीड़ित परिवार ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर उनकी जमानत रद्द करने की मांग की है. ट्विशा के परिवार के वकील अंकुर पांडे का दावा है कि गिरिबाला सिंह को दी गई राहत कानून के सिद्धांतों के विपरीत है. उनके मुताबिक, यह जमानत विधायिका द्वारा पारित अधिनियमों और स्थापित नियमों का उल्लंघन करती है. वकील ने बताया कि कानूनी विशेषज्ञों से सलाह लेने के बाद ही जमानत रद्द करने के लिए हाईकोर्ट का रुख किया गया है.

दूसरे पोस्टमार्टम के लिए भी याचिका

ट्विशा का परिवार मामले की निष्पक्ष जांच के लिए उसका दूसरा पोस्टमार्टम दिल्ली के AIIMS में कराना चाहता है. इससे पहले भोपाल की एक सत्र अदालत ने इस मांग को खारिज कर दिया था. अदालत का तर्क था कि शव को दिल्ली भेजना उनके अधिकार क्षेत्र में नहीं आता है. ट्विशा के पिता ने बताया कि इस मामले में भी हाईकोर्ट से हस्तक्षेप करने और निर्देश देने की मांग में याचिका लगा रहे हैं।

मां के कदम लड़खड़ाए तो बेटी ने थाम लिया हाथ, प्रियंका ने सोनिया गांधी को पहनाई सैंडल, दिल को छू गया ये पल

मां-बेटी का रिश्ता बदलते दौर में दोस्ती, भरोसे और भावनात्मक जुड़ाव का सबसे मजबूत उदाहरण बनकर उभरा है. छोटी नोकझोंक और गहरे अपनापन से भरा यह रिश्ता हर उम्र में नई खूबसूरती के साथ नजर आता है।

दिल्ली की राजनीति में अक्सर तीखे बयान, आरोप-प्रत्यारोप और सत्ता की हलचल सुर्खियां बनती हैं. लेकिन बुधवार को एक ऐसा दृश्य सामने आया जिसने राजनीति से हटकर लोगों को रिश्तों की गर्माहट महसूस कराई।

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि देने पहुंचीं सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी का एक छोटा-सा पल सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया।

यह दृश्य किसी भाषण या बड़े राजनीतिक संदेश का नहीं था, बल्कि एक बेटी के अपनी बुजुर्ग मां के प्रति स्नेह और जिम्मेदारी का था. श्रद्धांजलि कार्यक्रम खत्म होने के बाद जब सोनिया गांधी को सैंडल पहनने में थोड़ी परेशानी हुई, तब प्रियंका गांधी तुरंत झुककर उनकी मदद करती नजर आईं। कैमरों ने उस पल को कैद कर लिया और देखते ही देखते यह वीडियो लाखों लोगों तक पहुंच गया।

सोशल मीडिया पर लोगों ने इसे सिर्फ एक राजनीतिक परिवार की तस्वीर नहीं, बल्कि हर घर की कहानी बताया। उम्र बढ़ने के साथ मां-बाप का सहारा बनते बच्चों की यह झलक लोगों को भावुक कर गई. कई यूजर्स ने लिखा कि यही भारतीय परिवारों की असली खूबसूरती है.

मां-बेटी का रिश्ता: तकरार, प्यार और भरोसे की सबसे खूबसूरत कहानी

घर में अगर सबसे ज्यादा खुलकर बातें कहीं होती हैं, तो वह अक्सर मां और बेटी के बीच होती हैं. कभी हंसी में, कभी बहस में, तो कभी बिना कुछ कहे सिर्फ आंखों से. यही रिश्ता ऐसा है जिसमें डांट भी अपनापन लगती है और चिंता भी प्यार का दूसरा नाम बन जाती है. बदलते दौर में जहां रिश्तों की परिभाषाएं बदल रही हैं, वहीं मां-बेटी का रिश्ता आज भी भावनाओं, समझ और भरोसे की सबसे मजबूत डोर माना जाता है।

आज की बेटियां पहले से ज्यादा आत्मनिर्भर हैं. वे अपने फैसले खुद लेना चाहती हैं, अपने सपनों को खुलकर जीना चाहती हैं. ऐसे में मां सिर्फ एक अभिभावक नहीं रह जाती, बल्कि दोस्त, सलाहकार और कई बार सबसे बड़ी ताकत बन जाती है।

स्क्रिप्ट पढ़कर यकीन नहीं हुआ कि कोई इतनी चालाकी से धोखा दे सकता है : पूजा गौर

मुंबई। अभिनेत्री पूजा गौर आगामी क्राइम-सस्पेंस वेब सीरीज 'लुटेरी दुल्हन' में सब-इंस्पेक्टर संध्या यादव की भूमिका में हैं। यह सीरीज रहस्यमयी मामलों पर आधारित है, जहां कुछ दुल्हनें शादी के बाद दूल्हे को लूटकर रातोंरात गायब हो जाती हैं। सच्ची घटना पर आधारित सीरीज की कहानी से अभिनेत्री पूजा गौर काफी प्रभावित हुई। उन्होंने मीडिया के साथ खास बातचीत में बताया कि कहानी ने उन पर इतना गहरा प्रभाव डाला कि उन्होंने इस प्रोजेक्ट के लिए तुरंत हामी भर दी थी।

अभिनेत्री ने कहा, 'इसकी कहानी ने मुझे सबसे ज्यादा हैरान कर दिया था। इसकी कहानी सच्ची घटना से प्रेरित है। ऐसी घटनाएं वास्तव में अलग-अलग राज्यों में हो चुकी है, जब मैंने इसकी कहानी सुनी थी, तो मुझे यकीन ही नहीं हुआ कि कोई इतनी चालाकी और योजना के साथ लोगों को धोखा दे सकता है। कई पुरुषों से शादी करना, उन्हें लूटना और फिर अचानक गायब हो जाना।'

पूजा गौर ने आगे बताया कि उनके लिए ये बेहद चौंकाने वाली थी लेकिन एक कलाकार होने की वजह से उनके मन में सबसे पहले इस विषय पर एक शानदार फिल्म या सीरीज बनाने का ख्याल आया।

अभिनेत्री ने सीरीज को 'ड्रामेडी' करार बताते हुए बताया कि इसमें दर्शकों को कॉमेडी, सस्पेंस, इमोशन, थ्रिल और भरपूर एंटरटेनमेंट का मिश्रण देखने को मिलेगा। उन्होंने कहा, 'यह एक एक ऐसा शो है, जिसे हमारे दर्शक परिवार के साथ मिलकर देख सकेंगे। इसके एपिसोड छोटे और दिलचस्प हैं। इसलिए जब हमारे दर्शक सीरीज को देखेंगे तो उन्हें इसके एपिसोड खत्म होने का एहसास ही नहीं होगा।'

सीरीज की कहानी मध्य प्रदेश के छोटे से शहरों के माहौल को दर्शाती है। इसमें इस्तेमाल की गई भाषा, बॉडी लैंग्वेज और माहौल पर बात करते हुए अभिनेत्री ने बताया कि सीरीज को बनाते वक्त किसी हमारे मन में बस यही था कि जब दर्शक इसे देखें, तो वे कनेक्ट कर सकें।

वियान राज कुंद्रा के 14वें बर्थडे पर शिल्पा-शमिता ने लुटाया प्यार, शेयर किए क्यूट मोमेंट्स

मुंबई। अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के बेटे वियान राज कुंद्रा का गुरुवार को जन्मदिन है। इस खास अवसर पर शिल्पा शेट्टी और मौसी शमिता शेट्टी ने जन्मदिन की शुभकामनाएं दी।

अभिनेत्री शमिता शेट्टी ने इंस्टाग्राम पर वियान राज कुंद्रा का मोंटाज वीडियो पोस्ट किया। इसमें कई सारी झलकियां शामिल हैं। वीडियो की शुरुआत में वियान रैप करते नजर आ रहे हैं, तो अन्य सीन में उनकी और शमिता शेट्टी के साथ बिताए पल शामिल हैं।

अभिनेत्री ने पोस्ट में लिखा, 'जन्मदिन मुबारक हो, मेरे प्यारे वियानी (वियान)। मैं तुमसे बहुत प्यार करती हूं। तुम्हारी जिंदगी हमेशा शांति, प्यार, खुशियों, हंसी और बड़ी सफलताओं से भरी रहे। तुम्हारे दिल की हर खूबसूरत इच्छा पूरी हो। हमेशा ऐसे ही चमकते रहो, दयालु बने रहो और मुस्कुराते रहो और याद रखना, तुम्हारी मासी हमेशा साथ खड़ी रहेगी। हमेशा।'

वहीं, अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने भी बेटे को जन्मदिन की बधाई देते हुए इंस्टाग्राम पर मोंटाज वीडियो पोस्ट किया। इस वीडियो में वियान के साथ बिताए गए पल शामिल हैं। अभिनेत्री ने तस्वीर पोस्ट कर लिखा, 'मेरे सबसे प्यारे बेटे वियान को उसके 14वें जन्मदिन की अनंत शुभकामनाएं।'

उन्होंने आगे लिखा, 'हां, मैथ्स में अभी थोड़ी भगवान की मदद की जरूरत है... लेकिन जब मैं सब जोड़ती हूं, तो जवाब हमेशा यही आता है कि तुम दुनिया के सबसे शानदार बेटे हो और मुझे सबसे खुशकिस्मत मां बनाते हो। मेरी जान, मुझे अपनी मां चुनने के लिए धन्यवाद। तुम्हें एक मजाकिया, प्यारे और समझदार बच्चे से शानदार इंसान बनते देखना मेरी जिंदगी का सबसे खूबसूरत तोहफा है। उन्होंने आखिर में लिखा, 'तुम्हारे सारे सपने पूरे हों, तुम्हारी मुस्कान हमेशा ऐसे ही चमकती रहे और तुम्हारे दिल की मासूमियत कभी कम न हो। मम्मा और पापा को तुम पर बहुत गर्व है। हमारा छोटा सा बेटा अब बड़ा हो रहा है... लेकिन हमारे लिए तुम हमेशा हमारे बेबी ही रहोगे।

सुष्मिता सेन के ऐतिहासिक गौरव को पूरे हुए 32 साल, अभिनेत्री ने खास पोस्ट कर सभी का जताया आभार

मुंबई। अभिनेत्री सुष्मिता सेन ने गुरुवार के दिन ही मिस यूनिवर्स का ऐतिहासिक ताज अपने नाम कर भारत का नाम इतिहास के पन्नों में दर्ज करवाया था। इस गौरवशाली पल को 32 साल पूरे हो चुके हैं। इस खास मौके पर अभिनेत्री ने सोशल मीडिया के जरिए सभी का आभार जताया।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर अपनी तस्वीर पोस्ट की, जिसमें वह बस में बैठकर विमान की ओर जाते हुए अपनी आइकॉनिक मुस्कान फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं।

अभिनेत्री ने तस्वीर पोस्ट कर लिखा, 'पिछले 32 सालों से जो मुस्कान मेरे चेहरे पर बनी हुई है, उसके लिए मैं दिल से आभारी हूं। मुझे ये एहसास कि मैं सच में बहुत खुशकिस्मत और आशीर्वादित हूं। इस खुशी की वजह आप सभी हैं। मेरे मिस यूनिवर्स बनने के 32 साल पूरे होने की शुभकामनाएं। फिलीपींस, मैं आपसे बहुत प्यार करती हूं और वहां से मिला प्यार हमेशा मेरे दिल में खास रहेगा। आप सभी को मैं दिल से बेहद प्यार करती हूं।'

बता दें कि अभिनेत्री ने मिस इंडिया 1994 प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था, जहां ऐश्वर्या राय भी एक मजबूत प्रतियोगी थीं। सुष्मिता ने मिस इंडिया का ताज जीता और उन्हें मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता के लिए भेजा गया जबकि ऐश्वर्या राय को मिस वर्ल्ड पेजेंट के लिए भेजा गया। संयोग से, दोनों ही सुंदरियों ने अपने-अपने वैश्विक खिताब जीते।

देहरादून में सिंगर जैस्मीन सैंडलस का शो रोकना पड़ा, भीड़ बेकाबू होने पर मंच से ही की ये अपील

मुंबई। भारतीय पंजाबी गायिका जैस्मीन सैंडलस फिल्म 'धुरंधर' और 'धुरंधर: द रिवेंज' के बाद से काफी कॉन्सर्ट कर रही हैं। इसी बीच देहादून में उस समय उनके कॉन्सर्ट को रोकना पड़ा, जब वहां अफरातफरी मच गई।

बताया जा रहा है कि स्टेज पर गायिका परफॉर्म कर रही थीं, उसी बीच दर्शकों के पास लगे बैरिकेड गिर गए थे, जिससे आगे की लाइन में खड़े लोग अपना संतुलन खो बैठे और गिर पड़े।

इसके तुरंत बाद कॉन्सर्ट रो दिया गया। इसके बाद जैस्मिन ने मंच से वहां मौजूद सुरक्षाकर्मियों से स्थिति संभालने और यह सुनिश्चित करने को कहा कि भीड़ में मौजूद हर व्यक्ति सुरक्षित रहे और उनकी देखभाल की जाए।

जैस्मीन ने भीड़ को संबोधित किया और सुरक्षा टीम से आग्रह किया कि वे स्थिति को सावधानी और संवेदनशीलता के साथ संभालें। उन्होंने इस रुकावट के लिए दर्शकों से माफी मांगी और टीम को विशेष रूप से निर्देश दिया कि वे यह सुनिश्चित करें कि किसी को कोई चोट न पहुंचे। कॉन्सर्ट फिर से शुरू होने से पहले उन्होंने दर्शकों के कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

वेन्यू पर मौजूद लोगों ने बताया कि गायिका काफी चिंतित लग रही थीं और जब स्थिति को काबू करने की कोशिश की जा रही थी, तब वे बार बार 'वाहेगुरु' का जाप कर रही थीं।

सिंगर ने कहा, 'दोस्तों, मुझे बहुत दुख है कि ऐसा हो रहा है। क्या मेरी टीम इस स्थिति को संभाल सकती है? मैं चाहती हूं कि मेरी पूरी टीम इस मामले को अपने हाथ में ले ले। ये सुरक्षाकर्मी बहुत ज्यादा आक्रामक हैं। मैं चाहती हूं कि मेरी टीम इस समस्या को तुरंत हल करे।'

जैस्मीन सैंडलस की बात करें, तो वे एक लोकप्रिय भारतीय-अमेरिकी गायिका, गीतकार और परफॉर्मर हैं, जिन्हें मुख्य रूप से पंजाबी संगीत और बॉलीवुड में उनके बेहतरीन गानों के लिए जाना जाता है। अपनी अनूठी आवाज और बेबाक अंदाज के कारण उन्हें पंजाबी संगीत की 'गुलाबी क्वीन' भी कहा जाता है।

करण कुंद्रा ने तेजस्वी प्रकाश को किया 'फिल्मी अंदाज' में प्रपोज, राजीव अदातिया बोले-शादी में पंडित मैं ही बनूंगा

मुंबई। करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश टीवी के पॉपुलर कपल्स में शुमार हैं। चार साल की डेटिंग के बाद करण कुंद्रा ने तेजस्वी को प्रपोज कर दिया, जिसके बाद से बधाइयों का तांता देखने को मिल रहा है। इसी कड़ी में मशहूर कंटेंट क्रिएटर और भारतीय रियलिटी शो 'बिग बॉस 15' के कंटेस्टेंट राजीव अदातिया ने गुरुवार को सोशल मीडिया के जरिए बधाई दी।

राजीव अदातिया ने इंस्टाग्राम पर कपल के साथ तस्वीरें पोस्ट कीं। इसके साथ उन्होंने कपल की तारीफ करते हुए लिखा, 'आखिरकार वो पल आ ही गया। मैं तेजस्वी प्रकाश और करण कुंद्रा के लिए बेहद खुश हूं। आप दोनों सच में एक-दूसरे के लिए ही बने हैं। एक शांत तो दूसरा थोड़ा शरारती और शायद इसी वजह से आप दोनों की जोड़ी इतनी खास लगती है।'

राजीव ने ऊपर वाले से कपल के लिए दुआ मांगते हुए लिखा, 'आपकी जिंदगी हमेशा खुशियों, हंसी, खूबसूरत यादों और साथ से भरी रहे। हमेशा एक-दूसरे का हाथ थामे रखना और साथ मिलकर सपने पूरे करना।'

तेजस्वी प्रकाश और करण कुंद्रा की लव स्टोरी 'बिग बॉस 15' से शुरू हुई थी। शुरुआत में दोनों अच्छे दोस्त बने, लेकिन जल्द ही यह दोस्ती प्यार में बदल गई और करण ने शो के अंदर ही तेजस्वी के लिए अपने प्यार का इजहार किया था।

राजीव अदातिया ने कपल की लव स्टोरी की चर्चा करते हुए लिखा, 'मैंने आप दोनों की लव स्टोरी बिग-बॉस में अपनी आंखों के सामने शुरू होते देखी थी। रात-रात भर चलने वाली बातें, बच्चों के नाम तक सोच लेना और पता ही नहीं चला कब ये रिश्ता इतना खूबसूरत बन गया और हां, 'देसी ब्लिंग' के साथ प्रपोज करना थोड़ा ज्यादा फिल्मी था, लेकिन मुझे बहुत पसंद आया। लड्डू और सनी, याद रखना आपकी शादी में पंडित मैं ही बनूंगा और आपके बच्चों का गॉडफादर भी। हमारी ये डील मत भूलना।'

उन्होंने अपनी बात खत्म करते हुए लिखा, 'और सुनो, मैंने आपकी शादी की भविष्यवाणी की थी और अब ट्विन्स की भी कर दी है। अगर वो सच निकला, तो फिर बड़ा ट्रीट बनता है। ढेर सारा प्यार, खुश रहो और भगवान आप दोनों को हमेशा खुश रखे। करण ने रियलिटी शो 'देसी ब्लिंग' के दौरान पूरी टीम के साथ मिलकर तेजस्वी प्रकाश के लिए एक ग्रैंड सरप्राइज प्लान किया। जैसे ही तेजस्वी वहां पहुंचीं, उन्होंने पानी पर बड़े अक्षरों में लिखा हुआ 'विल यू मैरी मी?' देखा।

66 के हुए मलयालम एक्टर मोहनलाल, जैकी श्रॉफ ने 'गरू' कहकर दी जन्मदिन की बधाई

मुंबई। मलयालम सुपरस्टार मोहनलाल के गुरुवार को 66 साल के होने पर अभिनेता जैकी श्रॉफ ने उन्हें गरू कहकर उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। जैकी ने इंस्टाग्राम स्टोरी में मोहनलाल की एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें वे ग्रे सूट पहनकर कुर्सी पर बैठे हुए बेहद हैंडसम लग रहे थे।

कैप्शन में जैकी ने लिखा, 'जन्मदिन मुबारक हो मोहन गरू।'

गरू एक सम्मानसूचक तेलुगु संबोधन है।

मोहनलाल की हालिया रिलीज फिल्म 'दृश्यम 3' है, जो उनके जन्मदिन के मौके पर सिनेमाघरों में आई है। इस फिल्म का निर्देशन जीतू जोसेफ ने किया है। यह 2021 की फिल्म 'दृश्यम 2' का सीक्वल है और 'दृश्यम' फिल्म सीरीज की तीसरी कड़ी है।

इस फिल्म में मोहनलाल, मीना, अंसिबा हसन, एस्थर अनिल, मुरली गोपी, सिद्दीकी और आशा शरथ ने पिछली दो फिल्मों की अपनी ही भूमिकाएं दोहराई हैं।

14 मई को 'दृश्यम 3' के निर्माताओं ने एक बीटीएस (बिहाइंड द सीन्स) वीडियो जारी किया। मोहनलाल ने अपने एक्स टाइमलाइन पर इस क्लिप को शेयर करते हुए लिखा, 'सदृश्यम3 - बिहाइंड द सीन्स वर्ल्डवाइड रिलीज 21 मई 2026।'

इस वीडियो में ऐसे क्लिप्स थे, जिनमें मोहनलाल फिल्म की यूनिट के साथ हल्के-फुल्के पल बिताते नजर आए। अभिनेता के लिए उनके कॉस्ट्यूम तैयार किए जा रहे थे। निर्देशक जीतू जोसेफ यह बताते हुए निर्देश दे रहे थे कि उन्हें शॉट कैसा चाहिए और निर्माता एंटनी पेरुंबावूर यूनिट के सदस्यों के साथ आराम से बातचीत करते दिखे।

इटली से पहले इथोपिया और मॉरीशस समेत कई देशों में पीएम मोदी ने लगाया 'एक पेड़ मां के नाम'

नई दिल्ली। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वदेश लौट आए हैं। पांच दिवसीय विदेश यात्रा का आखिरी पड़ाव इटली था। यहां कार डिप्लोमेसी से लेकर दोस्ती के हल्के फुल्के 'मेलोडी' रंग भी दिखे। पीएम मोदी ने काशी और रोम के बीच की समानता का भी जिक्र किया। खास पल वो भी रहा जब पीएम मोदी और मेलोनी पौधारोपण किया। पर्यावरण दिवस (5 जून 2024) को शुरू किए गए एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत प्रधानमंत्री कई देशों में पौधा लगा चुके हैं।

माई जीओवी ने पीएम मोदी के इस अभियान के तहत देश-दुनिया में लगाए गए पौधों की क्लिप साझा की है। इसमें 2025 में वे इथोपिया, मालदीव, यूके, त्रिनिदाद एंड टुबैगो और मॉरीशस में पर्यावरण के प्रति अपना योगदान दे रहे हैं, तो नई दिल्ली स्थित हैदराबाद हाउस परिसर में मंगोलिया के राष्ट्रपति खुरेल्सुख उखना की मां की याद में पौधा लगाते दिखे। 2024 में पीएम ने

गुयाना में इस अभियान के तहत पौधारोपण किया था।

हाल ही में अपनी इतालवी समकक्ष मेलोनी के साथ पीएम मोदी ने रोम में इस अभियान को धार दी। उनके साथ मिलकर एक पौधा लगाया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने रोम में एक काला शहतूत का पौधा लगाया। भारत में 'कृष्ण तूत' के नाम से पहचाना जाने वाला यह पौधा अपने खान-पान, औषधीय और सांस्कृतिक महत्व के जरिए भारत और इटली को जोड़ता है। यह पौधा लगाना 'एक पेड़ मां के नाम' पहल की दिशा में एक और कदम है जो पर्यावरण के प्रति जागरूकता और टिकाऊ जीवन शैली को बढ़ावा देता है।

पौधारोपण के पीछे एक संदेश भी छिपा है। ये स्थिरता, सांस्कृतिक जुड़ाव, और हरित भविष्य का प्रतीक बताई जाती है, वहीं सांस्कृतिक जुड़ाव जिसका पीएम मोदी ने इटली में संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान जिक्र भी किया था। उन्होंने कहा कि रोम और काशी प्राचीन नगर हैं। रोम को विश्व में 'शाश्वत नगर' के रूप में जाना जाता है। भारत में मेरा लोकसभा क्षेत्र, काशी, भी इसी नाम से प्रसिद्ध है।

बांग्लादेश में खसरे का प्रकोप, वैक्सीन कमी पर यूनिसेफ की चेतावनी का खुलासा

ढाका। बांग्लादेश में खसरा दिन पर दिन खतरनाक स्वरूप लेता जा रहा है। बढ़ते मामलों के बीच यूनिसेफ ने दावा किया कि उसने पहले ही देश की पूर्व अंतरिम सरकार को वैक्सीन की कमी को लेकर कई बार चेतावनी दी थी। संस्था के मुताबिक उसने स्वास्थ्य मंत्रालय के साथ हुई बैठकों और खतों के जरिए वैक्सीन की कमी की जानकारी दी थी।

बांग्लादेश में यूनिसेफ की प्रतिनिधि राणा फ्लावर्स ने ढाका में प्रेस ब्रीफिंग के दौरान कहा कि संस्था ने स्वास्थ्य मंत्रालय को इस मुद्दे पर 5-6 पत्र भेजे और लगभग 10 बैठकों में इस मुद्दे को उठाया था।

डेली स्टार ने उनके बयान को प्रकाशित किया है। राणा ने कहा कि 2024 से 2026 के बीच लगातार यह चेतावनी दी गई कि वैक्सीन की कमी के कारण बड़ा स्वास्थ्य संकट पैदा हो सकता है।

रिपोर्ट के अनुसार, यूनिसेफ ने यह भी कहा कि उनके उप कार्यकारी निदेशक टेड शायबान ने पिछले साल अगस्त में बांग्लादेश यात्रा के दौरान विदेश मंत्रालय के साथ बैठक में भी इस मुद्दे को उठाया था।

संस्था ने यह भी स्पष्ट किया कि वह खसरे के प्रकोप की जांच में सबूत और सहयोग प्रदान करेगी, जिसकी जांच बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) सरकार द्वारा शुरू की गई है। बांग्लादेश के स्वास्थ्य मंत्री सकावत हुसैन ने दावा किया कि मौजूदा सरकार को वैक्सीन की गंभीर कमी विरासत में मिली है, और जब तारिक रहमान ने प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार संभाला, तब स्टॉक में एक भी खुराक उपलब्ध नहीं थी। रिपोर्ट्स के अनुसार, देश में मार्च के बाद से अब तक 481 बच्चों की मौत खसरे या उसके जैसे लक्षणों से हो चुकी है, जबकि लगभग 66,000 मामलों की पुष्टि हुई या संक्रमण को लेकर आशंका जताई गई है।

संक्षिप्त खबर

इजरायल के दक्षिणी लेबनान पर हवाई हमले तेज, तोप से भी दागे गोले

बेरूत। सीज फायर की घोषणा के बाद भी दक्षिणी लेबनान पर इजरायली हमले बंद नहीं हुए हैं। कई इलाकों में हवाई ड्रोन हमलों के साथ ही शेलिंग यानी तोप से गोले दागने का क्रम जारी है। 'नेशनल न्यूज एजेंसी ऑफ लेबनान' के अनुसार टायर जिले में तोरा और जेनाता इलाकों को जोड़ने वाली सड़क को निशाने पर ले ड्रोन हमले किए गए। इसके अलावा मरजायून जिले के काब्रिखा गांव को भी तोपों से गोलाबारी की गई। इस हमले से सीमावर्ती इलाकों में तनाव बढ़ गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के हवाले से बताया गया कि ड्रोन ने टायर के दक्षिण में अल-हन्निये गांव के पास किसानों के करीब 'साउंड बम' भी गिराए। हालांकि इन हमलों में किसी के मारे जाने की सूचना नहीं मिली है। देश लेबनान के राष्ट्रपति, जोसेफ औन ने गुरुवार को गृह मंत्री अहमद हजर से मुलाकात की। इस दौरान उन्हें देश के सुरक्षा हालात और स्थिरता बनाए रखने के लिए किए जा रहे सुरक्षा उपायों की जानकारी दी। एनएनए के अनुसार, बातचीत में मंत्री हजर ने सीमा नियंत्रण को मजबूत करने और लेबनान के जमीन, समुद्र और हवाई रास्तों से आने-जाने के तरीकों को आसान बनाने की कोशिशों पर जोर देने की बात कही। इस दौरान में देश की सियासी गतिविधियों और हालात पर भी चर्चा की गई। इस बीच, लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने दक्षिणी लेबनान में हाल के हमलों में हुई मौत का आंकड़ा पेश किया है। उनके अनुसार, दक्षिणी लेबनान में हुए इजरायली हमले में मरने वालों की संख्या बढ़कर 14 हो गई है, जबकि 3 लोग घायल हुए हैं।

नेपाल में अमेरिकी राजनयिक माइक हार्कर ने फतह किया माउंट एवरेस्ट

काठमांडू। नेपाल में अमेरिकी दूतावास के पब्लिक अफेयर्स चीफ माइक हार्कर ने सफलतापूर्वक माउंट एवरेस्ट (सागरमाथा) की चोटी फतह कर ली है। वह इस सीजन में दुनिया की सबसे ऊंची चोटी पर पहुंचने वाले राजनयिक समुदाय के सबसे चर्चित पर्वतारोहियों में से एक बन गए हैं। सेवन समिट ट्रेक्स के अनुसार, हार्कर बुधवार सुबह 9:15 बजे 8,848.86 मीटर ऊंचे पर्वत की चोटी पर पहुंचे। यह दुनिया की सबसे ऊंची चोटी पर उनकी पहली सफल चढ़ाई थी। यह उपलब्धि नेपाल के पहाड़ों और संस्कृति के साथ उनके कई वर्षों के जुड़ाव के बाद आई है। इससे पहले हार्कर लोबुचे ईस्ट (6,119 मीटर) पर चढ़ चुके हैं और अन्नपूर्णा सर्किट ट्रेक भी पूरा कर चुके हैं। नेपाल के पर्वतारोहण समुदाय और उनके सहयोगियों ने इस सफलता पर हार्कर को बधाई दी। उनका कहना है कि यह नेपाल की प्राकृतिक धरोहर और पहाड़ी संस्कृति के प्रति उनके सम्मान और लगाव को दिखाता है। सेवन समिट ट्रेक्स ने बधाई संदेश में कहा, 'एवरेस्ट की चोटी पर खड़ा होना उनके लिए बेहद खास और भावुक पल रहा होगा।

आईएमएफ की पाकिस्तान से सुधारों, बजट रणनीति और आर्थिक स्थिरता पर अहम बातचीत

वॉशिंगटन। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की एक टीम ने कहा है कि उसने पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति को लेकर 'रचनात्मक बातचीत' की है। इसमें मध्य पूर्व में चल रहे संघर्ष के कारण पैदा हुए असर, देश के आर्थिक सुधारों की प्रगति और वित्त वर्ष 2027 के बजट की रणनीति पर चर्चा शामिल थी।

इवा पेट्रोवा के नेतृत्व में आईएमएफ की टीम 13 मई से 20 मई के बीच इस्लामाबाद में मौजूद थी। बुधवार (यूएस समय) को जारी एक प्रेस रिलीज के अनुसार, बातचीत में हाल के आर्थिक हालात, सुधारों के लागू होने की स्थिति और पाकिस्तान के अगले संघीय बजट की तैयारियों पर बात हुई।

इवा पेट्रोवा ने बयान में कहा, 'हमने अधिकारियों के साथ हाल के आर्थिक विकास, मध्य पूर्व के संघर्ष से पैदा होने वाले असर, वित्तीय वर्ष 2027 बजट की तैयारी और एक्सटेंडेड फंड फैसिलिटी (ईएफएफ) तथा रेजिलिएंस एंड सस्टेनेबिलिटी फैसिलिटी (आरएसएफ) के तहत सुधार एजेंडे की प्रगति पर रचनात्मक बातचीत की।' आईएमएफ ने बताया कि पाकिस्तान के अधिकारियों ने वित्त वर्ष 2027 के लिए जीडीपी के दो प्रतिशत प्राइमरी सरप्लस टारगेट के लक्ष्य पर अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। इसे आर्थिक स्थिरता और मजबूती के लिए जरूरी बताया गया।

आईएमएफ के अनुसार, इस वित्तीय अनुशासन को बढ़ाने के लिए कर आधार बढ़ाने, कर प्रशासन को बेहतर बनाने, खर्च की दक्षता सुधारने और संघीय तथा प्रांतीय स्तर पर सार्वजनिक वित्त प्रबंधन मजबूत करने पर काम किया जाएगा। आईएमएफ ने यह भी कहा कि वित्तीय वर्ष 2027 बजट पर बातचीत आने वाले दिनों में जारी रहेगी। बयान में महंगाई और ऊर्जा कीमतों को लेकर भी चिंता जताई गई, खासकर क्षेत्रीय अस्थिरता के बीच। पेट्रोवा ने कहा कि स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के लिए सख्त मौद्रिक नीति बनाए रखने के अपने रुख पर कायम है। साथ ही यह भी कहा गया कि ऊर्जा कीमतों में बदलाव के संभावित असर पर लगातार नजर रखी जाएगी। आईएमएफ ने यह भी कहा कि पाकिस्तान को अपनी मुद्रा विनिमय दर को अधिक लचीला बनाए रखना चाहिए, ताकि यह बाहरी झटकों को संभालने में मदद कर सके। साथ ही विदेशी मुद्रा बाजार को गहरा और मजबूत बनाने की कोशिश जारी रहनी चाहिए।

पाकिस्तान में बढ़े शरणार्थियों पर अत्याचार के मामले, अफगान पत्रकार गिरफ्तार

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में चल रही कार्रवाई के दौरान पाकिस्तानी पुलिस ने अफगानिस्तान के पत्रकार परवेज अमीनजादा को इस्लामाबाद में गिरफ्तार कर लिया है। यह जानकारी स्थानीय मीडिया ने गुरुवार को दी।

अफगानिस्तान की प्रमुख समाचार एजेंसी खामा प्रेस के मुताबिक, अमीनजादा को बुधवार शाम 6:45 बजे इस्लामाबाद के फैसल टाउन इलाके से गिरफ्तार किया गया। अधिकारियों ने अभी तक उनकी गिरफ्तारी की वजह को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है।

पिछले कुछ महीनों में पाकिस्तान में अफगान शरणार्थियों की गिरफ्तारी और उन्हें देश से निकालने की घटनाएं काफी बढ़ गई हैं। इनमें पत्रकार भी शामिल हैं। यह कार्रवाई अवैध प्रवासियों के खिलाफ शुरू किए गए अभियान का हिस्सा बताई जा रही है, जिस पर मानवाधिकार संगठनों ने चिंता जताई है।

आठ मई को अफगानिस्तान मीडिया सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन (एएमएसओ) ने कहा था कि पाकिस्तान में रह रहे अफगान शरणार्थियों को मनमानी गिरफ्तारियों, बदसलूकी, जबरन पैसे वसूलने और जबरन देश निकाले की धमकियों का सामना करना पड़ रहा है।

आठ मई को जारी एक रिपोर्ट में एएमएसओ ने बताया कि 2023 से अब तक पाकिस्तान और ईरान से 34 लाख से ज्यादा अफगान प्रवासियों को वापस भेजा जा चुका है।

अमेरिकी कब्जे में रहे जहाज के 20 ईरानी नाविक लौटे तेहरान

तेहरान। अमेरिका के कब्जे में रहे जहाज के 20 ईरानी नाविक गुरुवार को तेहरान लौटे। ये सभी इस्लामाबाद के रास्ते अपने देश लौट पाए। ईरान की सरकारी मीडिया एजेंसी आईआरएनए के अनुसार, ये कई देशों से किए गए कूटनीतिक संवाद के बाद मुमकिन हुआ।

रिपोर्ट के अनुसार, ईरानी विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने पाकिस्तान और सिंगापुर समकक्षों से इस मुद्दे पर लगातार बातचीत जारी रखी। वो सफल रहे और नाविकों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित हो पाई।

ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता के हवाले से कहा गया कि यह रिहाई ईरान, पाकिस्तान और सिंगापुर के विदेश मंत्रियों के बीच 'गहन परामर्श' के बाद संभव हुई। यह मामला उस जहाज से जुड़ा है जिसे अमेरिका ने पहले रोककर अपने नियंत्रण में लिया था। बाद में क्षेत्रीय देशों की मध्यस्थता के जरिए नाविकों की वापसी की प्रक्रिया पूरी की गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिकी कार्रवाई के बाद क्रू मेंबर सिंगापुर के आसपास समुद्री क्षेत्र में फंसे हुए थे। जहाज पर 11 पाकिस्तानी और 20 ईरानी नागरिक मौजूद थे।

कूटनीतिक बातचीत के बाद ईरान, पाकिस्तान और सिंगापुर के विदेश मंत्रालयों के बीच समन्वय हुआ, जिसके जरिए सभी नाविकों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित की गई।

इन नाविकों को पहले सिंगापुर से बैंकॉक (थाईलैंड) ले जाया गया, फिर वहां से इस्लामाबाद (पाकिस्तान) पहुंचाया गया। इसके बाद ईरानी नाविकों को तेहरान भेज दिया गया।

खदान हादसों में दो मजदूरों की मौत, सुरक्षा इंतजामों पर सवाल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के शांगला जिले में दो अलग-अलग कोयला खदान हादसों में दो खनिकों की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया।

स्थानीय मीडिया आउटलेट द एक्सप्रेस ट्रिब्यून के अनुसार, पहला हादसा अकोरवाल कोयला खदान की माइन नंबर 5 में हुआ, जहां काम के दौरान मलबा गिरने से दो मजदूर फंस गए। लगभग ढाई घंटे तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद उन्हें बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक एक की मौत हो चुकी थी, जबकि दूसरा घायल हो गया था।

घायल और मृतक दोनों ही शांगला जिले के निवासी बताए गए

दूसरी घटना चपरमश्ती क्षेत्र की एक कोयला खदान में हुई, जहां काम के दौरान एक मजदूर की मौत हो गई। शव को उसके गांव ले जाया गया जहां परिजनों ने उसे सुपुर्द-ए-खाक किया। स्थानीय लोगों और श्रमिक संगठनों ने पाकिस्तान की खदानों में सुरक्षा उपायों की कमी पर गंभीर चिंता जताई।

उन्होंने सरकार से इस समस्या पर तत्काल ध्यान देने और सभी खदानों में सख्त सुरक्षा नियम लागू करने की मांग उठाई है। इनका कहना है कि आए दिन ऐसे हादसे होते रहते हैं और यहां काम करने वालों की जिंदगी पर खतरे के बादल मंडराते रहते हैं। पिछले महीने भी बलूचिस्तान प्रांत के बोलान और दुकी क्षेत्रों में खदान हादसों में पांच मजदूरों की मौत हो गई थी, जबकि एक घायल हुआ था। दैनिक डॉन के अनुसार, बाद में जांच में पता चला कि बोलान खदान में मीथेन गैस का स्तर बढ़ गया था, और तीन श्रमिकों का दम इसी वजह से घुट गया। वहीं कुछ श्रमिकों ने किसी तरह अपनी जान बचाकर अधिकारियों को इस बारे में सूचित किया। रिपोर्ट्स के अनुसार, कई हादसे खदानों में मीथेन गैस के जमाव और ऑक्सीजन की कमी के कारण दम घुटने से होते हैं।

श्रीलंका की नेशनल आर्ट गैलरी से 42 प्राचीन पेंटिंग्स गायब, जांच शुरू

कोलंबो। श्रीलंका की नेशनल आर्ट गैलरी से गायब हुई 42 पेंटिंग्स की जानकारी संसद को दी गई। हाल ही में जांच के दौरान रिकॉर्ड्स में इन अनमोल पेंटिंग्स के लापता होने की सच्चाई सामने आई।

42 अनमोल प्राचीन पेंटिंग्स के गायब होने के मामले में जांच शुरू कर दी गई है। इसकी जानकारी बुद्धशासन, धार्मिक और सांस्कृतिक मामलों के मंत्री सुनील सेनेवी ने बुधवार को संसद में दी।

उन्होंने संसद को बताया कि वर्ष 2015 में तत्कालीन सांस्कृतिक मामलों के निदेशक द्वारा नियुक्त सर्वेक्षण बोर्ड ने नेशनल आर्ट गैलरी में मौजूद पेंटिंग्स और मूर्तियों का फिजिकल सत्यापन किया था। इस जांच में पता चला कि 42 पेंटिंग्स लापता हैं। एसजेबी सांसद मुजीबुर रहमान के सवाल के जवाब में मंत्री ने कहा कि आधिकारिक रजिस्टर और स्टॉक बुक के अनुसार गैलरी में 281 पेंटिंग्स दर्ज हैं, जबकि जब उन्हें गिना गया तो 239 पेंटिंग्स ही मौजूद मिलीं। ये पेंटिंग्स कौन सी हैं, इसे लेकर फिलहाल कुछ स्पष्ट नहीं किया गया है।

मंत्री ने बताया कि बुद्धशासन और धार्मिक मामलों के मंत्रालय के सचिव द्वारा नियुक्त जांच समिति ने प्रारंभिक जांच शुरू कर दी है। इसके अलावा पुलिस भी मामले की जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि संबंधित अधिकारियों के बयान दर्ज किए जा चुके हैं।

श्रीलंकाई मीडिया आउटलेट डेली मिरर के अनुसार, रिनोवेशन के चलते आर्ट गैलरी 2012 से ही बंद है। संसद में जब मंत्री से इसे खोलने को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने दावा किया कि सरकार की योजना है कि इस साल के अंत तक इसे आम जनता के लिए खोल दिया जाएगा।

वैश्विक संघर्षों में बढ़ रही नागरिकों की मौत, यूएन ने जताई चिंता

संयुक्त राष्ट्र। पिछले साल दुनियाभर में चल रहे सशस्त्र संघर्षों में हर 14 मिनट में एक आम नागरिक की मौत हुई, ऐसा संयुक्त राष्ट्र की वैश्विक मानवीय प्रतिक्रिया इकाई के प्रमुख ने कहा है।

संयुक्त राष्ट्र मानवीय मामलों के समन्वय कार्यालय (ओसीएचए) की संचालन और वकालत निदेशक एडेम वोसोरनू ने बुधवार (स्थानीय समय) को सुरक्षा परिषद में नागरिकों की सुरक्षा पर हुई खुली बहस के दौरान यह आंकड़े बताए।

उन्होंने कहा, 'हमें पता है कि असली नुकसान इससे कहीं ज्यादा है, चाहे वह डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो हो, सूडान, यूक्रेन या फिर अन्य जगह हो।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, इसी से जुड़े एक बयान में इंटर-एजेंसी स्टैंडिंग कमेटी के प्रमुखों ने बुधवार को कहा कि दुनियाभर में संघर्षों के दौरान अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून और मानवाधिकार कानून का खुला उल्लंघन बढ़ता जा रहा है।

उन्होंने कहा, 'हर संघर्ष में आम लोग, जिनमें बच्चे भी शामिल हैं, बड़ी संख्या में मारे जा रहे हैं, घायल हो रहे हैं और अपने घर छोड़ने को मजबूर हो रहे हैं।'

यौन हिंसा को युद्ध के हथियार की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है, जिसका सबसे ज्यादा असर महिलाओं और लड़कियों पर पड़ रहा है और उनकी जिंदगी पूरी तरह तबाह हो रही है। घर, स्कूल, पूजा स्थल, अस्पताल यहां तक कि मातृत्व वार्ड भी नष्ट या क्षतिग्रस्त किए जा रहे हैं। साथ ही पानी की व्यवस्था, परिवहन नेटवर्क, बाजार और खाद्य उत्पादन जैसी आम नागरिकों की चीजें भी प्रभावित हो रही हैं।

अधिकारियों ने चेतावनी दी कि युद्धों की वजह से भूख और अकाल जैसी स्थिति फैल रही है, जो कई बार घेराबंदी और जानबूझकर भोजन रोकने की रणनीति से जुड़ी होती है। उन्होंने यह भी बताया कि मानवीय मदद करने वाले लोगों पर भी बहुत बड़ा असर पड़ा है। पिछले तीन वर्षों में 1000 से ज्यादा सहायताकर्मियों की मौत हो चुकी है। उन्होंने कहा कि युद्धों के भी नियम होते हैं, जो सभी पक्षों पर लागू होते हैं। समस्या कानून की कमी नहीं है। समस्या है इन नियमों को लगातार लागू न करना, जवाबदेही की कमी और गंभीर अपराधों के सामने भी कार्रवाई न होना।

बंगाल के बशीरहाट में भाजपा नेता के घर के बाहर बम और धमकी भरा खत मिला

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में गुरुवार सुबह एक भाजपा नेता के घर के बाहर से एक देसी बम और एक धमकी भरा खत बरामद हुआ, जिससे इलाके में दहशत फैल गई। स्थानीय लोगों के अनुसार, यह घटना बशीरहाट पुलिस स्टेशन क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले शासिना गांव में हुई, जहां भाजपा बूथ अध्यक्ष अनिल बरन मल्लिक रहते हैं। आरोप है कि बदमाशों ने रात के अंधेरे का फायदा उठाया और भागने से पहले उनके घर के प्रवेश द्वार पर दो देसी बम रख दिए।`यह मामला गुरुवार सुबह तब सामने आया जब मल्लिक ने दरवाजा खोला और उन्हें वे विस्फोटक दिखाई दिए। जैसे ही इस मामले की सूचना अन्य लोगों को हुई, इलाके में तनाव फैल गया और ग्रामीण मौके पर जमा हो गए और पुलिस को सूचना दी।

पुलिसकर्मी और क्षेत्र में तैनात केंद्रीय बल तुरंत मौके पर पहुंचे और विस्फोटकों को सुरक्षित रूप से हटा दिया। बालकनी की ग्रिल से बंधा एक धमकी भरा पत्र और बोतलें भी मिलीं, जो भाजपा नेता के अनुसार, पहले भी डराने-धमकाने की कोशिशों का संकेत थीं। अनिल बरन मल्लिक ने दावा किया कि वह लगभग दो दशकों से भाजपा से जुड़े हुए हैं और उन्हें पहले कभी ऐसी धमकियों का सामना नहीं करना पड़ा था। हालांकि उन्होंने सीधे तौर पर किसी का नाम नहीं लिया लेकिन उन्होंने आरोप लगाया कि इस घटना के पीछे राजनीतिक साजिश हो सकती है। अनिल ने दावा किया कि बदमाश इसलिए नाराज हैं क्योंकि वह लंबे समय से भाजपा बूथ अध्यक्ष के तौर पर काम कर रहे हैं। जब उनसे सीधे तौर पर पूछा गया कि इसके पीछे कौन है, तो उन्होंने कहा कि मैंने अपनी आंखों से किसी को नहीं देखा है, इसलिए मैं किसी का नाम लेकर दुश्मनी नहीं बढ़ाना चाहता।

हालांकि उन्होंने तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं की भूमिका पर सवाल उठाए। स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं ने इस घटना की निंदा की और मल्लिक के लिए सुरक्षा बढ़ाने की मांग की। साथ ही आरोप लगाया कि स्थानीय निवासियों में डर का माहौल है। पुलिस ने बताया कि एक लिखित शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है। इलाके में अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं और जनता का विश्वास बहाल करने के लिए पुलिस ने गांव में फ्लैग मार्च किया।

झारखंड के विश्वविद्यालय केवल डिग्री बांटने का केंद्र न बनें

रांची। झारखंड के राज्यपाल-सह-विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति संतोष कुमार गंगवार ने राज्य की उच्च शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार की जरूरत पर बल देते हुए कहा है कि विश्वविद्यालय केवल डिग्री प्रदान करने के केंद्र न बनें बल्कि उन्हें नवाचार और कौशल विकास का सशक्त केंद्र बनना होगा। राज्यपाल गुरुवार को रांची में उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय कुलपति सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने दो टूक लहजे में कहा कि राज्य में स्कूली शिक्षा की स्थिति तो अपेक्षाकृत बेहतर है, लेकिन उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अभी बड़े सुधारों की दरकार है। राज्यपाल ने झारखंड में उच्च शिक्षा में सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) राष्ट्रीय औसत से काफी कम होने पर गहरी चिंता जताई। उन्होंने कहगा कि उच्च शिक्षा में ड्रॉपआउट की समस्या भी गंभीर बनी हुई है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, समय पर परीक्षा और रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों के अभाव में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों को राज्य से बाहर जाना पड़ रहा है।

राज्यपाल ने कहा कि जिस दिन झारखंड के विद्यार्थियों को यह महसूस होगा कि बेहतर शिक्षा के लिए उन्हें राज्य से बाहर जाने की जरूरत नहीं है, उसी दिन प्रयासों को सफल माना जाएगा। उन्होंने कुलपतियों से एकेडमिक लीडर्स की भूमिका निभाने की अपील करते हुए कहा कि विश्वविद्यालयों में नियमित कक्षाएं, समय पर परीक्षाएं और तय समय सीमा में परिणाम प्रकाशित होना सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि उच्च शिक्षा में पारदर्शिता, जवाबदेही और शैक्षणिक उत्कृष्टता लाने के उद्देश्य से 'झारखंड राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 2026' लागू किया गया है।

संक्षिप्त खबर

मध्य प्रदेश : 37 जिलों में भीषण लू का अलर्ट, खजुराहो में पारा 47.4 डिग्री पर पहुंचा

भोपाल। मध्य प्रदेश इस समय भीषण लू की चपेट में है, जहां पूरे राज्य में अधिकतम तापमान सामान्य से काफी अधिक बना हुआ है। आने वाले दिनों के लिए कुल 37 जिलों में लू का अलर्ट जारी किया गया है। राज्य के पश्चिमी हिस्सों में 20 मई को अधिकतम तापमान 42 से 44 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया, जबकि पूर्वी मध्य प्रदेश में तापमान 43 से 45 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा।

खजुराहो में सबसे ज्यादा तापमान 47.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जिससे अधिकारियों और निवासियों, दोनों के बीच चिंता की लहर दौड़ गई। सतना, खजुराहो, मंडला, नौगांव और दमोह में आधिकारिक तौर पर लू की स्थिति दर्ज की गई। भोपाल में भारत मौसम विज्ञान विभाग के मौसम केंद्र ने चेतावनी दी है कि गुरुवार को राज्य के ज़्यादातर हिस्सों में अधिकतम तापमान 43 से 45 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है, और कई जिलों पर भीषण लू का असर रहने की उम्मीद है। आने वाले दिनों के लिए कुल 37 जिलों को लू के अलर्ट पर रखा गया है। इनमें भोपाल, रायसेन, विदिशा, सीहोर, बुरहानपुर, खंडवा, खरगोन, रतलाम, शाजापुर, आगर मालवा, मंदसौर, नीमच, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, ग्वालियर, मुरैना, श्योपुर, शहडोल, जबलपुर, नरसिंहपुर, मंडला, कटनी, उमरिया, बालाघाट, डिंडोरी, अनूपपुर, मऊगंज, सतना, पन्ना, दमोह, सागर, छतरपुर, टीकमगढ़ और निवाड़ी शामिल हैं। हीट इंडेक्स भी ऊंचा रहने की उम्मीद है, जिससे लोगों के लिए परेशानी और स्वास्थ्य जोखिम बढ़ेंगे।

मौसम वैज्ञानिकों ने मौजूदा स्थितियों का कारण चल रहे सूखे और किसी भी ऐसे महत्वपूर्ण मौसम तंत्र की अनुपस्थिति को बताया है, जो निकट भविष्य में कोई राहत ला सके। दिन का तापमान ऊंचा रहने की संभावना है, जिससे दोपहर के सबसे गर्म घंटों के दौरान बाहर की गतिविधियाँ करना विशेष रूप से मुश्किल हो जाएगा। स्वास्थ्य अधिकारियों ने विस्तृत सलाह जारी की है, जिसमें नागरिकों से आवश्यक सावधानियां बरतने का आग्रह किया गया है। निवासियों को सलाह दी गई है कि वे खूब पानी पिएं और शरीर में पानी की कमी न होने दें, साथ ही दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे के बीच सीधे धूप में निकलने से बचें। हल्के रंग के, ढीले सूती कपड़े, सिर ढकने के लिए कपड़े, छाते और धूप के चश्मे का इस्तेमाल करने की जोरदार सलाह दी गई है। लोगों को दिन के सबसे गर्म समय में जोरदार शारीरिक गतिविधियों से बचना चाहिए और छायादार या ठंडी जगहों पर बार-बार आराम करना चाहिए। प्रशासन ने नागरिकों से सतर्क रहने की अपील की है, विशेष रूप से बुज़ुर्गों, बच्चों और पहले से किसी स्वास्थ्य समस्या से जूझ रहे लोगों से। चूंकि तापमान में फिलहाल कोई कमी आने के संकेत नहीं दिख रहे हैं, इसलिए अधिकारियों ने लोगों से आग्रह किया है कि वे इस भीषण गर्मी के दौर में अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) और स्थानीय अधिकारियों द्वारा जारी मौसम संबंधी जानकारियों पर बारीकी से नजर रखें।

मध्य प्रदेश में व्यापारी कल्याण बोर्ड का गठन

भोपाल। मध्य प्रदेश में राज्य व्यापारी कल्याण बोर्ड का गठन किया गया है। इस बोर्ड के अध्यक्ष मुख्यमंत्री मोहन यादव हैं। भारत सरकार द्वारा गठित राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए राज्य में इस बोर्ड का गठन किया गया है। इससे व्यापारी समुदाय के कल्याण के लिए औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के लिए बेहतर वातावरण निर्मित करने और प्रदेश के निर्यात को बढ़ावा मिल सकेगा।

समिति में मंत्री औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम और मुख्यमंत्री द्वारा नामित अधिकतम 10 सदस्य होंगे।

इसके अलावा अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, सचिव औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, वाणिज्यिक कर, वित्त, किसान कल्याण तथा कृषि विकास, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, लोक निर्माण, खनिज साधन, ऊर्जा, नवीन एवं नवकरणीय उर्जा, पशुपालन एवं डेयरी, मछुआ कल्याण तथा मत्स्य, विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी, विमानन, कुटीर एवं ग्रामोद्योग, तकनीकी शिक्षा कौशल विकास एवं रोजगार, उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण, पर्यटन विभाग और सीईओ, राज्य नीति आयोग, क्षेत्रीय प्रमुख-भारतीय रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया, क्षेत्रीय अधिकारी-नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया, वरिष्ठ प्रबंधक-भारतीय कन्टेनर निगम, सीजीएम-नाबार्ड, शाखा प्रबंधक-ईसीजीसी, एक्जीम बैंक, क्षेत्रीय प्रमुख-एपिडा, आयुक्त-एफएसएसएआई, सीईओ-राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन आधिकारिक सदस्य होंगे। इस बोर्ड में सीईओ-अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान, संचालक-आरसीवीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी को संस्था के पदेन सदस्य और राज्य प्रमुख-सीआईआई, फिक्की, फिओ, डिक्की, लघु उद्योग भारती एवं अन्य राज्य स्तरीय व्यापार समिति तथा संघ को शीर्ष चेम्बर्स से पदेन सदस्य मनोनीत किया गया है। प्रबंध संचालक, मध्यप्रदेश इण्डस्ट्रीयल डेव्हलपमेंट कार्पोरेशन, भोपाल को सदस्य-सचिव नामित किया गया है।

तेलंगाना सरकार ने श्रमिकों के लिए न्यूनतम मजदूरी बढ़ाई

हैदराबाद। तेलंगाना सरकार ने पूरे राज्य में श्रमिकों के लिए न्यूनतम मजदूरी बढ़ाने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को कहा कि यह फैसला उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क की अध्यक्षता वाली कैबिनेट उप-समिति की सिफारिश पर लिया गया है।

अकुशल मजदूरों की श्रेणी के लिए, सरकार ने न्यूनतम मज़दूरी 12,750 रुपए से बढ़ाकर 16,000 रुपए कर दी है। अर्ध-कुशल श्रेणी के लिए न्यूनतम मजदूरी 13,152 रुपए से संशोधित करके 17,000 रुपए कर दी गई है।

मुख्यमंत्री ने मीडिया को बताया कि कुशल मजदूरों के लिए न्यूनतम मजदूरी 13,772 रुपए से बढ़ाकर 18,500 रुपए कर दी गई है जबकि अत्यधिक कुशल श्रेणी के लिए, सरकार ने मजदूरी 14,607 रुपए से बढ़ाकर 20,000 रुपए करने का फैसला किया है। उन्होंने मजदूरों को बधाई देते हुए कहा कि राज्य सरकार का यह फैसला 1 जून से लागू होगा और इससे 1.11 करोड़ मजदूरों को फायदा होगा।

सीएम ने आरोप लगाया कि पिछली सरकार की लापरवाही के कारण मजदूरों को नुकसान उठाना पड़ा। उन्होंने कहा कि सरकार ने तीन भौगोलिक जोन बनाए हैं। नगर निगमों को जोन 1, नगर पालिकाओं को जोन 2 और ग्रामीण क्षेत्रों को जोन 3 के रूप में नामित करके न्यूनतम मजदूरी संरचना निर्धारित की है।

सीएम भजनलाल शर्मा ने पेड़ के नीचे लगाई चौपाल, लोगों की शिकायतों का किया समाधान

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को बांसवाड़ा जिले के दूरदराज के आदिवासी गांव चूड़ा का दौरा किया। राज्य सरकार की 'ग्राम विकास चौपाल' पहल के तहत उन्होंने ग्रामीणों से सीधे बातचीत की, उनकी समस्याओं को सुना और विकास संबंधी जरूरतों की समीक्षा की।

गांव में बुधवार की रात में चौपाल लगाने के बाद, मुख्यमंत्री गुरुवार सुबह जल्दी लौट आए और गांव की गलियों में पैदल घूमे, स्थानीय लोगों से मिले और लोगों की भावनाएं समझीं।

इस दौरे के दौरान, सीएम शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के सपने को साकार करने के लिए काम कर रही है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि कल्याणकारी योजनाओं और विकास का लाभ समाज के सबसे गरीब और सबसे दूरदराज के तबकों तक पहुंचे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की पहली प्राथमिकता विकास को अंतिम छोर तक पहुंचाना है और साथ ही यह भी कहा कि ग्राम विकास चौपाल बातचीत के जरिए समस्याओं को सुलझाने का एक असरदार जरिया बन गई है।

इस दौरे के दौरान, मुख्यमंत्री ने एक पीपल के पेड़ के नीचे चौपाल लगाई, जहां गांव वालों ने पानी की सप्लाई, बुनियादी ढांचे और स्थानीय विकास से जुड़े मुद्दे उठाए। इन मांगों पर तुरंत ध्यान देते हुए, सीएम शर्मा ने जिला प्रशासन को निर्देश दिया कि इस इलाके में सिंचाई और पीने के पानी की सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए हिरन नदी पर एक छोटा बांध बनाया जाए।

उन्होंने 'मां बारी केंद्र' का भी दौरा किया, बच्चों से प्यार से बातचीत की और उनके बीच चॉकलेट बांटीं। मुख्यमंत्री ने बच्चों को पढ़ाई करने के लिए प्रोत्साहित किया और गांव वालों से अपील की कि वे युवाओं को नशे की लत से दूर रखें।

जयपुर में नीट पेपर लीक के विरोध प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस में झड़प

जयपुर। जयपुर में गुरुवार को नीट पेपर लीक मामले को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं की भाजपा मुख्यालय की ओर मार्च के दौरान पुलिस से झड़प हो गई।

विरोध प्रदर्शन की अगुवाई राजस्थान कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने की। गोविंद सिंह डोटासरा ने पार्टी कार्यकर्ताओं और वरिष्ठ नेताओं के साथ मिलकर मार्च निकाला और नीट में कथित अनियमितताओं को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की।

पुलिस को प्रदर्शनकारियों पर वॉटर कैनन का इस्तेमाल करना पड़ा। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने डोटासरा को अपने कंधों पर उठा लिया। पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास विरोध जताते हुए पुलिस कमिश्नरेट के सामने सड़क पर ही बैठ गए। वहीं, जबकि पूर्व विधायक वेद प्रकाश सोलंकी को पुलिसकर्मियों ने झड़प के दौरान पीछे धकेल दिया।

विधायक मनीष यादव ने भी प्रदर्शनकारियों के साथ आगे बढ़ने के लिए पुलिस बैरिकेड्स पर चढ़ने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने उन्हें रोककर नीचे उतार दिया। कांग्रेस का यह मार्च पार्टी के प्रदेश मुख्यालय से शुरू हुआ और 'शहीद स्मारक' होते हुए भाजपा कार्यालय की ओर बढ़ा। इस विरोध प्रदर्शन में महिलाओं और युवाओं सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। कुछ युवा तो विरोध करने के लिए नीट परीक्षार्थियों की वेशभूषा में भी आए। प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए, डोटासरा ने केंद्र सरकार और नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पिछले तीन सालों से नीट के पेपर लीक हो रहे हैं। लोगों का एनटीए से भरोसा उठ गया है, और इस संस्था को भंग कर देना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि '22 लाख छात्रों का भविष्य बर्बाद करने' के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने राजौरी-पुंछ रेंज में सुरक्षा और साइबर अपराध की समीक्षा की

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के राजौरी-पुंछ रेंज के पुलिस उप-महानिरीक्षक (डीआईजी) संदीप वजीर ने गुरुवार को सुरक्षा, साइबर अपराध और आधुनिक पुलिसिंग की समीक्षा के लिए एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की।

पुलिस ने बताया कि संदीप वजीर की अध्यक्षता में जिला पुलिस कार्यालय पुंछ में एक व्यापक डीजीपी-आईजीपी सम्मेलन आयोजित किया गया।

इस सम्मेलन में पुंछ के एसएसपी शफकत हुसैन, पुंछ के अतिरिक्त एसपी (ऑपरेशंस), सभी सुपरवाइजरी अधिकारियों, स्टेशन हाउस अधिकारियों और जिलेभर के अन्य अधिकारियों ने भाग लिया। यह सम्मेलन मौजूदा सुरक्षा परिदृश्य की समीक्षा करने और पुलिसिंग के विभिन्न परिचालन, जांच और प्रशासनिक पहलुओं पर विचार-विमर्श करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच साबित हुआ। अधिकारियों ने पावर प्वाइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से विभिन्न पेशेवर विषयों पर विस्तृत प्रस्तुतियां और व्याख्यान दिए, जिसमें पुलिसिंग में समकालीन चुनौतियों और सर्वोत्तम प्रथाओं पर प्रकाश डाला गया। सम्मेलन में मुख्य रूप से अपराध की रोकथाम, आतंकवाद-रोधी रणनीतियों, नशीले पदार्थों पर नियंत्रण के उपायों, साइबर अपराध की जांच, जन शिकायतों के निवारण तंत्र, आधुनिक पुलिसिंग तकनीकों, गुणवत्तापूर्ण जांच मानकों और सामुदायिक पुलिसिंग पहलों को मजबूत करने पर केंद्रित था।

डुबारे हादसे के बाद साकरेबैले एलीफेंट कैंप पर्यटकों के लिए अस्थायी रूप से बंद

शिवमोग्गा। कर्नाटक के मडिकेरी जिले स्थित डुबारे एलीफेंट कैंप में दो पालतू हाथियों के बीच हुई लड़ाई में महिला पर्यटक की मौत के बाद एहतियातन शिवमोग्गा के साकरेबैले एलीफेंट कैंप को भी अस्थायी रूप से पर्यटकों के लिए बंद कर दिया गया है। अधिकारियों ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। इस घटना में घायल हाथी 'मार्तंड' की भी बाद में मौत हो गई।

अधिकारियों ने बताया कि नए स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) लागू होने तक साकरेबैले कैंप में पर्यटकों के प्रवेश पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है।

पहले केवल हाथियों को नहलाने और उनके साथ सीधे संपर्क वाली गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाया गया था, जबकि पर्यटकों को दूर से हाथियों को देखने की अनुमति थी। लेकिन अब किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए कैंप में सभी तरह की पर्यटक गतिविधियां रोक दी गई हैं। अधिकारियों के अनुसार, संशोधित सुरक्षा दिशा-निर्देश और नई एसओपी लागू होने तक यह प्रतिबंध जारी रहेगा।शिवमोग्गा तालुक के गजानूर के पास तुंगा जलाशय के बैकवाटर क्षेत्र में स्थित साकरेबैले एलीफेंट कैंप कर्नाटक का लोकप्रिय पर्यटन स्थल है, जहां बड़ी संख्या में लोग हाथियों के साथ गतिविधियों के लिए पहुंचते हैं।

गौरतलब है कि सोमवार को डुबारे एलीफेंट कैंप में दो हाथियों की लड़ाई के दौरान तमिलनाडु की पर्यटक एस. जुनीस की मौत हो गई थी। महिला की मौत के बाद, प्रशासन ने डुबारे एलीफेंट कैंप को भी पूरी तरह बंद कर दिया है और पर्यटकों के प्रवेश पर रोक लगा दी गई है।

घटना में महिला के पति जोयल गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जिन्हें इलाज के लिए कुशलनगर सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के मुताबिक, चेन्नई निवासी दंपती सोमवार सुबह डुबारे एलीफेंट कैंप पहुंचे थे। उन्होंने पहले प्रशिक्षित हाथियों के साथ तस्वीरें खिंचवाईं। बाद में अन्य पर्यटकों के साथ वे उस जलक्षेत्र में उतर गए, जहां महावत हाथियों को नहला रहे थे।

नासा के जॉनसन स्पेस सेंटर में अंतरिक्ष यात्रियों ने उगाई मिर्च, फोटो की शेयर

नई दिल्ली। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा के जॉनसन स्पेस सेंटर ने दो खास तस्वीरें पोस्ट की हैं। साथ में बताया 'बागवानी सिर्फ धरती पर ही नहीं होती।' ये तस्वीरें अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर चल रहे पौधों के प्रयोग को दिखाती हैं। नासा अंतरिक्ष में बागवानी के जरिए भविष्य के लंबे मिशनों, खासकर चांद और मंगल यात्रा की तैयारी कर रहा है।

नासा ने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर तस्वीरों को पोस्ट किया, जिसमें एक्सपेडेशन-66 के दौरान एस्ट्रोनॉट थॉमस मार्शबर्न आईएसएस के एडवांस्ड प्लांट हैबिटेट में उग रही मिर्च को देख रहे हैं। ये प्लांट हैबिटेट-04 प्रयोग का हिस्सा हैं। दूसरी तस्वीर कोलंबस मॉड्यूल में एडवांस्ड प्लांट हैबिटेट के अंदर लाल-गुलाबी रोशनी में उगी मिर्च की है।

नासा आईएसएस पर 'वेजी' नामक एक छोटे स्पेस गार्डन को विकसित किया है, जिसके अंतर्गत वह बागबानी के लिए काम करता है। यह एक कैरी-ऑन बैग के आकार का सिस्टम है, जिसमें छह पौधे एक साथ उगाए जा सकते हैं। माइक्रोग्रैविटी में पौधों को उगाना बहुत चुनौतीपूर्ण है। पानी बुलबुले बना लेता है, इसलिए विशेष 'प्लांट पिलो' (मिट्टी आधारित तकिए) का इस्तेमाल किया जाता है। इन तकियों में पोषक तत्व, पानी और हवा का सही संतुलन रहता है। ऊपर लगी एलईडी लाइट्स पौधों को लाल और नीली रोशनी देती हैं, जिसकी वजह से पूरा चैंबर गुलाबी-लाल चमकता दिखाई देता है।

वेजी में अब तक लेट्यूस की तीन किस्में, चाइनीज कैबेज, मिजुना सरसों, लाल रशियन केल और जिनिया के फूल सफलतापूर्वक उगाए जा चुके हैं। कुछ सब्जियों को अंतरिक्ष यात्री तोड़कर खा भी चुके हैं, जबकि कुछ नमूनों को पृथ्वी पर अध्ययन के लिए भेजा गया।

नासा का मानना है कि पौधे सिर्फ खाने के लिए नहीं, बल्कि अंतरिक्ष यात्रियों के मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण हैं। ताजा भोजन, विटामिन और हरी-भरी हरियाली उन्हें पृथ्वी से जोड़कर रखती है और तनाव कम करती है। लंबे मिशनों में ये पौधे रेडिएशन से भी कुछ सुरक्षा प्रदान कर सकते हैं।

वेजी के लिए नासा उन्नत सिस्टम 'एडवांस प्लांट हैबिटेट' के साथ काम करता है। इसमें 180 से ज्यादा सेंसर लगे हैं, जो पृथ्वी पर टीम को लगातार जानकारी देते रहते हैं। इसमें बौनी गेहूं और मिर्च जैसे पौधों का परीक्षण हो चुका है। भविष्य में टमाटर, बेरी और अन्य फसलें उगाने की योजना है।

पृथ्वी से 150 मिलियन किलोमीटर दूर फिर भी तपाता है सूर्य, जानें क्या है '1 एस्ट्रोनॉमिकल यूनिट'

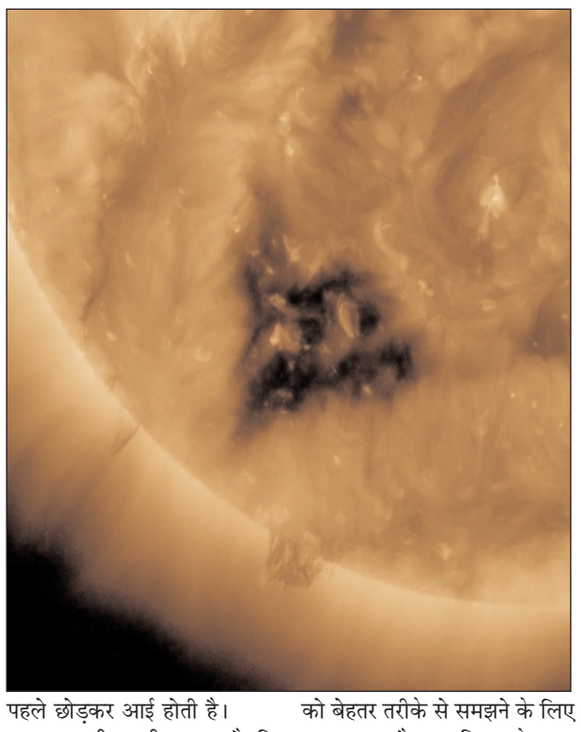

नई दिल्ली। भीषण गर्मी का प्रकोप जारी है। देश के कई हिस्सों का तापमान 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। क्या आप जानते हैं कि सूर्य पृथ्वी से पूरे 15 करोड़ किलोमीटर दूर है। इसके बावजूद सूर्य पृथ्वी को ऊर्जा देने के साथ ही रोशन और गर्म भी रखता है। खगोल विज्ञान में इस दूरी को एक खास नाम दिया गया है- 1 एस्ट्रोनॉमिकल यूनिट (1 एयू)।

1 एस्ट्रोनॉमिकल यूनिट सिर्फ एक दूरी की माप नहीं है, बल्कि पूरे सौर मंडल को मापने का आधार है। मंगल 1.5 एयू की दूरी पर है, जबकि बृहस्पति 5.2 एयू दूर है। खगोलविद इसी यूनिट के आधार पर प्लैनेट्स, तारों और आकाशगंगाओं की दूरी आसानी से समझ पाते हैं।

कनाडियन स्पेस एजेंसी (सीएसए) के अनुसार, 1 एयू सूर्य और पृथ्वी के बीच की औसत दूरी को परिभाषित करता है, जो ठीक 149.6 मिलियन किलोमीटर है। इसे आसान शब्दों में समझें तो अगर आप कार से लगातार बिना रुके यात्रा करें, तो पृथ्वी के 3,750 चक्कर लगाने के बराबर दूरी तय करनी पड़ेगी। ब्रह्मांड की सबसे तेज चीज प्रकाश को भी इस दूरी को तय करने में 8 मिनट और 20 सेकंड का समय लगता है। यही कारण है कि सूर्य को देखते ही हम तुरंत उसकी गर्मी और रोशनी महसूस करते हैं, लेकिन वास्तव में वह रोशनी हमें 8 मिनट 20 सेकंड पहले छोड़कर आई होती है।

यह दूरी इतनी ज्यादा है कि अगर हम आज सूर्य की ओर सीधे कार से निकलें तो हमें पहुंचने में लगभग 177 साल लग जाएंगे। इतनी दूरी पर होने के बावजूद सूर्य पृथ्वी पर जीवन का आधार है। यह न सिर्फ रोशनी और ऊर्जा देता है बल्कि मौसम, जल चक्र और पौधों के विकास को भी नियंत्रित करता है।

अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा का पोलारिमीटर टू यूनिफाई द कोरोना एंड हेलिओस्फियर यानी पंच मिशन सूर्य और उसके प्रभाव को बेहतर तरीके से समझने के लिए काम करता है। इस मिशन के तहत चार छोटे सैटेलाइट, जो सूटकेस के आकार के हैं, वर्तमान में पृथ्वी का चक्कर लगा रहे हैं। पंच मिशन का मुख्य उद्देश्य सूर्य के कोरोना यानी बाहरी वायुमंडल और सोलर वाइंड का अध्ययन करना है।

वैज्ञानिक जानना चाहते हैं कि सौर हवा कहां से शुरू होती है और यह कैसे पूरे सौर मंडल में फैलती है। यह जानकारी भविष्य के स्पेस मिशन्स और पृथ्वी पर होने वाले सौर तूफानों की भविष्यवाणी के लिए काफी महत्वपूर्ण है।

कमजोरी दूर कर शरीर को मजबूत बनाता है धनुरासन, आयुष मंत्रालय ने गिनाए फायदे

नई दिल्ली। विश्व योग दिवस को कुछ ही दिन शेष हैं, ऐसे में भारत सरकार का आयुष मंत्रालय लगातार योगासनों के महत्व और फायदों पर नई जानकारी साझा कर रहा है। इसी कड़ी में मंत्रालय ने धनुरासन के लाभों पर प्रकाश डाला है। मंत्रालय के अनुसार, धनुरासन कमजोरी दूर करने और पूरे शरीर को मजबूत बनाने वाला एक प्रभावी योगासन है।

मंत्रालय का कहना है कि आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में पाचन संबंधी परेशानी, कब्ज और बार-बार होने वाला पीठ दर्द आम समस्या बन गई है। ये समस्याएं न सिर्फ रोजमर्रा की दिनचर्या को प्रभावित करती हैं, बल्कि स्वास्थ्य पर भी गहरा असर डालती हैं। ऐसे में धनुरासन एक आसान लेकिन शक्तिशाली योगासन है, जो इन समस्याओं से निपटने में मदद कर सकता है।

धनुरासन को 'बो पोज' भी कहा जाता है क्योंकि इसमें शरीर धनुष की आकृति में मुड़ता है। यह आसन पाचन तंत्र को मजबूत बनाता है, आंतरिक अंगों की कार्यक्षमता बढ़ाता है और शरीर में नई ऊर्जा व स्फूर्ति का संचार करता है। इसके नियमित अभ्यास से कमजोरी दूर होती है और शरीर की मांसपेशियां मजबूत बनती हैं।

धनुरासन पाचन क्रिया को बेहतर करता है, जिससे कब्ज की शिकायत कम होती है। पीठ, कमर और कंधों की मांसपेशियों को मजबूत बनाता है। बार-बार होने वाले पीठ दर्द से राहत दिलाता है। शरीर के अंदरूनी अंगों को उत्तेजित करता है। मुद्रा और बैलेंस सुधारता है साथ ही थकान दूर कर शरीर की ऊर्जा को बढ़ाता है। धनुरासन पूरे शरीर को लचीला और मजबूत बनाने में सहायक।

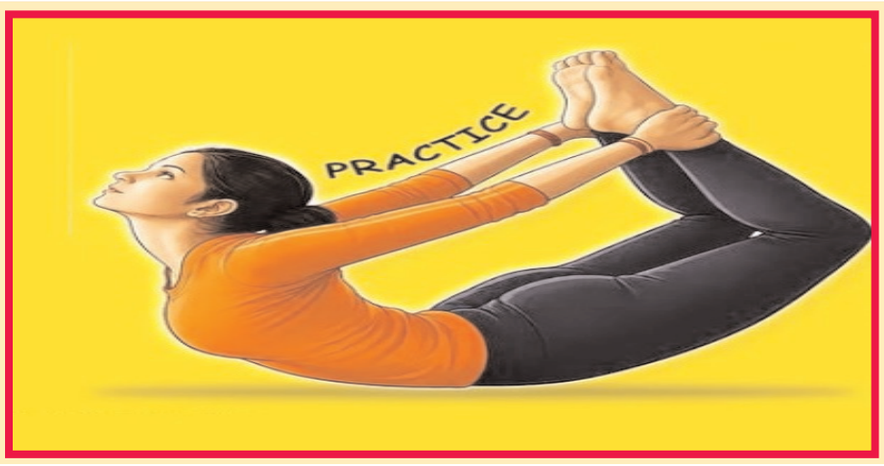

योग एक्सपर्ट्स के अनुसार, धनुरासन उन लोगों के लिए विशेष रूप से उपयोगी है जिन्हें बैठे रहने की वजह से कमर दर्द या पाचन संबंधी दिक्कतें होती हैं। यह आसन शरीर में सही मूवमेंट और बैलेंस लाता है। मंत्रालय ने नागरिकों से अपील की है कि वे योग दिवस के अवसर पर धनुरासन सहित अन्य आसनों को अपनी दिनचर्या में शामिल करें।

धनुरासन जैसा आसन न सिर्फ शारीरिक बल्कि मानसिक स्वास्थ्य को भी संतुलित रखने में मदद करता है। नियमित अभ्यास से व्यक्ति स्वस्थ, ऊर्जावान और मजबूत बनता है। हालांकि, कुछ सावधानी बरतनी भी जरूरी है। जिन लोगों को हाई ब्लड प्रेशर, हर्निया या गंभीर पीठ की समस्या है, उन्हें इस आसन को करने से पहले योग विशेषज्ञ से सलाह लेनी चाहिए।

स्पेस मिशन लॉन्च में कुछ गलत हो जाए तो क्या होगा? जानें इमरजेंसी में एस्ट्रोनॉट्स की कैसे मदद करता है 'अबॉर्ट सिस्टम'

नई दिल्ली। स्पेस मिशन बेहद जोखिम भरे होते हैं। लॉन्च के समय अगर कुछ भी गलत हो जाए, तो इससे एस्ट्रोनॉट्स को गंभीर नुकसान पहुंच सकता है। ऐसे में उनकी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए स्पेस एजेंसियां एस्ट्रोनॉट्स के लिए खास सुरक्षा व्यवस्था करती हैं। इसे 'अबॉर्ट सिस्टम' कहा जाता है।

कनाडाई एस्ट्रोनॉट जेरेमी हैनसेन एक पुराने वीडियो में इस सिस्टम के बारे में विस्तार से जानकारी देते नजर आए। जेरेमी ने बताया कि लॉन्च के दिन रॉकेट पूरी तरह ईंधन से भरा होता है। एस्ट्रोनॉट्स लिफ्ट से ऊपर जाते हैं, सीट बेल्ट बांधते हैं और उड़ान के लिए तैयार रहते हैं। लेकिन अगर लॉन्च से पहले रॉकेट में कोई समस्या आ जाए, तो उनके पास दो मुख्य विकल्प होते हैं।

एस्ट्रोनॉट्स को लॉन्च पैड से लेकर पानी में उतरने तक हर तरह की इमरजेंसी स्थिति से निपटने की ट्रेनिंग दी जाती है। अबॉर्ट सिस्टम आधुनिक स्पेसक्राफ्ट की सबसे जरूरी सुरक्षा तकनीकों में से एक है। यह सुनिश्चित करता है कि अगर लॉन्च के समय कोई अनहोनी हो जाए, तो अंतरिक्ष यात्री सुरक्षित धरती पर वापस लौट सकें।

पहला विकल्प काउंटडाउन के शुरुआती चरण में इस्तेमाल किया जाता है। अगर समस्या लॉन्च से काफी पहले आती है, तो एस्ट्रोनॉट्स इमरजेंसी एग्जिट (हैच) खोलकर लॉन्च टावर से दूर निकल सकते हैं। इसके लिए टोकरियों और स्लाइड वायर्स का इस्तेमाल किया जाता है। नीचे उतरने के बाद वे बंद गाड़ियों में बैठकर लॉन्च पैड से तेजी से दूर चले जाते हैं।

दूसरा विकल्प 'अबॉर्ट सिस्टम' है, जो लॉन्च से कुछ मिनट पहले या लॉन्च के शुरुआती चरण में इस्तेमाल किया जाता है। अगर लॉन्च का समय नजदीक आ चुका हो और रॉकेट में आग लगने या किसी गंभीर समस्या की आशंका हो, तो यह सिस्टम एक्टिव हो जाता है। यह पूरे कैप्सूल यानी ओरियन को रॉकेट के ऊपरी हिस्से से अलग कर देता है। यह पूरे कैप्सूल के लिए एक बड़ी इजेक्शन सीट की तरह काम करता है। अलग होने के बाद कैप्सूल पैराशूट की मदद से पास के समुद्र में सुरक्षित उतरता है। वहां से अंतरिक्ष यात्री बाहर निकलकर बचाव दल की मदद लेते हैं।

गर्दन के दर्द और अकड़न से परेशान? सर्वाइकल स्पोंडिलोसिस से राहत दिलाएंगे ये योगासन

नई दिल्ली। योग दिवस को महज एक महीना शेष रह गया है। इस बीच भारत सरकार का आयुष मंत्रालय लगातार लोगों को योग के जरिए स्वस्थ रहने के लिए जागरुक कर रहा है। मंत्रालय का संदेश साफ है 'योग-युक्त रहें, रोग-मुक्त रहें'। इस कड़ी में मंत्रालय ने गर्दन की लगातार अकड़न और सर्वाइकल स्पोंडिलोसिस की समस्या से जूझ रहे लोगों के लिए योगासन व उनके लाभ बताए हैं।

आयुष मंत्रालय के अनुसार, आजकल स्क्रीन के सामने लंबे समय तक झुके रहना और गलत मुद्रा में बैठना सर्वाइकल स्पोंडिलोसिस का मुख्य कारण बन गया है। यह समस्या सिर्फ गर्दन के दर्द तक सीमित नहीं है, बल्कि गतिशीलता को सीमित कर देती है और रोजमर्रा के साधारण कामों को भी कठिन बना देती है। लंबे समय तक यह अंदरूनी तनाव बढ़ाती है और ऊपरी पीठ के साथ गर्दन की मांसपेशियों को कमजोर कर देती है। ऐसे में योग एक्सपर्ट्स बताते हैं कि नियमित

योगाभ्यास इस समस्या का प्राकृतिक और प्रभावी समाधान है। योगासन रीढ़ की हड्डी के जोड़ों को लचीला बनाते हैं, अकड़न को दूर करते हैं और गर्दन तथा ऊपरी पीठ की मांसपेशियों को मजबूत बनाते हैं। इससे गतिशीलता वापस आती है और दर्द में काफी कमी आती है।

सर्वाइकल स्पोंडिलोसिस में लाभदायक योगासनों में अर्ध मत्स्येंद्रासन, उष्ट्रासन, ताड़ासन, अर्ध चक्रासन, भुजंगासन के साथ ही मार्जरीआसन भी शामिल है। आयुष मंत्रालय का कहना है कि इन आसनों का नियमित अभ्यास करने से सर्वाइकल स्पोंडिलोसिस को नियंत्रित किया जा सकता है और गतिशीलता वापस पाई जा सकती है। इन आसनों को अपनी दिनचर्या में शामिल करना चाहिए। योग न सिर्फ शारीरिक दर्द बल्कि मानसिक तनाव को भी कम करता है।

अर्ध मत्स्येंद्रासन रीढ़ को घुमाकर गर्दन और पीठ की अकड़न दूर करता है, उष्ट्रासन छाती के अंगों की जकड़न को दूर कर उसे खोलता है और गर्दन के साथ कंधों की जकड़न को भी कम करता है। वहीं, ताड़ासन शरीर की मुद्रा सुधारता है और रीढ़ को मजबूती देता है और अर्ध चक्रासन कमर के साथ गर्दन के लचीलेपन को भी बढ़ाता है।

आधुनिक लाइफस्टाइल का अचूक इलाज है 'भद्रासन', दूर होगी शारीरिक और मानसिक थकान

नई दिल्ली। आधुनिक जीवनशैली में लंबे समय तक बैठकर काम करना और गलत जीवनशैली शरीर को धीरे-धीरे खराब करने लगती है। ऐसे में भद्रासन एक प्रभावी योगासन है, जो पैरों और कमर को मजबूती देता है, बल्कि मन को शांत कर एकाग्रता बढ़ाने में भी सहायक माना जाता है।

यह तितली आसन का ही एक प्रकार माना जाता है, जो मानसिक स्थिरता और एकाग्रता के लिए उत्कृष्ट होता है। इस आसन को लेकर भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने भी प्रतिक्रिया दी। मंत्रालय के अनुसार, भद्रासन मुख्य रूप से पेल्विक क्षेत्र, जांघों और कमर की मजबूती और लचीलापन बनाने में मदद करता है।

भद्रासन करने के लिए सबसे पहले अपने दोनों पैरों को सामने की ओर सीधा फैलाकर, पीठ व कमर सीधा रखते हुए बैठें।

इस आसन का अभ्यास करना बेहद आसान है। इसे करने के लिए सबसे पहले दोनों पैरों को सामने की ओर सीधा फैलाकर, पीठ व कमर सीधा रखते हुए बैठें। इसके बाद दोनों हथेलियों को नितंब के पास जमीन पर रखें। अब दोनों पैरों के तलवे पास ले आएं। फिर श्वास भरते हुए पैरों के पंजे हाथों से पकड़ लें। इसके बाद श्वास भरते हुए एड़ियों को मूलधारा क्षेत्र के जितना संभव हो, नजदीक लाएं। इस अवस्था में 10 से 30 सेकेंड तक रुकें। फिर सामान्य रूप से श्वास लेते रहें।

यह आसन करने में काफी आसान है लेकिन शुरुआत में इसके करने में बहुत ज्यादा जोर न लगाएं, धीरे-धीरे अभ्यास बढ़ाएं। गठिया या घुटने के गंभीर दर्द से पीड़ित लोगों को इस आसन से बचना चाहिए। साथ ही, गर्भवती महिलाओं को यह आसन करने से पहले योगाचार्य से परामर्श लेना चाहिए।

यह आसन महिलाओं के लिए फायदेमंद माना जाता है। योग विशेषज्ञों का मानना है कि इसके नियमित अभ्यास से मासिक धर्म के दर्द और असहजता से राहत दिलाने में मदद मिल सकती है।

बच्चों के बेहतर मानसिक और शारीरिक विकास में बाधा है 'एनीमिया', ऐसे करें बचाव

नई दिल्ली। बच्चों का स्वस्थ और सक्रिय रहना हर माता-पिता की प्राथमिकता होती है, लेकिन शरीर में आयरन की कमी कई बार बच्चों के विकास पर गंभीर असर डाल सकती है। नेशनल हेल्थ मिशन के अनुसार, 2 वर्ष से कम उम्र के बच्चों में एनीमिया मस्तिष्क के विकास और सीखने की क्षमता को प्रभावित कर सकता है। ऐसे में बच्चों को समय पर संतुलित और पोषक आहार देना बेहद जरूरी है।

हेल्थ एक्सपर्ट्स का मानना है कि बचपन में सही पोषण मिलने से बच्चों का शारीरिक और मानसिक विकास बेहतर होता है। वहीं,

आयरन की कमी होने पर बच्चे कमजोर, सुस्त और कम सक्रिय हो सकते हैं। लंबे समय तक एनीमिया रहने से बच्चों की याददाश्त, सीखने की क्षमता और मानसिक विकास पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) ने बच्चों में एनीमिया से बचाव के लिए आयरन युक्त खाद्य पदार्थों को रोजमर्रा के भोजन में शामिल करने की सलाह दी है। इसमें हरी पत्तेदार सब्जियां, दाल, चना, गुड़, अनार और खजूर जैसे खाद्य पदार्थ शामिल हैं। इसके अलावा, विटामिन-सी से भरपूर फल जैसे संतरा, आंवला और नींबू भी शरीर में आयरन के अवशोषण को बढ़ाने में मदद करते हैं। हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार, बच्चों को छह महीने की उम्र के बाद समय पर पूरक आहार देना शुरू कर देना चाहिए। मां के दूध के साथ पौष्टिक आहार बच्चों को जरूरी पोषण देने में मदद करता है। संतुलित भोजन से बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी मजबूत होती है और वे अधिक स्वस्थ रहते हैं।

आईपीएल 2026: गुजरात टाइटंस की 89 रन से दमदार जीत, 'प्लेऑफ' की रेस से बाहर चेन्नई सुपर किंग्स

अहमदाबाद। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में प्लेऑफ की रेस से बाहर होने वाली तीसरी टीम बन गई है। गुरुवार को सीजन के 66वें मैच में सीएसके को गुजरात टाइटंस (जीटी) के खिलाफ 89 रन से करारी हार का सामना करना पड़ा।

सीएसके से पहले लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) और मुंबई इंडियंस (एमआई) प्लेऑफ की रेस से बाहर हो गई थी, जबकि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी), गुजरात टाइटंस (जीटी) और सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) प्लेऑफ का टिकट हासिल कर चुकी हैं।

चेन्नई सुपर किंग्स इस सीजन 14 में से सिर्फ 6 मैच ही अपने नाम कर सकी। 12 अंकों के साथ फिलहाल ये टीम प्वाइंट्स टेबल में 7वें पायदान पर है। वहीं, 14 में से 9 मुकाबले जीतकर गुजरात टाइटंस ने दूसरे पायदान पर मजबूती हासिल कर ली है। इस टीम के पास 18 अंक हैं। नरेंद्र मोदी स्टेडियम में टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी गुजरात टाइटंस ने टॉप ऑर्डर के बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत 4 विकेट खोकर 229 रन बनाए। इस टीम को कप्तान शुभमन गिल और साईं सुदर्शन की सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत दिलाई।

दोनों खिलाड़ियों ने 74 गेंदों में 125 रन की साझेदारी की। गिल 37 गेंदों में 3 छक्कों और 7 चौकों के साथ 64 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद सुदर्शन ने जोस बटलर के साथ दूसरे विकेट के लिए 36 गेंदों में 82 रन जुटाकर टीम को 207 के स्कोर तक पहुंचाया।

19वें ओवर की दूसरी गेंद पर सुदर्शन आउट हुए, जिन्होंने 53 गेंदों में 4 छक्कों और 7 चौकों के साथ 84 रन की पारी खेली। अगली गेंद पर टीम ने राहुल तेवतिया (0) का विकेट गंवा दिया। यहां से जोस बटलर ने 27 गेंदों में 57 रन की नाबाद पारी खेलकर टीम को विशाल स्कोर तक पहुंचाया। विपक्षी खेमे से मुकेश चौधरी, स्पेंसर जॉनसन और अंशुल कंबोज ने 1-1 विकेट अपने नाम किया। इसके जवाब में चेन्नई सुपर किंग्स 13.4 ओवरों में 140 रन पर सिमट गई। इस टीम को पहली ही गेंद पर संजू सैमसन (0) के रूप में बड़ा झटका लग गया। इसके बाद कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने मैथ्यू शॉर्ट के साथ दूसरे विकेट के लिए 13 गेंदों में 29 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभालने की कोशिश की, लेकिन कप्तान के आउट होने के बाद टीम बिखर गई।गायकवाड़ ने 16 रन का योगदान सीएसके के खाते में दिया, जबकि शॉर्ट ने 14 गेंदों में 1 छक्के और 3 चौकों के साथ 24 रन की पारी खेली। इनके अलावा, कार्तिक शर्मा ने 19 रन बनाए। टीम ने 63 के स्कोर तक अपने 5 विकेट खो दिए थे। यहां से शिवम दुबे ने देवाल्ड ब्रेविस (8) के साथ 21 गेंदों में 53 रन की साझेदारी की।

अंडर-18 एशिया कप के लिए भारतीय पुरुष हॉकी टीम का ऐलान, केतन कुशवाहा बने कप्तान

भोपाल । हॉकी इंडिया ने गुरुवार को जापान के काकामिगाहारा में 29 मई से 6 जून तक होने वाले आगामी पुरुष अंडर-18 एशिया कप के लिए 18 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। केतन कुशवाहा को इस टूर्नामेंट के लिए टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है।

इस टीम का चयन भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) भोपाल के उद्धव दास मेहता सेंट्रल सेंटर में सरदार सिंह और रजनीश मिश्रा की कोचिंग स्टाफ की देखरेख में एक कड़े नेशनल कोचिंग कैंप के बाद किया गया। टूर्नामेंट के फॉर्मेट में भारत को पूल ए में दक्षिण कोरिया, मेजबान जापान, चीनी ताइपे और कजाकिस्तान के साथ रखा गया है।

भारतीय टीम अपने पूल-स्टेज कैंपेन की शुरुआत 29 मई को कजाकिस्तान के खिलाफ करेगी। इसके बाद टीम अपने अगले मुकाबले में 31 मई को मेजबान जापान से भिड़ेगी। वहीं, 1 जून को भारतीय टीम का सामना साउथ कोरिया से होगा, तो 3 जून को भारतीय टीम की भिड़ंत ग्रुप स्टेज के आखिरी मुकाबले में चीनी ताइपे से होगी।

इस मुश्किल ग्रुप स्टेज के बाद, पूल ए और पूल बी की टॉप दो टीमें सीधे 5 जून को होने वाले सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। वहीं, टूर्नामेंट का खिताबी मुकाबला 6 जून को खेला जाना है। टीम की तैयारियों में भोपाल में ऑस्ट्रेलिया अंडर-18 टीम के खिलाफ एक हाई-प्रोफाइल चार मुकाबलों की सीरीज शामिल थी, जो एक एक्सपोजर टूर का हिस्सा थी। फॉरवर्ड खिलाड़ी केतन कुशवाहा एशिया कप टीम की कप्तानी करेंगे, जो एशिया की टॉप यूथ टीमों के खिलाफ मुकाबला करने के लिए उड़ान भरेंगी।

'वह मास्टरमाइंड हैं और गेम को बहुत अच्छे से समझते हैं', सुदर्शन ने गिल की काबिलियत को सराहा

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में गुजरात टाइटंस (जीटी) की ओर से खेलते हुए साई सुदर्शन और शुभमन गिल का प्रदर्शन कमाल का रहा है। जीटी की इस सलामी जोड़ी ने इस सीजन भी अपनी बल्लेबाजी से खासा प्रभावित किया है। इस बीच, सुदर्शन ने अपने जोड़ीदार और कप्तान गिल की जमकर तारीफ की है।

सुदर्शन का कहना है कि शुभमन गिल मास्टरमाइंड हैं और वह गेम की परिस्थितियों को बहुत अच्छे से समझते हैं।

सुदर्शन ने जियोहॉटस्टार संग बात करते हुए कहा, 'शुभमन एक मास्टरमाइंड हैं। वह गेम को बहुत अच्छे से समझते हैं और तकनीकी रूप से बहुत मजबूत हैं। इससे आपको जो चाहे करने की आजादी मिलती है क्योंकि आप जानते हैं कि शुभमन दूसरे छोर पर हैं। मुझे लगता है कि इसका उल्टा भी होता है। जब गिल गेंदबाजों पर हमला करने की कोशिश करता है, तो उन्हें पता होता है कि मैं वहां हूं और पारी को संभाल सकता हूं।'

उन्होंने आगे कहा, 'मुझे लगता है कि हम एक-दूसरे को बहुत अच्छे से समझते हैं। हमारे बीच बहुत अच्छा रिश्ता है, हम एक-दूसरे के खेल को बहुत अच्छे से जानते हैं, और उसी हिसाब से बारी-बारी से खेलते हैं।'

सुदर्शन ने आईपीएल में 50 पारियों के बाद सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में क्रिस गेल के रिकॉर्ड को तोड़ने को लेकर कहा, 'जब कोई रिकॉर्ड टूटता है, तो जाहिर है यह बहुत अच्छा लगता है और एक बड़ी उपलब्धि हासिल होती है, क्योंकि इससे यह पक्का होता है कि हम सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

मुझे लगता है कि वे उपलब्धि और तारीफें मुझे खुद पर ज्यादा भरोसा करने, अपनी काबिलियत पर ज्यादा विश्वास करने और उसी रास्ते पर आगे बढ़ते रहने में मदद करती हैं।'

आईपीएल 2026 में सुदर्शन का प्रदर्शन शानदार रहा है। वह इस सीजन अब तक खेले 13 मुकाबलों में 157 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 554 रन बना चुके हैं। सुदर्शन के बल्ले से इस सीजन एक शतक और 6 अर्धशतक निकल चुके हैं। वह सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में फिलहाल चौथे नंबर पर काबिज हैं। वहीं, शुभमन गिल 12 मुकाबलों में 160 के स्ट्राइक रेट से 552 रन बना चुके हैं।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 की शुरुआत से पहले फिर चोटिल हुए नेमार

रियो डी जनेरियो। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के आगाज से ठीक पहले ब्राजील को बड़ा झटका लगा है। टीम के स्टार खिलाड़ी नेमार एक बार फिर चोटिल हो गए हैं। नेमार को हाल ही में ब्राजील की विश्व कप टीम में चुना गया है।

'शिन्हुआ' की रिपोर्ट के मुताबिक, 34 साल के सैंटोस स्टार बुधवार को सैन लोरेंजो के खिलाफ अपनी टीम के घरेलू कोपा सुदामेरिकाना मैच में पिंडली की चोट के कारण नहीं खेल पाए। हालांकि ब्राजील के क्लब ने नेमार की इंजरी को गंभीर नहीं बताया है। सैंटोस टीम के डॉक्टर रोड्रिगो जोगैब ने कहा कि फॉरवर्ड खिलाड़ी 27 मई को ब्राजील के पहले प्री-वर्ल्ड कप ट्रेनिंग सेशन के लिए तैयार होंगे।

'ओ ग्लोबो' ने जोगैब के हवाले से कहा, 'नेमार नेशनल टीम में फिट या लगभग पूरी तरह से फिट होने की स्थिति में ही टीम को रिपोर्ट करेंगे। इस बात की भी संभावना है कि वह अगले मंगलवार को डेपोर्टिवो कुएनका के खिलाफ खेल सकते हैं।' ब्राजील के लिए 128 इंटरनेशनल मुकाबलों में सबसे ज्यादा 79 गोल करने वाले नेमार ने ब्राजील के लिए आखिरी मुकाबला अक्टूबर 2023 में खेला था। उरुग्वे के खिलाफ हुए वर्ल्ड कप क्वालिफायर मुकाबले में उनका एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट फट गया था। बार्सिलोना और पेरिस सेंट-जर्मेन के पूर्व अटैकर तब से चोटों से जूझ रहे हैं; पिछले साल जनवरी में अपने बचपन के क्लब सैंटोस में लौटने के बाद नेमार ने 38 मुकाबलों में सिर्फ 17 गोल किए हैं।

यह नेमार का चौथा फीफा वर्ल्ड कप होगा। इससे पहले वह 2014, 2018 और 2022 एडिशन में खेल चुके हैं।

एफआईएच नेशंस कप से पहले भारतीय महिला हॉकी टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए रवाना

बेंगलुरु । सलीमा टेटे की कप्तानी में भारतीय महिला हॉकी टीम गुरुवार को ऑस्ट्रेलिया के अपने महत्वपूर्ण दौरे के लिए रवाना हो गई, जहां टीम को 26, 27, 29 और 30 मई को पर्थ हॉकी स्टेडियम में मेजबान टीम के खिलाफ चार मैच खेलने हैं।

इस दौरे में कई कड़े मैच होंगे, जिससे भारतीय महिला हॉकी टीम को दुनिया की सबसे अच्छी टीमों में से एक ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खुद को परखने का मौका मिलेगा। ऑस्ट्रेलिया दौरा खत्म होने के बाद, टीम 15 से 21 जून तक होने वाले एफआईएच हॉकी नेशंस कप 2026 के लिए न्यूजीलैंड जाएगी। कप्तान सलीमा ने दौरे पर रवाना होने से पहले टीम पर भरोसा जताया और कहा कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आने वाले मुकाबले काफी अहम साबित होंगे।

हॉकी इंडिया की तरफ से जारी एक बयान में सलीमा ने कहा, 'पूरी टीम इस दौरे का बेसब्री से इंतजार कर रही है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलना, खासकर उनके होम ग्राउंड पर हमेशा एक मुश्किल चैलेंज होता है, और इस साल के आखिर में होने वाले जरूरी इंटरनेशनल टूर्नामेंट्स को देखते हुए हमें अपनी तैयारियों के इस स्टेज पर ठीक इसी तरह के चैलेंज की जरूरत है। उन्होंने आगे कहा, 'पिछले कुछ हफ्तों में हमारा एक कड़ा ट्रेनिंग कैंप रहा है, जिसमें हमने अपनी फिटनेस, कॉम्बिनेशन और तकनीकी शेप पर कड़ी मेहनत की है। मुझे लगता है कि टीम बहुत अच्छे से एक साथ आई है, और पर्थ में होने वाले मैच हमें दुनिया की सबसे अच्छी टीमों में से एक के खिलाफ अपनी मेहनत की हुई हर चीज को प्रैक्टिस में लाने का मौका देंगे।'

एफआईएच हॉकी महिला नेशंस कप 2026 के बाद वर्ल्ड कप और एशियन गेम्स में भी भारतीय टीम को हिस्सा लेना है। कप्तान सलीमा ने बड़े इंटरनेशनल टूर्नामेंट को देखते हुए ऑस्ट्रेलिया दौरे की अहमियत पर जोर दिया।

उन्होंने कहा, 'पर्थ में हर मैच हमारे लिए बहुत जरूरी होगा। हम ऑकलैंड में होने वाले नेशंस कप में लय और आत्मविश्वास के साथ जाना चाहते हैं। ऑस्ट्रेलिया हमें हमारी लिमिट तक ले जाएगा, और हम इसका इस्तेमाल एक मजबूत, ज्यादा एकजुट यूनिट बनने के लिए करना चाहते हैं। एशियन गेम्स और वर्ल्ड कप की ओर बढ़ते हुए नेशंस कप हमारे लिए एक और जरूरी मार्कर होगा।

फीफा विश्व कप के लिए स्पेन की टीम और रणनीति दोनों तय हो चुकी है : कोच डे ला फुएंते

मैड्रिड । स्पेन के कोच लुइस डे ला फुएंते ने कहा कि उन्होंने फीफा वर्ल्ड कप 2026 के लिए अपनी टीम में शामिल होने वाले 26 खिलाड़ियों के नाम पहले ही तय कर लिए हैं।

डे ला फुएंते ला लीगा में आखिरी राउंड के मुकाबलों के बाद सोमवार को अपनी टीम का नाम बताएंगे। स्पेन के पूर्व खिलाड़ी मारियो सुआरेज के साथ एक इंटरव्यू में उन्होंने माना कि टीम के साथ विश्व कप के लिए स्पेन का दृष्टिकोण और रणनीति भी तय हो चुकी है।

उन्होंने माना कि यह मुमकिन है कि वह ऐसे खिलाड़ियों को शामिल कर सकते हैं जो पहले स्पेन के लिए नहीं खेले हैं। इसके साथ ही उन्होंने टीम में तीन गोलकीपर को शामिल करने की ओर भी इशारा किया, जिसका मतलब है कि बार्सिलोना के जोन गार्सिया या रियल सोसिएदाद के एलेक्स रेमिरो में से किसी एक के बाहर होने की संभावना है।

लुइस डे ने उम्मीद जताई है कि जो खिलाड़ी अभी घायल हैं, जैसे निको विलियम्स, लैमिन यामल और मिकेल मेरिनो के बुलाए जाने की अच्छी संभावना है। उन्होंने कहा, 'हो सकता है कि कुछ खिलाड़ी पहले कुछ मुकाबलों में न खेलें।' उन्होंने बताया कि डैनी ओल्मो ने 2024 यूरोपियन चैंपियनशिप की शुरुआत चोट के साथ की थी और वह यूरोपियन चैंपियनशिप के टॉप स्कोरर थे।

लुइस डे फुएंते ने कहा, 'उन्होंने जर्मनी के खिलाफ (मिकेल) मेरिनो को अहम पास दिया, उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ उस शॉट को लाइन से बाहर कर दिया। उन्हें वहां होना ही था, और यह इंतजार और जोखिम उठाने लायक था।' कोच ने कहा कि वह और उनका कोचिंग स्टाफ हफ्ते में 60 मैच देखते हैं, इसके अलावा अपने साथ-साथ विरोधी टीम के खिलाड़ियों पर भी नजर रखते हैं और साल में लगभग 180 दिन यात्रा करते हैं।

जेम्स रोड्रिगेज: 'करिश्माई गोल' से रातोंरात बनाई थी पहचान, गोल्डन बूट जीत चुके कप्तान से फिर ऐतिहासिक प्रदर्शन की आस

नई दिल्ली। 28 जून, 2014। फीफा विश्व कप के राउंड ऑफ 16 का रोमांचक मुकाबला। इस मैच में कोलंबिया ने उरुग्वे को 2-0 से हराया था। यह मुकाबला ऐतिहासिक कोलंबिया के एक खिलाड़ी की वजह से बना था। इस खिलाड़ी का नाम जेम्स रोड्रिगेज है। जेम्स ने इस मैच में वह करिश्माई गोल किया था, जिसकी बदौलत वह रातों-रात इंटरनेशनल स्टेज पर मशहूर हो गए थे।

रोड्रिगेज गोल पोस्ट से काफी दूर खड़े थे और मैच में कोलंबिया की टीम पहले गोल की तलाश में थी। रोड्रिगेज को बेहतरीन पास मिला और उन्होंने गेंद को कंट्रोल करने के लिए पहले अपनी छाती पर लिया और इसके बाद शानदार वॉली मारते हुए गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचा दिया था। रोड्रिगेज का यह गोल इतना शानदार था कि विपक्षी टीम के गोलकीपर और कोच भी एक-दूसरे का मुंह देखते रह गए थे। जेम्स रोड्रिगेज को इस गोल के लिए फीफा के 'पुस्कस' पुरस्कार से नवाजा गया था।

इस विश्व कप में रोड्रिगेज ने छह गोल दागे थे, जिसके चलते उन्हें 'गोल्डन बूट' भी मिला था। इस एक करिश्माई गोल और एक विश्व कप ने रोड्रिगेज को विश्व स्तर पर स्टार बना दिया था। वह साल 2002 के बाद वर्ल्ड कप में पांच से उससे अधिक गोल करने वाले रोनाल्डो के बाद महज दूसरे खिलाड़ी बने थे। रोड्रिगेज अटैकिंग मिडफील्डर की भूमिका निभाते हैं और उन्हें अपनी शानदार पासिंग, ड्रिबलिंग और बाएं पैर से दनदनाते हुए गोल करने के लिए जाना जाता है।

12 साल बाद एक बार फिर जेम्स रोड्रिगेज फीफा वर्ल्ड कप 2026 में कोलंबिया की जर्सी में अपने उसी प्रदर्शन को दोहराना चाहेंगे।

साल 2024 में हुए कोपा अमेरिका कप में अपनी कप्तानी में रोड्रिगेज ने कोलंबिया को 23 साल बाद फाइनल तक पहुंचाया था। इस टूर्नामेंट में रोड्रिगेज ने एक गोल करने के साथ-साथ छह असिस्ट (गोल करने में मदद) भी किए थे। रोड्रिगेज को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए 'गोल्डन बॉल' से सम्मानित किया गया था और वह टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहे।

एस्टन विला का खत्म हुआ लंबा इंतजार, पहली बार जीता यूईएफए यूरोपा लीग का खिताब

इस्तांबुल । एस्टन विला फुटबॉल क्लब ने 44 साल में अपनी पहली यूरोपियन ट्रॉफी और पहला यूईएफए यूरोपा लीग खिताब जीता। यूरी टिलेमान्स, एमिलियानो बुएंडिया और मॉर्गन रोजर्स के गोल के दम पर एस्टन विला ने एससी फ्रीबर्ग को 3-0 से हराया।

एस्टन विला अब यूईएफए/यूरोपा लीग कप जीतने वाली 31वीं अलग टीम बन गई है। इसके साथ ही, एस्टन विला इस टूर्नामेंट को जीतने वाला इंग्लैंड का छठा क्लब भी बन गया है। वह पिछले छह सीजन में तीसरे नए विजेता हैं। उनाई एमरी तीन अलग-अलग टीमों के साथ यह टूर्नामेंट जीतने वाले पहले कोच बन गए हैं।

फ्रीबर्ग क्लब का इतिहास में पहला बड़ा खिताब जीतने का सपना साकार नहीं हो सका। मैच की शुरुआत में दोनों ही टीमें लय से भटकी हुई नजर आईं। दोनों टीमों के लिए कई आधे-अधूरे मौके आने और जाने के बाद, विला के मिडफील्ड मास्टर यूरी टिलेमान्स ने एक जादुई पल के साथ मैच में जान फूंकने का काम किया।

42 मिनट के बाद, बेल्जियम के खिलाड़ी ने शॉर्ट कॉर्नर से मॉर्गन रोजर्स के एक सटीक क्रॉस पर गोलकीपर नोआ अतुबोलू को छकाते हुए एक शानदार वॉली मारकर इंग्लिश टीम को बढ़त दिला दी। पहले गोल के बाद फ्रीबर्ग की टीम दबाव में दिखाई दी और हाफ टाइम से ठीक पहले टीम की मुश्किलें और बढ़ गईं।

एमिलियानो बुएंडिया को बॉक्स के बाहर गेंद मिली तो शुरुआत में ज्यादा खतरा नहीं लगा, लेकिन अर्जेंटीना के खिलाड़ी ने शानदार तरीके से गेंद को अपने बाएं पैर पर सेट किया और पहले हाफ की आखिरी किक पर जोरदार शॉट लगाकर गेंद को दूर वाले कोने में पहुंचा दिया। इस गोल से एस्टन विला की बढ़त 2-0 हो गई।

दूसरे हाफ में एस्टन विला की टीम बढ़े हुए आत्मविश्वास के साथ खेलती हुई नजर आई। एक घंटे का खेल पूरा होने से पहले बुएंडिया ने फिर कमाल दिखाया। उन्होंने लेफ्ट विंग से शानदार रन बनाते हुए गेंद को अंदर पास किया, जहां रोजर्स ने नजदीकी पोस्ट पर आसान फिनिश करके टीम की बढ़त को 3-0 कर डाला।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेलः vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415